राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार,29 सितम्बर 2020 वर्ष–3, अंक –243 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दोबारा शुरू होगा केंद्रीय मंत्रियों का जम्मू-कश्मीर का दौरा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार केंद्रीय मंत्रियों के जम्मू-कश्मीर के नियमित दौरे की प्रक्रिया को दोबारा शुरू करने की तैयारी कर रही है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने रविवार को यह जानकारी दी। जम्मू-कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा के साथ बैठक के दौरान जितेंद्र सिंह ने यह प्रक्रिया दोबारा शुरू करने का संकेत दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह और पहल पर यह प्रक्रिया शुरू की गई थी। कोविड-19 महामारी का प्रकोप धीमा होने के साथ इसे दोबारा पटरी पर लाया जाएगा। जितेंद्र सिंह ने कहा कि जनवरी में दो हफ्तों के बीच 36 केंद्रीय मंत्रियों के दौरे के बेहद संतोषजनक नतीजे मिले हैं। इससे स्थानीय जनता के बीच उनकी समस्याओं के बेहतर निराकरण की उम्मीद भी जगी है। केंद्रीय मंत्री ने पूर्वोत्तर राज्यों के मंत्रालय द्वारा की जा रही विशेष पहल का भी उल्लेख किया, जिसके तहत तीन बंबू क्लस्टर जम्मू क्षेत्र में स्थापित किए जाएंगे। इससे अगरबत्ती, चारकोल और बास्केट का निर्माण किया जाएगा। केंद्रशासित प्रदेश में एक बंबू

टेक्नोलॉजी सेंटर भी स्थापित किया जाएगा, ताकि बंबू क्षेत्र में स्वउद्यम को बढ़ावा दिया जा सके। सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख क्षेत्र का विकास मोदी सरकार की प्राथमिकता में है। पिछले पांच-छह साल में दोनों क्षेत्रों के बराबर विकास पर ध्यान दिया जा रहा है।

आर्मीनिया और अजरबैजान में जंग शुरू, 16 की मौत, 100 से अधिक घायल

येरेवान (आर्मीनिया)। आर्मीनिया और अजरबैजान के बीच अलगाववादी नागोरनो-करबाख इलाके को लेकर लड़ाई शुरू हो गई। जंग में दोनों तरफ से 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि सौ से अधिक लोग घायल हो गए। आर्मिनिया ने दावा किया कि अजरबैजान के बलों की गोलाबारी में एक महिला और एक बच्चे की मौत हुई है। वहीं, अजरबैजान के राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी सेना को नुकसान हुआ है। आर्मीनिया ने अजरबैजान के दो हेलीकॉप्टोंर को मार गिराने और तीन टैंकों को तोप से निशाना बनाने का भी दावा किया है, लेकिन अजरबैजान के रक्षा मंत्रालय ने इन दावों का खंडन किया है। दोनों देशों के बीच नागोरनो-करबाख पर कब्जे को लेकर विवाद है। हालांकि इस बार लड़ाई क्यों शुरू हुई है यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। जुलाई में दोनों पक्षों के बीच संघर्ष के बाद यह सबसे बड़ी लड़ाई है। जुलाई में दोनों पक्षों के कुल 16 लोगों की मौत हुई थी। नगोरनो-करबाख के अधिकारियों ने बताया कि अजरबैजान से की ओर से दागे गए गोले राजधानी स्टेपनाकेर्ट और मार्टकेर्ट एवं मार्टुनी कस्बों में गिरे। आर्मीनियाई रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता आर्टसरन होवहानिसियन ने कहा कि अजरबैजान की ओर से दागे गोले आर्मीनिया की सीमा में वर्डनिस कस्बे के पास गिरे। आर्मीनिया के मानाधिकार लोकपाल अरमान टटोयान ने कहा कि हमले में एक महिला और एक बच्चे की मौत हुई है, जबकि मार्टुनी क्षेत्र में दो नागरिक घायल हुए हैंअजरबैजान के हेलीकॉप्टर को मार गिराया- आर्मीनियाई रक्षा मंत्रालय के एक अन्य प्रवक्ता सुशान स्टेपनयन ने दावा किया कि आर्मीनिया की सेना ने अजरबैजान के दो हेलीकॉप्टरों को मार गिराया और तीन टैंकों को निशाना बनाया है।

आर्मीनिया की बमबारी से नुकसान हुआ- अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने टेलीविजन के जरिये राष्ट्र को दिए संदेश में कहा कि आर्मीनिया की बमबारी की वजह से अजरबैजान के सैनिकों और नागरिकों का नुकसान हुआ है। हालांकि उन्होंने इसकी विस्तृत जानकारी नहीं दी। राष्ट्रपति ने दुश्मन सेना के कई यूनिट के सैन्य उपकरणों को भी नष्ट करने का दावा किया।

तुर्की ने आर्मीनिया हमले की निंदा की- इस मामले में अजरबैजान के सहयोगी तुर्की में सत्तारूढ़ पार्टी के प्रवक्ता उमर सेलिक ने ट्वीट किया कि हम अजरबैजान पर आर्मीनिया के हमले की कड़ी निंदा करते हैं। उसने एक बार फिर उकसावे की कार्रवाई की है और कानूनों को नजरअंदाज किया है। उन्होंने कहा कि तुर्की अजरबैजान के साथ खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा कि आर्मीनिया आग के साथ खेल रहा है और क्षेत्रीय शांति को खतरे में डाल रहा है।

आर्मीनिया ने तुर्की को चेतावनी दी- आर्मीनिया के प्रधानमंत्री निकोलस ने तुर्की को युद्ध में किसी भी तरह की भूमिका को लेकर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि तुर्की इस संघर्ष में शामिल न हो। अगर वह इसमें शामिल पाया जाता है तो उसे इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

क्या है मामला?

दोनों देश 4400 वर्ग किलोमीटर में फैले नागोरनो-करबाख नाम के हिस्से पर कब्जा करना चाहते हैं। नागोरनो-करबाख इलाका अंतरराष्ट्रीय रूप से अजरबैजान का हिस्सा है,

अमेरिका में फैला दिमाग खाने वाले अमीबा, टेक्सास में सप्लाई वाला पानी नहीं पीने की चेतावनी जारी

वाशिंगटन। कोरोना महामारी के कहर के बीच अमेरिका में दिमाग खा जाने वाले सूक्ष्म जीव अमीबा का प्रकोप सामने आया है। पेयजल आपूर्ति में अमीबा के पाए जाने के बाद टेक्सास राज्य में हड़कंप मच गया। कई शहरों में पेयजल आपूर्ति का पानी न पीने की चेतावनी जारी की गई है।

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, टेक्सास में लेक जैक्सन में अमीबा के कारण एक बच्चे की मौत सामने आई है। जांच के दौरान पानी की आपूर्ति में मस्तिष्क खाने वाले सूक्ष्म जीव की मौजूदगी पाई गई थी। इसके बाद निवासियों को नल के पानी का उपयोग नहीं करने के लिए कहा गया है। हालांकि, अधिकारियों ने अच्छी तरह से पानी कीटाणुरहित कर दिया, लेकिन एहतियात बरतने के निर्देश दिए हैं।

टेक्सास में आठ सितंबर को एक बच्चे को अस्पताल में दाखिल कराया गया तो अमीबा के होने की बात सामने आई। डॉक्टरों ने बताया कि अमीबा के संपर्क में आने के कारण जोशिया मैकइंटायर की मौत हो गई। रिपोर्टों के अनुसार, वह उस क्षेत्र के पानी से संक्रमित हो गया था। इसके बाद, निवासियों को सख्त निर्देश दिए गए कि वे नल के पानी का उपयोग न करें। विशेष तौर पर पानी को मुंह और नाक के जरिये शरीर के अंदर न जाने दें। प्रभावित क्षेत्रों में लेक जैक्सन, फ्रीपोर्ट, एंग्लटन, ब्रेजोरिया, रिचवुड, ऑयस्टर क्रीक, क्लूट और रोसेनबर्ग शामिल हैं। हालांकि, बाद में लेक जैक्सन को छोड़कर बाकी जगहों से चेतावनी को हटा दिया गया है।

नाक से दिमाग तक पहुंचता है अमीबा- दरअसल, अमीबा ब्रेन यानी दिमाग खाने वाला सूक्ष्म जीव है। इस अमीबा का नाम नेगलेरिया फाउलरली भी कहा जाता है। यह मस्तिष्क में

घातक संक्रमण का कारण बन सकता है। अमीबा नाक के माध्यम से शरीर में प्रवेश करता है और वहां से मस्तिष्क तक जाता है।

मामला दुर्लभ, लेकिन पहली बार नहीं- अमेरिका में सार्वजनिक जल आपूर्ति में अमीबा का पाया जाना दुर्लभ है, लेकिन नया नहीं है। सीडीसी वेबसाइट के अनुसार, अमेरिकी सार्वजनिक पेयजल प्रणालियों से नल के पानी में पाए गए नेगलेरिया फाउलरली यानी अमीबा से पहली मौत 2011 और 2013 में दक्षिणी लुइसियाना में हुई थी।

ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान में भी- यह सूक्ष्मजीव 2003 में एरिजोना में एक जियो-थर्मल पेयजल आपूर्ति प्रणाली के साथ-साथ 1970 और 80 के दशक में ऑस्ट्रेलिया में और 2008 में पाकिस्तान में विनिर्मित सार्वजनिक पेयजल आपूर्ति में भी पाया गया था।

यहां रहता है अमीबा का खतरा- अमेरिका के बीमारी रोकथाम केंद्र सीडीसी के मुताबिक, यह दिमाग को खाने वाला जीवाणु आमतौर पर मिट्टी, गर्म झील, नदियों और गर्म जलधाराओं में पाया जाता है और अच्छी तरह रखरखाव नहीं किए जाने पर स्विमिंग पूल में भी अमीबा मौजूद हो सकते हैं।

मुख्तार अंसारी के दो दर्जन गुर्गों ने अपनी गाड़ियां बुलेट प्रूफ करवाई

लखनऊ। दो साल पहले बागपत जेल में मुन्ना बजरंगी की हत्या के बाद सबसे ज्यादा दहशत में आए बाहुबली मुख्तार अंसारी के करीब दो दर्जन गुर्गों ने अपनी गाड़ियां बुलेटप्रूफ करवा ली हैं। बेहद गुपचुप तरीके से स्कार्पियो और फार्च्यूनर गाड़ियों को मेरठ व पंजाब से बुलेटप्रूफ कराया गया है। दिलचस्प यह कि अधिकतर गुर्गों ने गाड़ियां करीबियों के नाम से खरीदी हैं। यह खुलासा सुरेन्द्र कालिया के अपनी बुलेटप्रूफ गाड़ी पर हमला कराने और मुख्तार के करीबी बने प्रदीप सिंह के पास ऐसी गाड़ी बरामद होने से हुआ। दोनों के पास बुलेटप्रूफ करवाने के कोई दस्तावेज नहीं मिले। पुलिस की पड़ताल में चौंकाने वाले कई और खुलासे हुए हैं। 12 जुलाई को आलमबाग में अजंता अस्पताल के बाहर हरदोई के हिस्ट्रीशीटर सुरेन्द्र कालिया ने बुलेटप्रूफ स्कार्पियो पर फायरिंग करवाई थी। पड़ताल में यह गाड़ी कालिया के दोस्त की निकली थी। इस गाड़ी को बुलेट प्रूफ करवाने का कोई भी दस्तावेज सुरेन्द्र नहीं दे सका था। 22 सितम्बर को मुख्तार गिरोह के खिलाफ चले अभियान में रिटायर डिप्टी एसपी के बेटे प्रदीप सिंह के फ्लैट पर बुलेटप्रूफ फार्च्यूनर गाड़ी की चाभी मिली थी। यह गाड़ी भेनुमती अपार्टमेंट में बरामद हुई थी। इसके भी कागजात पुलिस को नहीं मिले। पुलिस ने यह गाड़ी सीज कर दी है। इसी तरह मुख्तार के बेहद करीब एक पूर्व विधायक के गुर्गे के पास भी बुलेटप्रूफ गाड़ी पुलिस को पता चली। पुलिस कमिश्नर सुजीत पाण्डेय ने इस बारे में मातहतों के साथ बुलेटप्रूफ गाड़ी के बारे में कई जानकारियां जुटाईं। इसमें ही सामने आया कि अधिकतर बुलेटप्रूफ गाड़ियां मुख्तार अंसारी के गुर्गों के पास ही है। इस खुलासे के बाद ही पुलिस ने इस दिशा में पड़ताल तेज कर दी है। डीसीपी चारु निगम का कहना है कि मुख्तार के गिरोह की धरपकड़ के दौरान बुलेटप्रूफ गाड़ी मिली थीं। ये प्रदीप की बतायी जा रही हैं। इस बारे में पड़ताल की जा रही है।

किसान बिल के विरोध में इंडिया गेट पर ट्रैक्टर को लगाई गई आग

पंजाब के रहने वाले 5 लोगों को पुलिस ने पकड़ा

नई दिल्ली। सोमवार सुबह दिल्ली के हाई सिक्योरिटी जोन के अंतर्गत आने वाले इंडिया गेट के नजदीक ट्रैक्टर को आग के हवाले करने के आरोप में पुलिस ने 5 लोगों को हिरासत में लिया है. यह सभी पंजाब के रहने वाले हैं. सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है. प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपियों का नाम मनजोत सिंह, रमनदीप सिंह सिंधू, राहुल, साहिब और सुमित बताया जा रहा है. इस वीडियो को पंजाब कांग्रेस यूथ के पेज पर भी लाइव दिखाया गया था. जिसके बाद से आशंका जताई जा रही है कि सभी आरोपी कांग्रेस के कार्यकर्ता है. पुलिस के अनुसार पकड़े गए सभी युवक खुद को पंजाब यूथ कांग्रेस के नेता बता रहे हैं.

विपक्ष के विरोध के बीच राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कृषि? विधेयकों पर किए हस्ताक्षर

पुलिस अधिकारी ने बताया कि इन पांचों लोगों के अलावा

एक इनोवा कार को भी जब्त किया गया है. बताते चलें कि सुबह 7.15 से 7.30 के बीच करीब 15 से 20 संख्या में कुछ लोग किसान बिल के विरोध में इंडिया गेट के पास एकत्रित हुए. वो अपने साथ एक पुराना ट्रैक्टर लेकर आए थे. टाटा 407 से उन्होंने ट्रैक्टर को नीचे उतारा और उसे आग के हवाले कर दिया. किसान कानून के विरोध में इन लोगों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की. युवक अपने साथ भगत सिंह की तस्वीर लेकर आए थे।ञ रविवार को भी देश के कई हिस्सों में किसानों व राजनीतिक दलों ने कृषि कानून के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया. बता दें कि राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने रविवार को तीन कृषि विधेयकों को मंजूरी दी. गजट अधिसूचना के अनुसार राष्ट्रपति ने तीन विधेयकों को मंजूरी दी। ये विधेयक हैं- 1) किसान उपज व्यापार एवं वाणिज्य (संवर्धन एवं सुविधा) विधेयक, 2020, 2) किसान (सशक्तिकरण एवं संरक्षण) मूल्य आश्वासन अनुबंध एवं कृषि सेवाएं विधेयक, 2020 और 3) आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक, 2020. किसान उत्पाद व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) विधेयक, 2020 का उद्देश्य विभिन्न राज्य विधानसभाओं द्वारा गठित कृषि उपज विपणन समितियों (एपीएमसी) द्वारा विनियमित मंडियों के बाहर कृषि उपज की बिक्री की अनुमति देना है.

भारतीय जवानों ने पाकिस्तान में घुसकर तबाह कर दिए थे आतंकवादियों के लॉन्चिंग पैड

नई दिल्ली। सरकार सोमवार को सर्जिकल स्ट्राइक की चौथी वर्षगांठ मनाई। सितंबर, 2016 में जम्मू और कश्मीर के उरी में एक सेना शिविर पर हुए घातक हमले की प्रतिक्रिया में आतंकवादी समूहों के खिलाफ आज ही के दिन हमले किए गए थे। रविवार को अपने मासिक रेडियो संबोधन 'मन की बात' के दौरान, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को हमलों के बारे में याद दिलाया था। पीएम मोदी ने कहा, चार साल पहले, इस समय के दौरान, दुनिया ने सर्जिकल स्ट्राइक के दौरान हमारे सैनिकों के साहस, बहादुरी और पराक्रम को देखा। हमारे बहादुर सैनिकों का बस एक ही मिशन और लक्ष्य था - किसी भी कीमत पर भारत माता की जय और सम्मान की रक्षा करना। उन्हें अपने जीवन की बिल्कुल भी परवाह नहीं थी। वे कर्तव्य की रेखा पर आगे बढ़ते रहे और हम सभी साक्षी बने कि वे कैसे विजयी होकर लौटे। उन्होंने भारत को गौरवान्वित किया था। 27-28 सितंबर, 2016 की रात को भारतीय सेना के विशेष बलों ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) को पार किया और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंक के लॉन्चिंग पैड को नष्ट कर दिया। यह उस साल 18 सितंबर को उरी उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले में सेना के बेस कैंप पर पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा किए गए आत्मघाती हमले के जवाब में था। पीएम मोदी ने कहा था कि हमलावर बेखौफ़ नहीं जाएंगे और उन्हें माफ़ नहीं किया जाएगा। 18 जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। हमलों के

लिए सेना की तैयारी 24 सितंबर से शुरू हुआ। विशेष बलों के दस्तों को नाइट-विज़न डिवाइस, Tavor 21 और AK-47 असॉल्ट राइफल, रॉकेट-प्रोपेल्ड ग्रेनेड, शोल्डर-फ़ाइबल मिसाइल, हेकलर और कोच पिस्तौल, उच्च विस्फोटक ग्रेनेड और प्लास्टिक विस्फोटक से लैस किया गया था। सभी टीम में 30 भारतीय जवान शामिल थे।

भारत में कोरोना वायरस के कुल संक्रमितों का आंकड़ा 60 लाख के पार

50 लाख से अधिक हुए ठीक

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस के मामलों की संख्या रविवार रात 60 लाख के पार चली गई। इससे 12 दिन पहले पुष्ट मामलों की संख्या 50 लाख के पार गई थी। इस बीच संक्रमण से ठीक होने वाले लोगों की संख्या 50 लाख के पार पहुंच गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे में संक्रमण के 88600 नए मामले सामने आने के बाद कुल मामले बढ़कर 5992532 हो गए हैं। वहीं 1124 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 94503 हो गई है। बहरहाल, रविवार रात तक भाषा की तालिका के मुताबिक, भारत में कोरोना वायरस के मामलों की संख्या 6066061 हो गई है जबकि मृतकों की संख्या 95466 पहुंच गई है। संक्रमण से मुक्त होने वाले लोगों की तादाद भी 5003084 हो गई है। यह तालिका राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार संकलित की गई है। जॉन हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के मुताबिक, संक्रमण से ठीक होने के मामले में भारत शीर्ष पर है। उसके बाद ब्राजील और अमेरिका का नंबर आता है। विश्वविद्यालय के आंकड़ों के मुताबिक, कोविड-19 के मरीजों के मामले में भारत, अमेरिका के बाद

दुनिया में सबसे ज्यादा प्रभावित है, जबकि कोरोना वायरस के कारण मौतों के मामले में अमेरिका और ब्राजील के बाद भारत तीसरे नंबर पर है। मंत्रालय ने रविवार को बताया कि देश में अब तक 4941627 लोग संक्रमणमुक्त हो चुके हैं। इस प्रकार संक्रमण से ठीक होने की दर 82.46 फीसदी है जबकि मृत्यु दर 1.58 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, देश में 956402 मरीज उपचाराधीन हैं। यह कुल मामलों का 15.96 प्रतिशत है।

कोरोना के बाद पर्यटन क्षेत्र में देखी जा सकती है बढ़त, नीति आयोग का बयान

नई दिल्ली। नीति आयोगे के सीईओ अमिताभ कांत ने कहा कि भारत पर्यटन के अनुभव के लिहाज से काफी अलग जगह है। जो कोरोना काल के बाद देश में सांस्कृतिक विविधता और विरासत स्थलों की संपत्ति की पहचान होगा। वैश्विक पर्यटन क्षेत्र में संकट को अस्थायी बताते हुए, उन्होंने भविष्यवाणी की कि यह प्रतिशोध और उत्कर्ष के साथ वापस करेगा- क्योंकि मानव की खोज करने की इच्छा रहती है। दूसरे एचटी टूरिज्म कॉन्क्लेव में कांत ने कहा, कोरोना के बाद भारत के लिए कई बड़े अवसर होंगे। एक बार बस सहज यात्रा के अनुभव का निर्माण हो जाए।÷

पर्यटन की दुनिया अनुभवात्मक और छोटी यात्राओं की ओर बढ़ेगी। लोग अद्वितीय अनुभवों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। भारत की संस्कृति, विरासत, पुरातत्व और प्रकृति लोगों को इसी तरह के अनुभव प्रदान करेंगे। कांत ने कहा कि पर्यटन प्रौद्योगिकी की ओर बढ़ेगा, जो कि क्षेत्र में कई हितधारकों की सफलता का चालक और निर्धारक होगा। कांत ने कहा, प्रौद्योगिकी एक प्रमुख खिलाड़ी बन जाएगी,

क्योंकि अभी भी विकसित और विस्तारित होने वाली आठ कंपनियां तकनीकी रूप से संचालित हैं।

पर्यटन मंत्रालय ने कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री के अनुमानों का हवाला देते हुए कहा है कि पर्यटन को 2020-2021 में 72,000 करोड़ रुपये से लेकर 1.58 लाख करोड़ रुपये के बीच राजस्व का नुकसान हो सकता है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन अंतरराष्ट्रीय पर्यटन खर्च में 910 बिलियन डॉलर से लेकर 1 ट्रिलियन डॉलर की सीमा के भीतर गिरावट की भविष्यवाणी कर रहा है। लेकिन कांत ने कहा कि उनका मानना ??है कि महामारी का ये प्रभाव अस्थायी है।

उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्र को समर्थन की जरूरत है, लेकिन इसमें वापस उछाल दिखेगा।

शुरू में, कांत ने कहा, मध्यम अवधि के लिए, फोकस को अंदर की तरफ होना चाहिए और घरेलू पर्यटन रिकवरी का पहला पड़ाव होगा। वो कहते हैं, राज्य शीर्ष श्रेणी के उत्पाद बना सकते हैं। मध्य प्रदेश और कर्नाटक में एक अविश्वसनीय पर्यटन क्षमता है। जैसा कि यह है, उड़ान योजना अब दूरदराज के स्थानों से कनेक्टिविटी प्रदान करती है।÷ कांत के मुताबकि पर्यटक्षेत्र में उछाल देखने को मिलेगा और मानव जाति कोरोना वायरस से पार पा लेगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

पंछियों की खुशी

दुनिया में लॉकडाउन के समय पंछियों की दुनिया में भी अच्छे बदलाव हुए हैं। उनकी दुनिया पहले से ज्यादा हसीन और रहने लायक हुई है। इसका असर उनकी आवाज में महसूस होने लगा है। व्यवहार पारिस्थितिकी विज्ञानी लिज डेरीबेरी की टीम को पंछियों का अध्ययन करते हुए दिलचस्प नतीजे मिले हैं। पहले यह जान लेना जरूरी है कि डेरीबेरी करीब एक दशक तक सफेद कलगी वाली गौरैया का अध्ययन कर चुकी हैं। उन्होंने विस्तार से इस बात को सामने रखा था, समय के साथ बढ़ रहे शहरी शोर ने संवाद करने की पंछियों की क्षमता को कैसे बाधित किया है। ऐसे में, यह एक खुशखबरी है कि लॉकडाउन के वक्त पंछियों की आवाज ज्यादा खुशनुमा हुई है। जब महामारी के कारण सैन फ्रांसिस्को के लोग घरों के अंदर थे, तब यह अध्ययन शुरू किया गया। पंछियों और विशेष रूप से गौरैया की आवाजों का पीछा किया गया, उन्हें रिकॉर्ड किया गया। महामारी के पहले की उनकी रिकॉर्ड आवाज से नई आवाज की तुलना की गई और पाया गया कि पंछियों के स्वर पहले की तुलना में ज्यादा मधुर और मुखर हुए हैं। महामारी से पहले मानवी शोरगुल में उनकी आवाज वैसे ही दब जा रही थी, जैसे नक्कारखाने में तूती। सैन फ्रांसिस्को की सूनी पड़ी सड़कों पर पंछियों की आवाज रिकॉर्ड करके डेरीबेरी और उनके सहयोगियों ने खुलासा किया कि लॉकडाउन के समय पक्षियों की आवाज की गुणवत्ता व दक्षता, दोनों में नाटकीय रूप से सुधार हुआ है। खासकर नर पक्षी ज्यादा सुरीले हुए हैं, उन्हें अपने क्षेत्र की रक्षा व नया साथी खोजने के लिए अपने गीत-संगीत का सहारा लेना पड़ता है। टेनेसी यूनिवर्सिटी के शोधार्थी बताते हैं कि जितना अनुमान था, उससे कहीं ज्यादा पंछियों की आवाज बदली है। इससे पता चलता है, ध्वनि प्रदूषण किस तरह पंछियों की आवाज और दुनिया को नुकसान पहुंचाता है। यदि हम अनावश्यक शोर-गुल और प्रदूषण पर लगाम लगा दें, तो पंछियों की पुरानी दुनिया फिर गुलजार हो जाएगी, जिससे हमें भी लाभ होगा। साइंस पत्रिका में प्रकाशित शहरी वन्य जीवों पर महामारी के प्रभावों का वैज्ञानिक रूप से मूल्यांकन करने वाला यह पहला शोध है। यह अनुसंधान के एक जटिल क्षेत्र पर प्रकाश डालता है व संकेत करता है कि मानव निर्मित शोर ने कैसे पूरी प्रकृति को बाधित कर दिया है। आज मानव सभ्यताएं हरेक प्रकार के प्रदूषण बढ़ाने में जुटी हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि कुछ ही महीनों में पंछियों के व्यवहार-आवाज में बदलाव महसूस किया जा सकता है, तो लंबे समय तक यही माहौल मिले, तो पूरे जीव जगत को फायदा होगा। दुनिया मधुर ध्वनियों से सराबोर हो सकती है। सैन फ्रांसिस्को में यदि गौरैया नए गीत गाने लगी हैं, तो जाहिर है, दुनिया के दूसरे शहरों में भी पंछी अब मीठे स्वर में बातें कर रहे होंगे। शोध से यह भी संकेत मिलता है कि पंछियों में तनाव का स्तर घटा होगा, जिससे खासकर शहरी पंछियों की जिंदगी पहले की तुलना में लंबी होने का अनुमान है। गांव में जो पंछी रहते हैं, उनसे जुड़ा अध्ययन बताता है कि लॉकडाउन से पहले और उसके दौरान उनकी आवाज समान बनी रही है। एक और सकारात्मक सुधार यह हुआ है कि ऐसे लोगों की संख्या बढ़ी है, जो अपने आंगन या बगीचे में पंछियों का आनंद ले रहे हैं। बेशक, पंछियों की खुशी केवल उनके ही नहीं, बल्कि हम इंसानों के भी काम आएगी।

ऐलान नई टीम का

भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्ड़ा ने शनिवार को अपनी सांगठनिक टीम में काफी बड़े बदलाव किए। राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभालने के 8 महीने बाद अपनी नई टीम का ऐलान किया है। खास बात यह है कि बिहार विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी ने संगठन में कई अहम बदलाव किए हैं। भाजपा की ओर से पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय महामंत्री, राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन), राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री और राष्ट्रीय प्रवक्ता समेत कई अहम पदों में बदलाव करते हुए नये चेहरों को भी मौका दिया है। वहीं राधा मोहन सिंह, तृणमूल से आए मुकुल रायग रेखा वर्माग राजद से आई अन्नपूर्णा देवी, भारती भेन शियाल, डी.के. अरुणा, एम. चूबा आव, अब्दुल्ला कुट्टी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नई टीम में भूपेंद्र यादव, अरुण सिंह, कैलाश विजयवर्गीय, दुष्यंत कुमार गौतम, कांग्रेस से आई एन.टी. रामाराव की बेटी डी. पुरंदेश्वरी, सी. रवि, तरुण चुग, दिलीप सैकिया महासचिव बनाए गए हैं। बीएल संतोष पहले की तरह संगठन महासचिव की जिम्मेदारी निभाते रहेंगे। कर्नाटक से बीजेपी के युवा सांसद तेजस्वी सूर्या पूनम महाजन की जगह भारतीय जनता युवा मोर्चा की कमान संभालेंगे। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले इस परिवर्तन को महद्मवपूर्ण माना जा रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि राजद नेता तेजस्वी यादव से मोर्चा लेने के लिए पार्टी तेजस्वी सूर्या को बिहार की रणभूमि में उतारेगी। गौरतलब है कि नड्डा ने राज्य इकाइयों से उन लोगों के नाम के लिए सुझाव मांगे थे, जिन्हें नये संगठनात्मक सेट-अप का हिस्सा बनाया जाएगा। यानी पार्टी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले नेताओं को संगठन में जगह दी गई है। नड्डा द्वारा पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में पदभार संभालने के बाद से भाजपा कार्यकर्ता और नेता संगठनात्मक बदलाव की प्रतीक्षा कर रहे थे। 2014 में पार्टी अध्यक्ष का पद संभालने वाले अमित शाह ने अपनी टीम बनाई और वही टीम अब तक काम कर रही थी। मगर अब मुकम्मल तौर पर नई टीम के बन जाने से आने वाले बिहार और प. बंगाल विधानसभा चुनाव में पार्टी ज्यादा मजबूती और रणनीतिक कौशल के साथ मैदान में उतरेगी। ताजा बदलाव से इतना तो साफ है कि नड्ड़ा की टीम में नये और पुराने चेहरों का मिश्रण है। देखना है, नवनियुक्त टीम का प्रदर्शन आने वाले चुनाव खासकर बिहार चुनाव में कैसा होता है?

परिधि/राजीव मंडल

दुनिया की चिंता

भारत भले बड़े बदलाव के दौर के दौर से गुजरा हो, मगर यह सर्वथा सच है कि देश की आत्मा खेती-किसानी और ऋषि परंपरा में ही बसती है। यह तथ्य भी उतना ही सच है कि देश की 78 फीसद संसाधनों पर देश के महज 12-13 अमीर घरानों का कब्जा है। इस असमानता ने आमजन की संवेदना को न केवल चोटिल किया है वरन उसे लहूलुहान भी कर ड़ाला है।

इस वक्त देश में कृषि विधेयक को लेकर महासंग्राम मचा है। इसकी लड़ाई संसद से लेकर सड़क तक जारी है। जिस पंजाब की खेती पर हम अपना सीना चौड़ा करते थे, वहां सबसे ज्यादा उबाल है। हरियाणा में भी नई नीति को लेकर किसानों की सरकार से सीनाजोरी हो रही है। देश के बाकी हिस्सों में भी कृषि बिल के कई बिंदुओं पर सरकार के खिलाफ माहौल है। खास बात यह है कि ज्यादातर राज्यों में किसान संगठनों का यह आंदोलन किसी बड़े नेता के बगैर परवान पर है। कह सकते हैं कि पूरी लड़ाई स्वत: स्फूर्त है। यहां तक कि बिल को लेकर सबसे आक्रामक तेवर के साथ लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाने को आतुर पंजाब में तो किसानों का कोई सर्वमान्य नेता ही नहीं है। यहां किसानों की पूरी राजनीति को अकाली दल अपने आगोश में लेने को तैयार दिखती है। यह ठीक है कि देश में किसानों की पस्त हालत मोदी सरकार के छह साल के शासन की देन नहीं है। साल-दर-साल से ऐसा होता रहा है। जिस न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर ज्यादा रार मची है, उसकी हकीकत तो यही है कि महज 7-8 फीसद फसल ही एमएसपी पर बिकती है। बाकी तो बिचौलिये और लार टपकाते बड़ी कंपनियों के ठेकेदार औने-पौने दाम पर खरीद लेते हैं। तो क्या यह सरकार के स्तर पर सुनियोजित तरीके से होता रहा है या हाल के वर्षों में सर्वमान्य किसान नेता का नहीं होना इसकी मूल वजह है। चौधरी चरण सिंह, महेंद्र सिंह टिकैत व शेतकारी संगठन के शरद जोशी जैसे दमदार किसान नेताओं की कमी किसानों को उनका वाजिब हक दिलाने से दूर रही। यानी उस खालीपन को भरा नहीं गया। वैसे यह दावे के साथ तो नहीं कहा जा सकता कि किसान नेता न होने से किसानों को दुश्वारियां झेलनी पड़ी हैं, मगर इतना तो दावे के साथ कहा जा सकता है कि तमाम विपरीत हालात में (मंदी के वक्त) भी कृषि अर्थव्यवस्था ने ही देश की अर्थव्यवस्था को कंधा दिया। हास्यास्पद है कि इतना सबकुछ जानने-समझने के बावजूद नीति नियंताओं ने खेती और अन्नदाता दोनों को हाशिये पर रखा।

नफरत का कारोबार और हम

हरजिंदर

सोशल मीडिया किसी देश के हालात को किस हद तक और कितनी तेजी से बिगाड़ सकता है, इसे समझना हो, तो हमें इथियोपिया जाना होगा। बस एक साल पहले तक इस पूर्वी अफ्रीकी देश के हालात इतने अच्छे दिख रहे थे कि उससे पूरे अफ्रीका में एक नई उम्मीद बांधी जाने लगी थी। और तो और, इस देश के प्रधानमंत्री अबी अहमद को पिछले साल विश्व शांति के लिए नोबेल पुरस्कार भी दिया गया था। पुरस्कार तो खैर उन्हें मिल गया, लेकिन कुछ ही महीनों के भीतर चारों तरफ से घिरे इस देश से शांति गायब होने लगी। इस साल जून में जब इथियोपिया के लोकप्रिय गायक और नागरिक अधिकार कार्यकर्ता हचलू हंडेसा की हत्या हुई, तो उसके बाद हिंसा का जो दौर शुरू हुआ, वह अभी तक रुका नहीं है। तब से इस देश में न जाने कितने दंगे और न जाने कितने सामूहिक हत्याकांड हो चुके हैं, अनगिनत इमारतें जलाकर राख कर दी गई हैं और यह तांडव रुकने का नाम नहीं ले रहा।

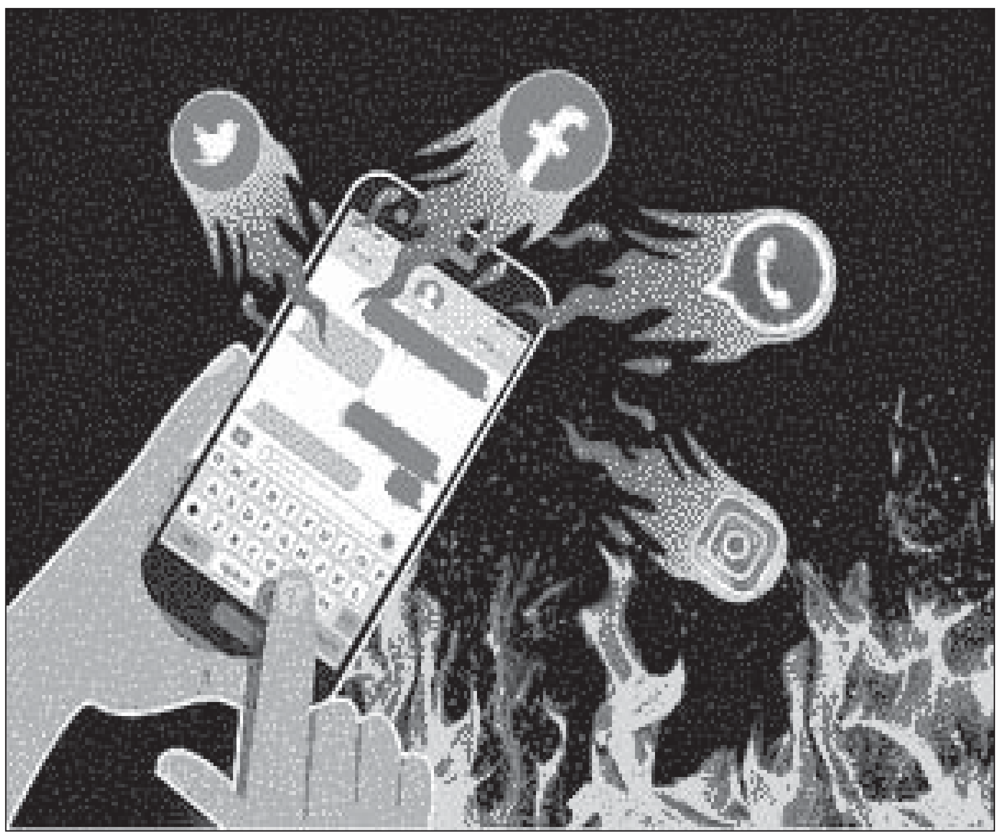

इन सबका दोषी कौन है? बेशक हम वहां की विभाजक जातीय रेखाओं और उनके आधार पर चलने वाली राजनीति को इसका दोषी ठहरा सकते हैं। लेकिन सच यह भी है कि ये विभाजक रेखाएं वहां हमेशा से ही थीं, लेकिन इस बार जैसी और जितनी हिंसा हो रही है, उतनी पिछले कई दशकों में वहां देखने को नहीं मिली। इस बार जो चीज फर्क डाल रही है, वह है सोशल मीडिया की मौजूदगी। कई विशेषज्ञों और डाटा वैज्ञानिकों ने तमाम उदाहरणों के साथ बताया है कि वहां का पूरा सोशल मीडिया नफरत फैलाने वाले भाषणों और हिंसा भड़काने वाली सामग्रियों से भरा पड़ा है। तमाम शिकायतों के बावजूद ये सामग्रियां वहां से हटाई नहीं गई हैं। कहा जाता है कि इसे बढ़ावा देने में इथियोपिया की सरकार बड़ी भूमिका निभा रही है। यह मुमकिन है, क्योंकि इस हिंसा में सरकार भी एक पक्ष है और इस सबका सबसे बड़ा राजनीतिक फायदा भी उसी को मिल रहा है। लेकिन ऐसा नहीं लगता कि सोशल मीडिया चलाने वाली कंपनियों का इस हिंसा और नफरत से कोई सीधा हित सध रहा है, फिर भी वे इसे रोकने के लिए कदम क्यों नहीं उठा रही हैं?

> “जिसको हम नफरत कहते हैं, सोशल मीडिया के कारोबार में कमाई का वह सबसे अच्छा साधन है। इसीलिए उसे न हटाने के बहाने तलाशे जाते हैं।”

यह सवाल सिर्फ इथियोपिया को लेकर नहीं, बहुत से दूसरे मामलों में भी किया जाता है। बर्मा के रोहिंग्या मुसलमानों को लेकर जो कुछ हुआ, उस पर भी इसी तरह के सवाल उठाए जाते रहे हैं। पिछले दिनों हमारे यहां भी यही चीज एक बड़ी खबर बनी थी, जब यह पता चला कि फेसबुक ने नफरत फैलाने वाली सामग्री हटाने में लंबी आना-कानी की थी। ऐसा क्यों होता है कि सोशल मीडिया चलाने वाली कंपनियां नफरत फैलाने वाली सामग्री हटाने को आसानी से तैयार नहीं होतीं? भले ही वे हर समय सद्भाव की कितनी भी बातें करती रहें।

इसका एक कारण तो अच्छी और बुरी चीजों पर हमारा अलग-अलग ढंग से प्रतिक्रिया करना है, यानी जब हमें सोशल मीडिया पर कोई अच्छी चीज, सुभाषित या प्यार बढ़ाने वाली पोस्ट दिखती है, तो हम उसे पसंद करते हैं, और कई बार लाइक के बटन को भी दबा देते हैं। ज्यादा अच्छी लग जाए, तो उसे फॉरवर्ड भी कर देते हैं और फिर भूल जाते हैं। ऐसी पोस्ट बहुत ज्यादा हो जाएं, तो हम उन्हें नजरअंदाज करना शुरू कर देते हैं। लेकिन जब कोई नफरत फैलाने वाली पोस्ट दिखती है, तब हमारी प्रतिक्रिया ऐसी नहीं होती। तब हमारी प्रतिक्रिया बहुत हद तक इस बात पर निर्भर करती है कि हम उस नफरत के किस तरफ खड़े हैं? अगर वह हमारी धारणा से मेल खाती है, तब हम उसे लाइक तो करते ही हैं, उसे बढ़-चढ़कर फॉरवर्ड भी करते हैं, दूसरों को भेजते भी हैं, उन्हें दिखाते भी हैं। उसका इस्तेमाल विपरीत विचारधारा वालों को चिढ़ाने के लिए भी करते हैं। और अगर वह नफरती पोस्ट हमें नापसंद होती है, तो हम उस पर तीखी प्रतिक्रिया भी देते हैं। हम उस पर जो भी प्रतिक्रिया दें, आगे उस पर और प्रतिक्रिया होती है, फिर यह सिलसिला लंबा चलता है। अच्छी पोस्ट को हम भले ही कुछ समय बाद नजरअंदाज करने लगते हों, लेकिन नफरत सोशल मीडिया पर हमारी सक्रियता को बढ़ाती है।

अगर इसे सोशल मीडिया के व्यापार की भाषा में कहें, तो नफरत जितनी ज्यादा होती है, उतना ही ट्रैफिक जेनरेट होता है। जितना ट्रैफिक जेनरेट होता है उतना ही ज्यादा डाटा जेनरेट होता है। सोशल मीडिया का सारा कारोबार अंतत- डाटा का ही कारोबार है, इसलिए जितना ज्यादा डाटा तैयार होता है, उतना ही अधिक मुनाफा भी बढ़ता है। सीधे शब्दों में कहें, तो जिसे हम नफरत कहते हैं, सोशल मीडिया के कारोबार में कमाई का वह सबसे अच्छा साधन है। इसीलिए जब नफरत फैलाने वाली पोस्ट को हटाने की बात आती है, तब सोशल मीडिया चलाने वाली कंपनियां या तो आना-कानी करती हैं या फिर बहाने तलाशती हैं।

यह नफरत कोई नई चीज नहीं है। नई चीज है, इसका बड़े पैमाने पर कारोबारी मुनाफे के लिए इस्तेमाल। यह कुछ वैसा ही है, जैसे हमारे समाज के कई अपशिष्ट पदार्थ हमारी नदियों को लंबे समय से प्रदूषित करते रहे हैं। तब नदियों का तंत्र, उसके जीव-जंतु, उसके आस-पास के जंगल इसे साफ करने में सक्षम थे, लेकिन जब से बड़ी-बड़ी फैक्टरियों ने नदियों को प्रदूषित करना शुरू किया, उन्हें साफ करना किसी के लिए संभव नहीं रहा। नदियों की जो दुर्गति हमारी कई फैक्टरियां कर रही हैं, हमारे समाज और राजनीति की वही दुर्गति बहुत हद तक सोशल मीडिया कर रहा है। यह बात अलग है कि हमारे समाज के लिए इसकी उपयोगिता भी कम नहीं है। ठीक वैसे ही, जैसे हमारे समाज के लिए प्रदूषण फैलाने वाली फैक्टरियां भी बहुत उपयोगी हैं, इसीलिए हम उन्हें पूरी तरह नकार नहीं पाते। दुनिया इस प्रदूषण से मुक्ति के रास्ते तो तलाश रही है, लेकिन सोशल मीडिया के मामले में ऐसी चिंता अभी नहीं दिखाई दे रही।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अंतर्मन

अमृत तुल्य है संकट में मिलने वाली मदद

योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

समाज का आधार परस्पर एक-दूसरे की सहायता करना ही रहा है। यह सच है कि परिस्थितियों में घिरकर आदमी कभी-कभी इतना असहाय हो जाता है कि वह उस समय किसी की मदद के लिए तरसता है। अगर उस समय आदमी को वांछित मदद मिल जाती है तो आदमी संकट पर विजय पा लेता है और उसके हृदय में अपने मददगार के लिए कृतज्ञता का भाव बना रहता है। महाकवि जयशंकर प्रसाद की विश्वकृति 'कामायनी' के 'चिंता सर्ग' में महाप्रलय के पश्चात जीवित बचे मनु जब यज्ञ के बाद प्रसाद रूप में कुछ हविष्य इसलिए छोड़ देते हैं कि शायद कोई दूसरा प्राणी मेरी ही तरह प्रलय से बच गया हो तो इस हविष्य को खाकर अपनी प्राण-रक्षा तो कर सकेगा? सच मानिए, कामायनी का यही सत्य मानव-समाज का वह शाश्वत सत्य है, जिसके आधार पर समाज पाषाण-युग से निकलकर आज के सभ्य युग तक पहुंच पाया है। किसी कवि ने कहा है-

संकट में हो मित्र तो, करो तुरंत सहाय।
बाधा पल में दूर हो, लक्ष्य सदा मिल जाय।

आज एक ऐसी प्रेरक घटना पढ़ने को मिली। यह घटना श्रीमती सुधा मूर्ति की पुस्तक 'द डे आई स्टॉप्ड ड्रिंकिंग मिल्क' से ली गई है। मुंबई से बेंगलुरू जा रही ट्रेन में सफ़र के दौरान टीसी ने सीट के नीचे छिपी लगभग तेरह/चौदह साल की एक लड़की को देखकर पूछा- तुम्हारा टिकट कहां है? तो कांपती हुई लड़की बोली- टिकट तो नहीं है साहब।

गुर्राता हुआ टीसी बोला-तो गाड़ी से नीचे उतरो। तभी एक स्वर गूंजा-इसका टिकट मैं दे रही हूं। उसी डिब्बे में सफर कर रही एक यात्री ऊषा भट्टाचार्य की यह आवाज थी, जो पेशे से प्रोफेसर थी। सहमी लड़की से ऊषा जी ने पूछा-तुम्हें कहां जाना है बेटी? लड़की बोली-पता नहीं है मैम! ऊषा जी बोली-तब तो तुम मेरे साथ चलो बैंगलोर तक! और प्यार से उन्होंने पूछा- तुम्हारा नाम क्या है? मासूम सा उत्तर आया -चित्रा बैंगलोर पहुंच कर ऊषाजी ने चित्रा को अपनी जान-पहचान की एक स्वयंसेवी संस्था को सौंप दिया और एक अच्छे स्कूल में उसका एडमिशन करवा दिया। जल्द ही ऊषा जी का ट्रांसफर दिल्ली हो गया, जिस कारण चित्रा से ऊषा जी का संपर्क टूट गया। कभी-कभार केवल फोन पर बात हो जाया करती थी।

करीब बीस साल बाद ऊषाजी को एक लेक्चर के लिए सेन फ्रांसिस्को (अमेरिका) बुलाया गया। लेक्चर के बाद जब वह होटल का बिल देने रिसेप्शन पर गई तो उन्हें पता चला कि एक दंपति ने उनके होटल का बिल चुका दिया था। अचंभित सी ऊषा जी ने बिल चुकाने वाली महिला से पूछा- तुमने मेरा बिल क्यों भरा है? प्यारी सी मुस्कान के साथ उत्तर मिला-मैम, यह बिल मुम्बई से बैंगलोर तक के रेल टिकट के सामने तो कुछ भी नहीं है। चौंक कर ऊषाजी बोली-अरे चित्रा! तुम? और उन्होंने चित्रा को गले लगा लिया। चित्रा कोई और नहीं, बल्कि प्रसिद्ध इंफोसिस फाउंडेशन की चेयरमैन सुधा मूर्ति थीं, जो इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति की पत्नी हैं।

सच मानिए, कभी-कभी आपके द्वारा की गई किसी की सहायता, किसी का जीवन बदल सकती है।

यदि जीवन में कुछ कमाना है, तो पुण्य अर्जित कीजिये, क्योंकि यही वो मार्ग है, जो स्वर्ग तक जाता है।

आज हम जिस भौतिकता के वातावरण में जी रहे हैं, उसमें हमारी मानवीय संवेदनाएं जाने क्यों मर गई हैं। सबसे बड़ी बात तो यह हुई है कि हमारे दिलों में एक-दूसरे के लिए विश्वास ही खत्म सा हो गया है? हमें कोई व्यक्ति ऐसा मिलता है, जिसे हमारी सहायता जीवन के लक्ष्य को पूरा कराने में सहायक हो सकती है, तो भी हम जाने क्यों, उसकी मदद नहीं कर पाते?

कभी मैंने लिखा था-

हर तरफ वीरानगी सी उड़ रही है,
यंत्र जैसी ज़िन्दगी बस हो गई है।
आदमी और आदमी के बीच फैली दूरियां,
खोखली मुस्कान फैशन हो गई है।

आइए, आज एक संकल्प हम सब मिलकर लें कि हम किसी व्यक्ति की तात्कालिक मदद करके उसे कष्टों से बाहर अवश्य ही निकालेंगे। सच मानिए, हम अगर संकट में हों, तो किसी की मदद की जैसी जरूरत हमें होती है, उसी का ध्यान करके हम किसी की मदद को आगे आएंगे, तो सचमुच हम समाज-ऋण से मुक्त हो सकेंगे। याद कीजिए एक गीत की ये पंक्तियां-

साथी हाथ बढ़ाना,
एक अकेला थक जाएगा,
मिलकर बोझ उठाना।

सकर माउथ फिश

पारिस्थितिकी के लिए बड़ा खतरा

पंकज चतुर्वेदी

हाल ही में वाराणसी में रामनगर के रमना से होकर गुजरती गंगा में डाल्फिन के संरक्षण के लिए काम कर रहे समूह को एक ऐसी विचित्र मछली मिली, जिसका मूल निवास हजारों किलोमीटर दूर दक्षिणी अमेरिका में बहने वाली अमेजन नदी है।

चूंकि गंगा का जल तंत्र किसी भी तरह से अमेजान से संबद्ध है नहीं तो इस सुंदर सी मछली के मिलने पर आश्चर्य से ज्यादा चिंता हुई। हालांकि दो साल पहले भी इसी इलाके में ऐसी ही एक सुनहरी मछली भी मिली थी।

सकर माउथ कैटफिश नामक यह मछली पूरी तरह मांसाहारी है और जाहिर है कि यह इस जल-क्षेत्र के नैसर्गिक जल-जंतुओं का भक्षण करती है। इसका स्वाद होता नहीं , अत: ना तो इसे इंसान खाता है और ना ही बड़े जल-जीव। सो इसके तेजी से विस्तार की संभावना होती है। यह नदी के पूरे पर्यावरणीय तंत्र के लिए इस तरह हानिकारक है कि 'नमामि गंगे परियोजना' पर व्यय हजारों करोड़ इसे बेनतीजा हो सकते हैं। हालांकि गंगा नदी पर मछलियों की कई प्रजातियों के गायब होने का खतरा कई साल पुराना है। पहाड़ों से उतर कर गंगा जैसे ही मैदानी इलाकों में आती है तो उसकी जल-धारा के साथ आने वाली मछलियों की कई प्रजातियां ढूंढे नहीं मिल रही। छह साल पहले राट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड द्वारा करवाए गए सव्रे में पता चला कि गंगा की पारंपरिक रीठा, बागड़, हील समेत छोटी मछलियों की 50 प्रजातियां लुप्त हो गई हैं। जान लें जैव विविधता के इस संकट का कारण हिमालय पर नदियों के बांध तो है। ही, मैदानी इलाकों में तेजी से घुसपैठ कर रही विदेशी मछलियों की प्रजातियां भी इनकी वृद्धि पर विराम लगा रही हैं। गंगा और इसकी सहायक नदियों में पिछले कई वर्षो के दौरान थाईलैंड, चीन व म्यांमार से लाए बीजों से मछली की पैदावार बढ़ाई जा रही है। ये मछलियां कम समय में बड़े आकार में आ जाती हैं और मछली-पालक अधिक मुनाफे के फेर में इन्हें पालता है। हकीकत में ये मछलियां स्थानीय मछलियों का चारा हड़प करने के साथ ही छोटी मछलियों को भी अपना शिकार बना लेती हैं।

इससे कतला, रोहू और नैन जैसी देसी प्रजाति की मछलियों के अस्तित्व पर खतरा हो गया है। किसी भी नदी से उसकी मूल निवासी जलचरों के समाप्त होने का असर उसके समूचे पारिस्थितिकी तंत्र पर इतना भयानक होता है कि जल की गुणवत्ता, प्रवाह आदि नट हो सकते हैं। मछली की विदेशी प्रजाति खासकर तिलैपिया और थाई मांगुर ने गंगा नदी में पाई जाने वाली प्रमुख देसी मछलियों की प्रजातियों कतला, रोहू और नैन के साथ ही पड़लिन, टेंगरा, सिंघी और मांगुर आदि का अस्तित्व खतरे में डाल दिया है। गंगा के लिए खतरा बन रही विदेशी मछलियों की आवक का बड़ा जरिया आस्था भी है। विदित हो हरिद्वार में मछलियां नदी में छोड़ने को पुण्य कमाने का जरिया माना जाता है। यहां कई लोग कम दाम व सुंदर दिखने के कारण विदेशी मछलियों को बेचते हैं। इस तरह पुण्य कमाने के लिए नदी में छोड़ी जाने वाली यह मछलियां स्थानीय मछलियों और उसके साथ गंगा के लिए खतरनाक हो जाती हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक, गंगा में देसी मछलियों की संख्या करीब 20 से 25 प्रतितत तक हो गई है, जिसकी वजह ये विदेशी मछलियां हैं। गंगा नदी में 143 किस्म की मछलियां पाई जाती हैं। हालांकि अप्रैल 2007 से मार्च 2009 तक गंगा नदी में किए गए एक अध्ययन में 10 प्रजाति की विदेशी मछलियां मिली थीं। अंधाधुंध और अवैध मछली पकड़ने, प्रदूषण, जल अमूर्तता, गाद और विदेशी प्रजातियों के आक्रमण भी गंगा में मछली की विविधता को खतरा पैदा कर रहे हैं और 29 से अधिक प्रजातियों को खतरे की श्रेणी में सूचीबद्ध किया गया है। वैसे गंगा में सकर माउथ कैट फिश के मिलने का मूल कारण घरों में सजावट के लिए पाली गई मछलियां हैं। चूंकि ये मछलियां दिखने मेंसुदर होती हैं साम सजावटी मछली के व्यापारी इन्हें अवैध रूप से पालते हैं।

कई तालाब, खुली छोड़ दी गई खदानों व जोहड़ों में ऐसे मछलियों के दाने विकसित किए जाते हैं और फिर घरेलू एक्वेरियम टैंक तक आते हैं। बाढ़, तेज बरसात की दशा में ये मछलियां नदी-जल धारा में मिल जाती हैं वहीं घरों में ये तेजी से बढ़ती हैं व कुछ ही दिनों में घरेलू एक्वेरियम टैंक इन्हें छोटा पड़ने लगता हैं। ऐसे में इन्हें नदी-तालाब में छोड़ दिया जाता हैं। थोड़ी दिनों में वे धीरे-धीरे पारिस्थितिक तंत्र घुसपैठ कर स्थानीय जैव विविाता और अर्थव्यवस्था को खत्म करना शुरू कर देती हैं। चिंता की बात यह है कि अभी तक किसी भी राज्य या केंद्रशासित प्रदेश में ऐसी आक्रामक सजावटी और व्यावसायिक रूप से महत्त्वपूर्ण मछली प्रजातियों के अवैध पालन, प्रजनन और व्यापार पर कोई मजबूत नीति या कानून नहीं है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोविड-19 की वजह से जुलाई-सितंबर के दौरान शीर्ष सात शहरों में घरों की बिक्री 61 प्रतिशत घटी

नयी दिल्ली. कोविड-19 महामारी से आवास क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ है। संपत्ति सलाहकार जेएलएल इंडिया ने सोमवार को कहा कि महामारी की वजह से देश के शीर्ष सात शहरों में जुलाई-सितंबर की तिमाही में घरों की बिक्री 61 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 14,415 इकाई रह गई। इससे पिछले साल की समान अवधि में सात शहरों...दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, पुणे और कोलकाता में 36,826 मकान बेचे गए थे। इस साल जुलाई-सितंबर में बेंगलुरु में घरों की बिक्री 1,742 इकाई, चेन्नई में 1,570 इकाई, दिल्ली-एनसीआर में 3,112 इकाई, हैदराबाद में 2,122 इकाई, कोलकाता में 390 इकाई, मुंबई में 4,135 इकाई और पुणे में 1,344 इकाई रही। कंपनी ने पिछले साल की समान अवधि के लिए शहरवार आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए हैं। हालांकि, तिमाही दर तिमाही आधार पर तुलना की जाए, तो अप्रैल-जून के मुकाबले जुलाई-सितंबर के दौरान घरों की बिक्री 34 प्रतिशत बढ़ी है। अप्रैल-जून के दौरान घरों की बिक्री 10,753 इकाई रही थी। जेएलएल इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) तथा कंट्री प्रमुख रमेश नायर ने बयान में कहा, ''हम आवास बाजार को लेकर सतर्क तरीके से आशान्वित हैं। मुंबई और दिल्ली के आंकड़ों से हमें उम्मीद दिखती है।'' नायर ने कहा कि सस्ते कर्ज, आकर्षक मूल्य के साथ बिल्डरों की ओर से दी जा रही आकर्षक भुगतान योजना के जरिये दीर्घावधि में इस क्षेत्र की स्थिति बेहतर हो सकती है।'' उन्होंने कहा कि अंतिम प्रयोगकर्ताओं की दृष्टि से अगले 12 माह घर खरीदने की दृष्टि से अच्छे हैं।

सरसों तेल में मिलावट पर 1 अक्टूबर से रोक, उपभोक्ता व किसानों को होगा फायदा

नई दिल्ली। उपभोक्ताओं को अब शुद्ध सरसों का तेल मिलेगा क्योंकि सरकार ने सरसों तेल में किसी अन्य तेल की मिलावट पर रोक लगा दी है। भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा सरसों तेल में मिलावट पर लगाई गई रोक एक अक्टूबर से लागू होगी। विशेषज्ञ बताते हैं कि सरकार के इस फैसले से उपभोक्ताओं के साथ-साथ सरसों उत्पादक किसानों को भी फायदा होगा। सरसों तेल में चावल की भूसी यानी राइस ब्रान तेल, पाम तेल या अन्य किसी सस्ते खाद्य तेल की मिलावट की जाती है। विशेषज्ञ बताते हैं कि मिलावट दो तरह से होती है - एक सम्मिश्रण (ब्लेंडिंग) जिसमें एक निश्चित अनुपात में मिलावट की जाती है जबकि दूसरा अपमिश्रण (अडल्टरेशन) है जिसमें मिलावट के लिए कोई अनुपात तय नहीं होता है। खाद्य तेल में अपमिश्रण पर पहले से ही रोक है जबकि तय अनुपात में ब्लेंडिग की इजाजत थी, लेकिन अब एफएसएसएआई ने इस पर भी रोक लगा दी है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के तहत आने वाले राजस्थान के भरतपुर स्थित सरसों अनुसंधान निदेशालय के निदेशक डॉ. पी. के. राय ने बताया कि यह फैसला उपभोक्ताओं के साथ-साथ किसानों के हित में है। उन्होंने बताया कि सरकार के इस फैसले से उपभोक्ताओं को जहां शुद्ध सरसों का तेल खाने को मिलेगा वहीं, सरसों की खपत बढ़ने से किसानों को उनकी फसल का अच्छा दाम मिलेगा जिससे किसान सरसों की खेती में दिलचस्पी लेंगे। डॉ. राय ने कहा कि सरसों की बुवाई शुरू होने से पहले यह फैसला किसानों के लिए काफी उत्साहवर्धक है और इससे निस्संदेह आगामी रबी बुवाई सीजन में सरसों का रकबा बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि सरसों की बुवाई 15 अक्टूबर से शुरू होने वाली है। हालांकि खाद्य तेल उद्योग का कहना है कि अपमिश्रण पर रोक को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए और सम्मिश्रण की इजाजत देनी चाहिए क्योंकि विनिर्माता सम्मिश्रण की जानकारी पैकेट पर देता है। खाद्य तेल उद्योग संगठन सॉल्वेंट एक्स्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के कार्यकारी निदेशक डॉ. बी. वी. मेहता ने कहा कि सरसों तेल में जो अल्डटरेशन हो रहा है उस पर रोक लगाने की जरूरत है जबकि ब्लेंडिंग पर रोक नहीं होनी चाहिए।

सरकार ने 2,000 करोड़ से अधिक रूपए से अधिक रक्षा खरीद सौदों को दी मंजूरी

नई दिल्ली:

पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर चीन के साथ जारी गतिरोध के बीच सरकार ने अग्रिम मोर्चों पर तैनात सेना के जवानों के लिए अत्याधुनिक राइफल और सेना तथा वायु सेना के लिए संचार उपकरणों सहित अन्य हथियारों की खरीद से संबंधित 2290 करोड़ रूपये के रक्षा सौदों को आज मंजूरी दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में यहां हुई रक्षा खरीद परिषद की बैठक में इन सौदों से संबंधित प्रस्तावों को हरी झंडी दिखाई गयी। यह खरीद घरेलू रक्षा उद्योग और विदेशी विक्रेताओं दोनों से की जायेगी। परिषद ने 'बाय इंडियन' (आईडीडीएम) श्रेणी के लिए स्टेटिक एचएफ ट्रांस रिसिवर सेट और स्मार्ट एंटी एयरफील्ड वेपन की खरीद को मंजूरी दी है। एचएफ रेडियो सेट सेना और वायु सेना की फील्ड यूनिटों के लिए निर्बाध संचार सुविधा उपलब्ध करायेगी और इन पर 540 करोड़ रूपये की लागत आने का अनुमान है। स्मार्ट एंटी एयरफील्ड वेपन की खरीद पर करीब 970 करोड़ रूपये की लागत आयेगी और इससे नौसेना तथा वायु सेना की मारक क्षमता अधिक मजबूत बनेगी। रक्षा खरीद परिषद ने सेना के अग्रिम मोर्चों पर तैनात

जवानों के लिए 780 करोड़ रूपये की लागत से अत्याधुनिक असाल्ट राइफल की खरीद के सौदे को भी मंजूरी दी है।

RBI ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक को टाला, नई तारीखों की घोषणा जल्द होगी

मुंबई: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को कहा कि उसने इस सप्ताह होने वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक को टालने का फैसला किया है और नई तारीखों की घोषणा शीघ्र की जाएगी। केंद्रीय बैंक ने हालांकि बैठक को टालने का कोई कारण नहीं बताया। आरबीआई की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा मंगलवार से शुरू होनी थी, जो तीन दिनों तक चलती। इस दौरान मुख्य रूप से ब्याज दरों पर फैसला किया जाना था। आरबीआई ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''29 सितंबर, 30 और एक अक्टूबर, 2020 के दौरान एमपीसी की बैठक होनी थी उसे अब टाला जा रहा है। एमपीसी की बैठक की तारीखों की घोषणा जल्द की जाएगी।%% आरबीआई समिति में नए बाहरी सदस्यों पर सरकार के फैसले का इंतजार कर रहा है। आरबीआई अधिनियम के अनुसार एमपीसी के बाहरी सदस्यों का कार्यकाल चार वर्ष का होता है।

वाराणसी बिजली वितरण क्षेत्र के निजीकरण के विरोध में विद्युतकर्मी पांच अक्टूबर को करेंगे प्रदर्शन

नयी दिल्ली, ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन (एआईपीईएफ) ने सोमवार को कहा कि वाराणसी बिजली वितरण क्षेत्र के निजीकरण के विरोध में बिजली क्षेत्र में कार्यरत इंजीनियर और कर्मचारी पांच अक्टूबर को विरोध प्रदर्शन करेंगे। एआईपीईएफ के प्रवक्ता वी के गुप्ता ने एक बयान में कहा, ''बिजली क्षेत्र में कार्यरत इंजीनियर उत्तर प्रदेश के विद्युतकर्मियों के समर्थन में पांच अक्टूबर को विरोध बैठकें करेंगे। उत्तर प्रदेश के विद्युत कर्मचारी वाराणसी बिजली वितरण क्षेत्र के निजीकरण का विरोध कर रहे हैं।'' विद्युत कर्मचारियों और इंजीनियरों की राष्ट्रीय समन्वय समिति (एनसीसीओईईई) की रविवार को 'ऑनलाइन' हुई बैठक में इस आशय का निर्णय किया गया। बैठक की अध्यक्षता एआईपीईएफ के चेयरमैन शैलेन्द्र दुबे ने किया। संगठन के अनुसार उत्तर प्रदेश सरकार वाराणसी बिजली वितरण क्षेत्र क निजीकरण कर रही है। राज्य के विद्युत कर्मचारी और इंजीनियर 29 सितंबर से तीन घंटे कामकाज का बहिष्कार करेंगे और पांच अक्टूबर को पूरे दिन काम का बहिष्कार किया जाएगा। एनसीसीओईईई ने कहा है कि अगर किसी कर्मचारी को गिरफ्तार किया जाता है, पूरे देश में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

ऑडिटर ने कहा, डीएचएफएल में 12,705 करोड़ रुपये के लेन-देन में गड़बड़ी

नयी दिल्ली,

कर्ज में फंसी आवास ऋण देने वाली कंपनी डीएचएफएल में वित्त वर्ष 2016-17 से 2018-19 के दौरान 12,705.53 करोड़ रुपये के गलत तरीके से लेन-देन किये गये। लेन-देन से जुड़े ऑडिटर ग्रांट थोर्नटन ने यह जानकारी दी। ऑडिटर की रिपोर्ट के अनुसार यह गड़बडी 'स्लम रिहैबिलिटेशन ऑथोरिटी' (एसआरए) की उन दो परियोजनाओं के लिये कर्ज वितरण से संबद्ध है जिका जिम्मा पूर्व में कंपनी ने लिया था। इस साल की शुरूआत में दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉरपोरेशन लि. (डीएचएफएल) के तहत प्रशासक नियुक्त किया गया था। पिछले साल राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ ने ऋण शोधन अक्षमता के तहत कंपनी के मामले को स्वीकार किया था। एनसीएलटी ने इंडियन ओवरसीज बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक और सीईओ आर सुब्रमण्यम कुमार को कंपनी का प्रशासक नियुक्त किया। डीएचएफएल ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि प्रशासक के साथ साझा की गयी ऑडिटर की रिपोर्ट के अनुसार उक्त सौदों के कारण कंपनी पर 12,705.53 करोड़ रुपये का असर पड़ा। इसमें 10,979.50 करोड़ रुपये मूल राशि तथा 1,726.03 करोड़ रुपये ब्याज है। 30 नवंबर 2019 की स्थिति के अनुसार यह राशि बकाया थी।

एनसीएलटी के पास जमा आवेदन में ब्याज समेत पूरी राशि का जिक्र किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार संबंधित लेन-देन 2016-17 से 2018-19 के दौरान हुआ। रिपोर्ट के आधार पर एनसएलटी की मुंबई पीठ के समक्ष 40 प्रतिवादियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इसमें कपिल वधावन, धीरज वधावन, दर्शन डेवलपर्स प्राइवेट लि., सिगतिया कंस्ट्रक्शंस प्राइवेट लि और कुछ अन्य इकाइयां शामिल हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले साल डीएचएफएल मामले को दिवाला कार्यवाही के लिये भेजा था। जुलाई 2019 की स्थति के अनुसार संकट में फंसी कंपनी के ऊपर बैंकों, राष्ट्रीय आवास बोर्ड, म्यूचुअल फंड और बांडधारकों के 83,873 करोड़ रुपये बकाये थे। इसमें से 74,054 करोड़ रुपये सुरक्षित जबकि 9,818 करोड़ रुपये असुरक्षित कर्ज की श्रेणी में थे। ज्यादातर बेंकों ने डीएचएफएल के खातों को एनपीए घोषित कर दिया है।

जरूरतमंद 4.14 लाख परिवारों को मिलेगा निशुल्क खाद्यान्न, 37.74 करोड़ रूपए मंजूर

जयपुर.

राजस्थान सरकार ने कोरोना वायरस महामारी के चलते आर्थिक संकट का सामना कर रहे चार लाख 14 हजार जरूरतमंद परिवारों को खाद्यान्न सुरक्षा के रूप में प्रति व्यक्ति 10 किलो गेहूं तथा प्रति परिवार एक किलो दाल निःशुल्क उपलब्ध कराने का निर्णय किया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसके लिए मुख्यमंत्री सहायता कोष से 37.74 करोड़ रूपए उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। उल्लेखनीय है कि गहलोत ने कोरोना महामारी के कारण आजीविका संकट का सामना कर रहे ऐसे निराश्रित एवं जरूरतमंद लोगों को खाद्यान्न सुरक्षा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। इनमें वो लोग शामिल हैं जिन्हें खाद्य सुरक्षा की आवश्यकता है और यह किन्हीं कारणों के चलते पूर्व में हुए सर्वेक्षण से वंचित रह गए थे।

मुख्यमंत्री के इस निर्देश पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के माध्यम से 22 जुलाई से 15 अगस्त के दौरान कराए गए पुनर्सर्वेक्षण में 4,14,303 परिवारों के 15,36,028 व्यक्तियों ने पंजीकरण कराया। मुख्यमंत्री ने इन सभी को प्रति व्यक्ति 10 किलोग्राम गेहूं तथा प्रति परिवार एक किलोग्राम दाल निःशुल्क उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

ट्राई प्रमुख ने कहा- टेलीकॉम सेक्टर चमक रहा और इसका भविष्य उज्ज्वल है

नई दिल्ली:

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के प्रमुख आर एस शर्मा का मानना है कि दूरसंचार क्षेत्र का भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने कहा कि सेवाओं के लिए मजबूत मांग और खुद को बदलावों के अनुरूप ढालने की क्षमता की वजह से यह क्षेत्र आगे तरक्की करेगा। शर्मा ने कहा कि उन्हें दूरसंचार ऑपरेटरों के पेशेवर रवैये पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि 'प्रतिस्पर्धा खेल का नाम है' और मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धी मूल्य जारी रहेगा। ट्राई में शर्मा का कार्यकाल 30 सितंबर को पूरा हो रहा है।

दूरसंचार क्षेत्र चमक रहा है और इसका भविष्य उज्ज्वल

ट्राई के प्रमुख ने कहा, ''सभी क्षेत्रों में उतार-चढ़ाव और बदलाव आता है। कोरोना वायरस महामारी के दौरान इस क्षेत्र ने न केवल बढ़ती मांग को बेहतर तरीके से संभाला, बल्कि ट्रैफिक के तरीके में आए बदलाव का भी अच्छी तरह से प्रबंधन किया। महामारी के समय नेटवर्क का लोड उपक्रमों के परिसरों से घरों की ओर स्थानांतरित हो गया।'' शर्मा ने कहा, ''अन्य क्षेत्रों की तरह दूरसंचार क्षेत्र को मांग में कमी का सामना नहीं करना पड़ा। यह क्षेत्र चमक रहा है और इसका भविष्य उज्ज्वल है। हर कोई इसका बेहतर तरीके से प्रबंधन कर रहा है।''

बाजार में विफलता नहीं होती

उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि बाजार अपना ख्याल स्वयं रख सकता है। यदि बाजार में मुक्त तरीके से खेल हो रहा है, हमें मुक्त बाजार प्रणाली पर विश्वास है। यदि बाजार में विफलता नहीं होती है, तो किसी को इसमें हस्तक्षेप करने की जरूरत नहीं है।' इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बाजार जब तक विफल नहीं होता है, उसमें अनावश्यक तरीके से नियमन की जरूरत नहीं है।' शर्मा के कार्यकाल के दौरान क्षेत्र में कई तरह के मसलन मुफ्त सेवाएं, इंटरकनेक्शन, कॉल जोड़ने का शुल्क और नेट निरपेक्षता के मुद्दे आए। उन्होंने जोर देकर कहा कि नियामक हमेशा 'पूरी तरह से उद्देश्यपूर्ण' रुख अपनाता और निष्पक्ष तरीके से काम करता है। कई बार नियामक की सिफारिशें मसलन शुल्कों में कमी को सभी अंशधारक अच्छे से लेते हैं। वहीं कुछ सिफारिशों का ज्यादातर द्वारा विरोध किया जाता है। शर्मा ने कहा, ''कुछ सिफारिशें ऐसी होती हैं जिन्हें देखकर लगता है कि इससे कुछ खिलाड़ियों को नुकसान होगा। वहीं अन्य को लगता है कि इससे उन्हें फायदा होगा।%% शर्मा ने कहा, ''जब हम कोई फैसला करते हैं तो पहले से यह अनुमान नहीं लगाते कि इससे किसको फायदा होगा किसको नुकसान। हम ट्राई के लिए तय उद्देश्यों के हित को देखते हैं और उसके बाद फैसला करते हैं।'

तय कोटे के तहत चीनी निर्यात की समय-सीमा 3 महीने बढ़ी - मंत्रालय

नई दिल्ली।

सरकार ने चीनी मिलों की मांग पर अधिकतम स्वीकार्य निर्यात परिमाण (एमएईक्यू) कोटे के तहत निर्धारित 60 लाख टन चीनी निर्यात करने की समय-सीमा तीन महीने के लिए बढ़ाकर दिसंबर तक कर दी है। यह जानकारी सोमवार को खाद्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने आईएएनएस को दी। अधिकारी ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते कई मिलों को चीनी निर्यात करने में कठिनाई का सामना करना पड़ा था, इसलिए उनकी ओर से निर्यात की समय सीमा बढ़ाने की मांग की गई थी। चालू शुगर सीजन 2019-20 (अक्टूबर-सितंबर) में सरकार द्वारा एमएईक्यू के तहत निर्धारित निर्यात कोटा 60 लाख टन में से 57 लाख टन के करीब निर्यात के सौदे हो चुके हैं। खाद्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुबोध कुमार सिंह ने आईएएनएस को बताया कि चीनी मिलों को तय कोटे की चीनी निर्यात करने के लिए और तीन महीने का समय दिया गया है। चालू शुगर सीजन 2019-20 दो दिन बाद 30 सितंबर को समाप्त हो रहा है और लेकिन अगले सीजन 2020-21 (अक्टूबर-सितंबर) में निर्यात नीति की अब तक घोषणा नहीं हुई है। चीनी उद्योग की ओर से 2019-20 की निर्यात नीति को आगे जारी रखने की मांग की गई है। इस बाबत पूछे जाने पर खाद्य मंत्रालय के अधिकारी ने बताया कि यह अभी विचाराधीन है। चालू शुगर सीजन 2019-20 में एमएईक्यू के तहत तय 60 लाख टन चीनी के निर्यात का कोटा पर सरकार की ओर से चीनी मिलों को 10,448 रुपये प्रति टन की दर से सब्सिडी दी जा रही है, जिस पर कुल खर्च 6,268 करोड़ रुपये आएगा। उद्योग संगठन नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्टरीज (एनएफसीएसएफ) के अनुसार, चालू सीजन 2019-20 में देश में चीनी का उत्पादन 273 लाख टन है, जबकि पिछले साल का बकाया स्टॉक 145 लाख टन था। इस प्रकार चीनी कुल आपूर्ति 2019-20 में 418 टन रही, जबकि घरेलू खपत 250 लाख टन और निर्यात 60 लाख टन होने का अनुमान है। इस प्रकार, अगले सीजन के लिए 108 लाख टन चीनी का बचा हुआ स्टॉक रह जाएगा।

रिलायंस जियो की श्री हेमकुंड साहिब यात्रा क्षेत्र में 4G सेवा

देहरादून ।

देश के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में 4जी सेवा उपलब्ध कराने के अभियान में जुटी रिलायंस जियो ने सिखों के धार्मिक स्थल श्री हेमकुंड साहिब में दर्शन के लिए आने वाले यात्रियों को बड़ी सौगात देते हुए यहां सेवा प्रारंभ कर दी है। उत्तराखण्ड के चमोली जिले के अत्यंत दुर्गम क्षेत्र में 13650 फुट की उंचाई पर स्थित सिख समुदाय के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल श्री हेमकुंड साहिब में 4जी नेटवर्क सेवाएं प्रारम्भ करने वाला रिलायंस जियो पहला ऑपरेटर है।गोविंदघाट और घांघरिया गांव क्षेत्र में, जियो के 4जी नेटवर्क ने काम करना शुरू कर दिया है। श्री हेमकुंड साहिब यात्रा में यह दो महत्वपूर्ण पड़ाव हैं जहां श्रद्धालुओं का धार्मिक स्थल पहुंचने के दौरान ठहराव रहता है। यात्रा क्षेत्र में वॉयस के साथ वीडियो कॉलिंग भी अब आसानी से हो सकेगी। 4जी नेटवर्क की तेज स्पीड की वजह से आस पास के पर्यटन और धार्मिक स्थलों की जानकारी भी सिंगल क्लिक पर उपलब्ध होगी, जिससे देवभूमि में पर्यटन उद्योग को खासा प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।देश भर के जो भी जियो यूजर्स श्री हेमकुंड साहिब के दर्शन को देवभूमि उत्तराखंड आएंगे। वे अपने परिवारों से डिजिटल वॉयस कॉलिंग के साथ साथ विडियो कॉलिंग के माध्यम से जुड़ कर, अपने अनुभव साझा कर पाएंगे। जियो के 4जी नेटवर्क पर हाई स्पीड इंटरनेट सर्फिंग भी अब आसान होगी। स्थानीय नागरिक और छोटे व्यापरियों को भी जियो की 4जी सर्विस से काफी उम्मीदें हैं। स्थानीय नेटवर्क मजबूत होने से आपसी संपर्क और स्थानीय व्यापार भी बढ़ेगा।पिछले साल औद्योगिक सम्मेलन के दौरान राज्य सरकार और रिलायंस जियो के बीच एक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए गए थे। जिसके अंतर्गत देवभूमि उत्तराखण्ड के समस्त धार्मिक स्थलों तक जियो अपना विश्वस्तरीय 4जी नेटवर्क पहुंचा रहा है। उत्तराखण्ड के दूरस्त और दुर्गम क्षेत्रों तक जियो अपने नेटवर्क का विस्तार तेजी से कर रहा है, ताकि उत्तराखण्ड देवभूमि में दूरसंचार और 4जी इन्टरनेट की मदद से पर्यटन उद्योग को भी बढ़ावा मिल सके।उत्तराखंड में अपने 4जी नेटवर्क के दम पर जियो हर महीने बड़ी संख्या में ग्राहकों को जोड़ रहा है। गांवों और छोटे शहरों में रिलायंस जियो की पैठ बनाने में जियोफोन बेहद कारगर साबित हो रहा है। इसी के दम पर देश में पहली बार रिलायंस जियो ने ग्रामीण क्षेत्रों में नंबर वन की पोजीशन हासिल की है।हाल ही में उत्तराखंड के सात शहरों में रिलायंस जियो ने जियोफाइबर ब्रॉडबैंड सेवाएं शुरू की हैं।

भारत की बुनियाद मजबूत, 2050 तक दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा: अडाणी

नई दिल्ली:

दिग्गज उद्योगपति गौतम अडाणी ने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में गिरावट के बारे में संकीर्ण सोचों को खारिज करते हुए कहा कि देश की बुनियाद मजबूत है और भारत 2050 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। उन्होंने यह भी कहा कि व्यापार अवसरों के मामले में देश दुनिया के अन्य समकक्ष देशों के मुकाबले बेहतर स्थिति में है। जेपी मोर्गन इंडिया समिट में अडाणी समूह के चेयरमैन ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम पासा पलटने वाला साबित होगा।

उन्होंने कहा, ''मैं बिना झिझक के कहना चाहूंगा कि मेरे विचार से अगले तीन दशकों में भारत दुनिया के लिए व्यापार के लिहाज से सबसे बड़ा अवसर होगा।'' अडाणी ने कहा कि भारत की भू-रणनीतिक स्थिति और बड़ा बाजार उसे अपने समकक्ष देशों के मुकाबले बेहतर बनाता है। उन्होंने कहा कि महामारी के दूसरी तरफ भारत में अवसर तेजी से बढ़ेंगे।

2050 में होगा भारत दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

उन्होंने कहा, ''जीडीपी गणित के प्रशंसकों के लिए कुछ आंकाड़ों पर गौर करते हैं। वर्ष 1990 में वैश्विक जीडीपी 38,000 अरब डॉलर था। आज 30 साल बाद यह आंकड़ा 90,000 अरब डॉलर है। अगले तीस साल में यानी 2050 में जीडीपी 1,70,000 अरब डॉलर हो जाने का अनुमान है। उस समय तक भारत दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा।'' देश की आर्थिक वृद्धि दर में चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 23.9 प्रतिशत की गिरावट आई है।

इसकी एक प्रमुख वजह महामारी और लॉकडाउन है। पूरे वित्त वर्ष 2020-21 में चार दशक में पहली बार अर्थव्यवस्था में गिरावट का अनुमान है।

उद्योगपति ने कहा कि वैश्विक संकट के कारण देश को जो थोड़े समय के लिए झटका लगा है, उसके कारण संभावनाओं और क्षमताओं को खारिज नहीं कर सकते क्योंकि उसकी बुनियाद अभी भी अक्षुण्ण बना हुआ है। उन्होंने कहा, ''आज अर्थव्यवस्था का स्थति के आकलन के लिए जीडीपी का आकलन मुख्य आधार बन गया है। यह नहीं देखा जा रहा कि देश अगले एक दशक में कैसा हो सकता है। मेरे विचार से धैर्य और दीर्घकालीन रणनीति तथा सबसे महत्वपूर्ण सरकार के व्यापार एजेंडे के साथ तालमेल एक बेहतर मूल्य सृजित करता है।''

एक उद्यमी के रूप में मैं आशावादी हूं

भारत के समक्ष चुनौतियों के बारे में अडाणी ने कहा कि देश को अगले दशक तक 1500 से 2000 अरब डॉलर पूंजी की जरूरत है लेकिन राष्ट्रीय निवेश और बुनियादी ढांचा कोष जैसे संरचनात्मक सुधारों के बावजूद पूंजी ढांचा चुनौतियां तथा अधिकार प्राप्त और स्वतंत्र नियामकों की कमी देश निर्माण और निवेश अवसरों के रास्ते में बाधा बने हुए हैं।

आईजीआईए टर्मिनल-2 का संचालन 1 अक्टूबर से बहाल होगा

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय राजधानी के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे के टर्मिनल-2 में लगभग छह महीने के अंतराल के बाद एक अक्टूबर से संचालन बहाल होगा। फिलहाल, आईजीआईए में केवल टर्मिनल-3 यात्रियों की यात्रा के लिए ऑपरेशनल है। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट (डीआईएएल) ने एक बयान में कहा, टी-2 पर संचालन की शुरुआत प्रतिदिन 96 हवाई ट्रैफिक गतिविधियों (48 प्रस्थान और 48 आगमन) के साथ होगी और अक्टूबर के अंत तक 180 तक बढ़ जाएगी। बयान में कहा गया, टर्मिनल शुरुआती चरण में इंडिगो की 2000 सीरीज की उड़ानों और गोएयर के संपूर्ण संचालन के साथ परिचालन फिर से शुरू करेगा। लगभग 27 काउंटर --गोएयर के लिए 11 और इंडिगो के लिए 16, संबंधित उड़ानों के यात्रियों के लिए बनाए गए हैं। डीआईएएल के अनुसार, संचालन बहाल होने के बाद टी-2 से निर्धारित पहली उड़ान श्रीनगर जाने वाली इंडिगो विमान की होगी जो सुबह 6.25 बजे रवाना होगी। बयान में कहा गया है, संचालन की शुरुआत, सीरीज 2000 (6ई 2000- 6ई 2999) की सभी इंडिगो उड़ानों के टी-2 से परिचालन होने के साथ होंगी।इसमें आगे कहा गया, ये टी-2 से 20 गंतव्यों के लिए उड़ान भरेंगी, जिनमें अहमदाबाद, अमृतसर, भुवनेश्वर, भोपाल, बेंगलुरु, कोच्चि, गुवाहाटी, इंदौर, जम्मू, लखनऊ, चेन्नई, पटना, श्रीनगर, त्रिवेंद्रम और विशाखापट्टनम शामिल हैं। अगले

चरण में, 8 अक्टूबर से मुंबई, कोलकाता, कोयम्बटूर, देहरादून, गोवा, हैदराबाद, मदुरै, जयपुर और नागपुर सहित 12 और गंतव्यों के लिए उड़ानों का टी-2 से परिचालन होगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुझे अपने आप पर विश्वास रखना था : तेवतिया

शारजाह। राहुल तेवतिया ने रविवार को वो पारी खेली जिसने राजस्थान रॉयल्स को हार के मुंह से बाहर निकाल जीत का ताज पहना दिया। आईपीएल में शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में किंग्स इलेवन पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान के सामने 224 रनों का लक्ष्य रखा था। संजू सैमसन (85) और स्टीव स्मिथ (50) ने जोस बटलर के आउट होने के बाद तेजी से रन बनाते हुए टीम को जीत के रास्ते पर बनाए रखा। स्मिथ के बाद आए राहुल तवेतिया शुरुआत में बेहद धीमे खेले जिसके कारण टीम हार की कगार पर पहुंची लेकिन 18वें ओवर में तेवतिया ने पांच छक्के लगा टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचा दिया। और इस तरह एक समय विलन बने तेवतिया राजस्थान के हीरो बने गए। मैच के बाद तेवतिया ने कहा, मैं अब अच्छा महसूस कर रहा हूं। शुरुआत की 20 गेंदें मेरे करियर की सबसे खराब गेंदें रहीं। इसके बाद मैंने मारना चालू किया। डगआउट जानता था कि मैं गेंद को हिट कर सकता हूं। मैं जानता था कि मुझे अपने आप में विश्वास करने की जरूरत है। यह सिर्फ एक छक्के की बात थी। पांच छक्के एक ओवर में आए। यह शानदार था। मैंने लेग स्पिनर को मारने की कोशिश की, लेकिन मार नहीं सका। इसलिए मुझे अन्य गेंदबाजों को मारना पड़ा।

आईपीएल-13

मध्यक्रम की समस्या हैदराबाद को कर सकती है परेशान

अबु धाबी ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें संस्करण में मंगलवार को सनराइजर्स हैदराबाद का सामना बेहतरीन फॉर्म में चल रही दिल्ली कैपिटल्स से होगा। शेख जायेद स्टेडियम में खेले जाने वाले इस मैच में दिल्ली की कोशिश जीत की हैट्रिक लगाने की होगी और हैदराबाद की कोशिश हार की हैट्रिक रोकने की। दिल्ली एक ओर जहां बेहतरीन प्रदर्शन कर रही ही, वहीं हैदराबाद को अभी तक जीत का इंतजार है। दिल्ली अपने पिछले दोनों मैच जीती है और हैदराबाद हारी है। दिल्ली के अभी तक दो मैचों में लगभग सब कुछ सही रहा है। पहले मैच में किस्मत भी उसके साथ थी, इसलिए किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ सुपर ओवर में जीत उसके हिस्से आई थी। दूसरे मैच में उसने अपने उम्दा प्रदर्शन से चेन्नई सुपर किंग्स को मात दी थी। चेन्नई के खिलाफ युवा पृथ्वी शॉ का बल्ला चला था। शॉ ने अर्धशतक जमाया था। शिखर धवन, ऋषभ पंत और कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी अच्छी पारियां खेली थीं। दिल्ली का बल्लेबाजी क्रम जिस तरह का है, उससे बड़ा स्कोर दूर नहीं लगता है और बहुत संभव है कि हैदराबाद के खिलाफ दिल्ली के स्कोरबोर्ड पर बड़े स्कोर देखने को मिल जाएं। शॉ ने पिछले मैच में 43 गेंदों पर 64 रन बनाए थे। धवन, अय्यर और पंत ने रन तो किए थे लेकिन उस अंदाज में नहीं जिसके लिए वे जाने जाते हैं। इस मैच में दिल्ली चाहेगी की उसके यह तीनों बल्लेबाज खासकर पंत अपनी पुरानी लय में लौटे। गेंदबाजी में दिल्ली बेहद मजबूत नजर आ रही है। कैगिसो रबादा, एनरिक नोर्टजे ने पिछले मैच में भी अच्छा किया था। अक्षर पटेल और अमित मिश्रा भी प्रभावी रहे थे। रविचंद्रन अश्विन की क्या स्थिति है। इस पर अभी तक कुछ पता नहीं चला है। अगर अश्विन आते हैं तो अमित मिश्रा को बाहर जाना पड़ सकता है। हैदराबाद को अगर जीत चाहिए तो उसे अपने बल्लेबाजी क्रम की मुश्किलों को सुलझाना होगा। जॉनी बेयरस्टो, डेविड वार्नर और कुछ हद तक मनीष पांडे के बाद टीम के पास कोई ऐसा बल्लेबाज नहीं है, जो टी-20 प्रारूपों की जरूरत को पूरा कर तेजी से रन बना सके। बीते दोनों मैचों में हैदराबाद को यही कमी ले डूबी है। वार्नर, बेयरस्टो चल जाते हैं तो टीम का स्कोर अच्छा रहता है लेकिन यह दोनों अगर जल्दी आउट हो गए तो टीम के लिए सम्मानजनक स्कोर बनाना भी मुश्किल होता है। मोहम्मद नबी कुछ हद तक तेजी दिखा सकते हैं लेकिन हैदराबाद को आंद्रे रसेल, कीरन पोलार्ड जैसे किसी खिलाड़ी की जरूरत है। प्रियम गर्ग, रिद्धिमाना साहा, अभिषेक शर्मा यह रोल नहीं निभा पा रहे हैं और न ही इनके पास वो अनुभव है जो टीम को निचले क्रम में चाहिए। यहीं हैदराबाद को काम करने की जरूरत है। जहां तक गेंदबाजी की बात है तो यहां हैदराबाद कुछ भी कर सकती है। उसके पास कम स्कोर को भी बचाने की काबिलियत है। भुवनेश्वर कुमार तेज गेंदबाजी आक्रामण की धुरी हैं। संदीप शर्मा उनका अच्छा साथ देते हैं। स्पिन में टीम के पास राशिद खान जैसा स्पिनर है और अगर टीम बदलाव नहीं करती है तो मोहम्मद नबी भी गेंद से अहम रोल निभा सकते हैं। टीम संयोजन पर भी हैदराबाद को काम करना पड़ेगा।

फ्रेंच ओपन : वावरिंका ने पहले दौर में मर्रे को हराया, ज्वेरेव भी जीते

पेरिस :

आम तौर पर ग्रैंडस्लैम के पहले दौर में दो ग्रैंडस्लैम चैम्पियनों का सामना नहीं होता लेकिन फ्रेंच ओपन के शुरूआती दौर में यह देखने को मिला जिसमें स्टान वावरिंका ने एंडी मर्रे को शिकस्त दी जबकि अमेरिकी ओपन उपविजेता अलेक्जेंडर ज्वेरेव भी दूसरे दौर में पहुंच गए। कोरोना वायरस महामारी के कारण फ्रेंच ओपन मई की बजाय सितंबर में हो रहा है। फ्रांस में कोरोना वायरस के बढते मामलों के चलते 1000 दर्शकों को ही प्रवेश की अनुमति दी गई। वावरिंका ने रविवार को खेले गए इस मुकाबले में 97 मिनट में मर्रे को 6.1, 6.3, 6.2 से हराया। मर्रे पूरे मैच में छह गेम ही जीत सके जो उनके 237 ग्रैंडस्लैम मैचों के कैरियर का सबसे खराब प्रदर्शन है ।वह 2014 में भी रोलां गैरो पर 12 बार के चैम्पियन रफेल नडाल से हारे थे। इससे पहले दो ग्रैंडस्लैम चैम्पियन की टक्कर पहले दौर में 2012 विम्लबडन में हुई थी जब नोवाक जोकोविच के सामने जुआन कार्लोस फरेरो थे। फ्रेंच ओपन में 199 में माइकल चांग और येवजेनी काफेलनिकोव पहले दौर में एक दूसरे से खेले थे। छठी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव ने 91वीं रैंकिंग वाले डेनिस नोवाक को 7.5, 6.2, 6.4 से मात दी। उन्होंने मैच में दस ऐस लगाए और उनकी सर्विस बस एक बार टूटी। इससे पहले अर्जेंटीना के जुआन इगनासियो लोंडेरो ने करीब पांच घंटे चले पांच सेटों के मुकाबले में हमवतन फेडरिको डेलबोनिस को 6.4, 7.6 , 2.6, 1.6, 14 .12 से हराया। फ्रेंच ओपन ऐसा अकेला ग्रैंडस्लैम है जिसमें आखिरी सेट में टाइब्रेकर का इस्तेमाल नहीं होता है। अमेरिकी धुरंधर वीनस विलियम्स इस साल तीसरे ग्रैंडस्लैम में भी पहले दौर में हार गई ।आस्ट्रेलिया ओपन और अमेरिकी ओपन में भी वह इससे आगे नहीं बढ सकी थी। उन्हें अन्ना कैरोलिना ने 6.4, 6.4 से हराया। वहीं 16 वर्ष की अमेरिकी कोको गॉ ने ब्रिटेन की योहाना कोंटा को 6 . 3, 6 . 3 से मात दी । वहीं शीर्ष वरीयता प्राप्त सिमोना हालेप ने सारा एस टोरमो को 6.4, 6.0 से हराया। पुरूष वर्ग में इटली के 19 वर्ष के जानिक सिनेर ने दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी डेविड गोफिन को मात दी।

गोल्फ : कोरालेस पुंटाकाना में लाहिड़ी छठे स्थान पर

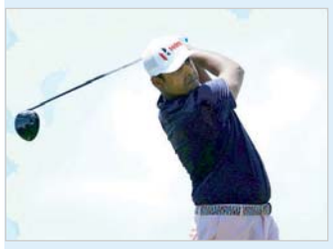

पुंटा काना (डॉमिनिक गणतंत्र) । भारत के पुरुष गोल्फ खिलाड़ी अनिर्बन लाहिड़ी कोरालेस पुंटा काना चैम्पियनशिप में संयुक्त रूप से छठे स्थान पर रहे हैं। बीते दो साल में लाहिड़ी पीजीए टूर में शीर्ष-10 में पहली बार जगह बनाने में सफल रहे हैं। लाहिड़ी ने चैम्पियनशिप के आखिरी दिन रविवार को दो अंडर 70 का स्कोर किया जिसमें चार बर्डी और दो बोगी शामिल रहीं। चैम्पियनशिप में उनका कुल स्कोर 13 अंडर 275 रहा। लाहिड़ी ने कहा, नापा में मैं अपना पहला टूर्नामेंट खेल अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैंने इस टूर्नामेंट को दो अच्छे राउंड के साथ खत्म किया। उम्मीद है कि मैं इस फॉर्म को आने वाली चैम्पियनशिप में जारी रख पाऊंगा और उम्मीद है कि बेहतर कर पाऊंगा। उन्होंने कहा, मैंने टिन फ्लाइट का टिकट नहीं कटाया था। मैंने चार्टर बुक कराया था। इसलिए अपने आप पर आत्मविश्वास होना मेरे लिए अच्छा है। लाहिड़ी का यह टूर्नामेंट अच्छा नहीं रह था। पहले दिन 69 का स्कोर किया था। दूसरे और तीसरे दौर में उन्होंने क्रमश- 72 और 64 का स्कोर किया। लाहिड़ी ने कहा, कुछ सीजन मेरे अच्छे नहीं रहे थे। इसिलए मुझे अपने आप पर भरोसा करने की जरूरत थी। निश्चित तौर कई मौके थे जहां मुझे उनका फायदा उठाना था। रविवार को मेरे पास प्रतिस्पर्धा में बने रहने का मौका था। मेरे कम चांससे थे लेकिन मेरा लक्ष्य था कि मैं कुछ बढ़त ले लूं।

यही टी-20 है, कुछ भी हो सकता है : राहुल

शारजाह ।

किंग्स इलेवन पंजाब ने रविवार को राजस्थान रॉयल्स के सामने 224 रनों का लक्ष्य रखा था और आखिरी तक जीत की राह पर थी, लेकिन 18वें ओवर में अचानक से मैच बदल गया और टीम हार गई। मैच के बाद पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल ने कहा कि यही टी-20 क्रिकेट है राजस्थान को आखिरी में जीतने के लिए 18 गेंदों पर 51 रनों की जरूरत थी। राहुल तेवतिया ने 18वें ओवर में पांच छक्के लगा मैच की स्थिति पलट दी और आखिरकार पंजाब को हार मिली। मैच के बाद राहुल ने कहा, देखिए, यह टी-20 क्रिकेट है। हमने यह काफी बार देखा है। हमें अपना आत्मविश्वास बनाए रखने की जरूरत है। हमने काफी सारी चीजें अच्छी कीं। लेकिन आपको उन्हें श्रेय देना होगा। यह खेल आपको हमेशा विनम्र रखता है। कप्तान ने अपने गेंदबाजों का बचाव करते हुए कहा, दबाव में गेंदबाज गलती कर सकते हैं। हमें मजबूती से वापसी करने की जरूरत है। मैं अपने गेंदबाजों का समर्थन करता हूं। एक खराब मैच होना चलता है। यह अच्छी बात है कि यह टूर्नामेंट की शुरुआत में ही हो गया। हम मजबूती से वापसी कर सकते हैं। छोटा मैदान था, इसलिए लक्ष्य मायने नहीं रखता।

संक्षिप्त समाचार

डेथ ओवरों में दुबे से गेंदबाजी कराना आरसीबी के लिए सही विकल्प नहीं : पठान

दुबई। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज इरफान पठान का मानना है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को आईपीएल-13 के आगामी मैचों में शिवम दुबे से डेथ ओवरों में गेंदबाजी कराने से बचना चाहिए। आईपीएल के 13वें सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम ने जीत के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत की थी। लेकिन दूसरे मैच में किंग्स इलेवन पंजाब के हाथों उसे 97 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। पठान ने स्टार स्पोर्ट्स के शो क्रिकेट कनेक्टेड कार्यक्रम में कहा, देखिए, मुझे लगता है जब क्रिस मॉरिस टीम में आएंगे तो फिर ये धीरे धीरे बेहतर हो जाएंगे। मैं देखता हूं कि मॉरिस टीम में आएंगे और उनकी जगह डेल स्टेन बाहर जाएंगे। इसके बाद यह टीम पूरी तरह से सही हो जाएगी। एक चीज जो मुझे देखना पसंद नहीं वो यह कि आरसीबी डेथ ओवर में शिवम से गेंदबाजी ना करवाए। उन्होंने कहा, उनके पास एक बेहतर टीम है, टक्कर देने वाले काफी अच्छे बल्लेबाज हैं। यह टीम सिर्फ अब्राहम डिविलियर्स और विराट कोहली के ऊपर निर्भर नहीं है। इस साल उनके पास एरॉन फिंच हैं और पडिकल ने बहुत ही अच्छी शुरुआत की है। पठान ने साथ ही कहा कि आरसबी को नवदीप सैनी से आखिरी के कम से कम दो ओवर में गेंदबाजी करानी चाहिए। पूर्व आलराउंडर ने कहा, यह वो गेंदबाज है जिसके पास बहुत ही बेहतरीन यॉर्कर है। इतना ही नहीं वह तो बल्लेबाजों को अपनी बेहतरीन बाउंसर से भी डेथ ओवर में काफी मुश्किल में डाल सकते हैं।

आने वाले समय में बेहतरीन कप्तान साबित होंगे राहुल : नेस वाडिया

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम किंग्स इलेवन पंजाब के सह-मालिक नेस वाडिया ने टीम के कप्तान लोकेश राहुल की तारीफ करते हुए उन्हें एक बहुमुखी खिलाड़ी बताया है औ साथ यह भी कहा है कि आने वाले समय में राहुल एक बेहतरीन कप्तान साबित होंगे। राहुल आईपीएल के 13वें सीजन में शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। वह तीन मैचों में अब तक 222 रन बना चुके हैं, जिसमें एक शतक भी शामिल हैं। राहुल सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबजों की सूची में टॉप पर पहुंच गए हैं और उनके पास औरेंज कैप पहुंच गई है। वाडिया ने एम्सट्रैड इनसाइडस्पोर्ट फेस 2 फेस क्रिकेट सीरीज के कार्यक्रम में कहा, जैसा कि आप याद कर सकते हैं कि नीलामी में राहुल के लिए हम बहुत मजबूत थे। मुझे इस समय भारतीय क्रिकेट में इनसे अधिक बहुमुखी खिलाड़ी दिखाओ। वह पारी की शुरुआत कर सकते हैं, वह चौथे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं और वह छठे नंबर पर भी खेल सकते हैं। उन्होंने कहा, मैंने विराट (कोहली) को देखा है, जोकि कप्तान की तरह सोचता है और जब आप खुद एक विकेटकीपर हो, तो आप खुद भी बहुत सोचते हैं, इसलिए यह अद्भुत होने जा रहा है। वाडिया ने आगे कहा कि अनिल कुंबले का मुख्य कोच होना, टीम के लिए यह बहुत अच्छा है।

हैदराबाद के खिलाफ हम अपना सर्वश्रेष्ठ देने पर ध्यान देंगे : मिश्रा

दुबई।

दिल्ली कैपिटल्स के अनुभवी लेग स्पिनर अमित मिश्रा का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें सीजन में मंगलवार को जब उनकी टीम सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैदान पर उतरेगी, तो दबाव विपक्षी टीम पर होगा। दिल्ली कैपिटल्स की टीम लगातार दो जीत के साथ अंकतालिका में टॉप पर है जबकि हैदराबाद अब तक अपने शुरुआती दोनों मुकाबले हार चुकी है और इस सीजन में उसे अभी पहली जीत की दरकार है। मिश्रा ने मैच की पूर्वसंध्या पर सोमवार को वर्चुअल प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान कहा, पहले दो मैच हारने के बाद टीम पर दबाव होता है। हालांकि यह अभी केवल टूर्नामेंट की शुरुआत है, इसलिए इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा। लेकिन हम अपने ड्रेसिंग रूम में इस तरह की बातें नहीं करते हैं। हम खुद पर अपना ध्यान देते हैं। उन्होंने कहा, अपने मैच को लेकर हमारे पास एक अच्छी लय है और हमारा आत्मविश्वास काफी ऊंचा है। इसका मतलब यह नहीं है कि हम अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हैं। हमारा पूरा ध्यान अपनी योजनाओं पर और मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने पर है। निश्चित रूप से हम उन्हें हलके में नहीं ले रहे हैं। मिश्रा ने केन विलियम्सन की सनराइजर्स हैदराबाद टीम में वापसी को लेकर कहा कि उनकी टीम ने इस चुनौती का सामना करने के लिए अच्छी तैयारी है। लेग स्पिनर ने कहा, हमारे पास पूरी टीम को लेकर हमेशा से एक योजना रहती है। जैसा कि मैंने पहले ही कहा कि हम किसी को भी हलके में नहीं लेते है। हमारे पास बल्लेबाज और गेंदबाज, दोनों

के लिए ही रणनीति है और यही रणनीति विलियम्सन के लिए भी होगी। 37 वर्षीय मिश्रा आईपीएल में सर्वाधिक विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज है। उन्होंने 148 मैचों में अब तक 157 विकेट चटकाए हैं। उन्होंने साथ ही अपनी टीम के कोच रिकी पोंटिंग के बारे में कहा, वह काफी लंबे समय तक खेले हैं, इसलिए उन्हें खिलाड़ियों की मनोदशा के बारे में पता है। किसी में आत्मविश्वास की कमी या अति आत्मविश्वास है तो उन्हें पता है कि क्या कहना है। वह हमेशा सकारात्मक बातें करते हैं और उनसे खिलाड़ियों के साथ तालमेल के बारे में काफी कुछ सीखा है। मिश्रा ने श्रेयस अय्यर की कप्तानी को लेकर कहा, मुझे उनमें काफी सकारात्मक बातें नजर आती है। मेरे लिए अच्छी बात यह है कि वह मुझे मेरे अनुसार ही फील्ड लगाने की आजादी देते हैं। वह हमेशा खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं और मुझे विश्वास है कि बतौर कप्तान वह काफी आगे जाएंगे।

औरेंज कैप पहुंची राहुल के पास, शमी के पास आई पर्पल कैप

शारजाह । किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल और तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के पास औरेंज कैप और पर्पल कैप पहुंच गई है। राहुल ने चेन्नई के फाफ डु प्लेसिस से औरेंज कैप ली है और शमी ने दिल्ली कैपिटल्स के कैगिसो रबादा से। इन दोनों ने रविवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले गए मैच में यह दोनों कैप हासिल की। औरेंज कैप लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज को दी जाती है जबकि पर्पल कैप सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज को। राहुल लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज की सूची में पहले स्थान पर हैं। उनके तीन मैचों में 222 रन हो गए हैं। उनके पीछे उनकी ही टीम के मयंक अग्रवाल हैं जिन्होंने राजस्थान के खिलाफ शतक जमाया। मयंक राहुल से सिर्फ एक रन पीछे हैं। तीसरे नंबर पर डु प्लेसिस हैं जिनके नाम तीन मैचों में 173 रन हैं। गेंदबाजों में शमी तीन मैचों में सात विकेट के साथ पहले स्थान पर हैं। दूसरे स्थान पर कैगिसो राबादा हैं जिनके नाम दो मैचों में पांच विकेट हैं। चेन्नई के सैम कुरैन तीन मैचों में पांच विकेट लेकर तीसरे स्थान पर हैं।

जर्मन लीग : होफेनहेम ने रोका म्यूनिख का 23 मैचों का अजेय रथ

बर्लिन। आंद्रेज क्रामेरिक के दो गोल के दम पर होफेनहेम ने जर्मन फुटबाल लीग के दूसरे राउंड के मैच में मौजूदा विजेता बायर्न म्यूनिख को मात दे कर उसके 23 मैचों से चले आ रहे अजेय क्रम को रोक दिया। बायर्न ने अपने स्टार रोबर्ड लेवांडोव्स्की को बेंच पर बैठाया। वहीं होफेनहेम ने एक सप्ताह के आराम का भरपूर फायदा उठाया। 16वें मिनट में एरमनि बिकाकिक ने डेनिस गेगेर के शॉट पर गेंद को नेट के अंदर डाल होफेनहेम का खाता खोला। आठ मिनट बाद डाबुर ने अपनी टीम की बढ़त को दो गुना कर दिया। म्यूनिख ने जोशुआ किममिच के गोल के दम पर 36वें मिनट में अपना खाता खोला और मैच में वापस आने की कोशिश की। पहले हाफ के अंत तक होफेनेहम 2-1 से आगे थी। दूसरे हाफ में म्यूनिख के कोच हैंसी फ्लिक ने बदलाव किया और लेवांडोवस्की को मैदान पर उतारा। उनके अलावा लियोन गोरेट्ज्का को भी भेजा ताकि वह अपनी अजेय क्रम को बरकरार रख सके, लेकिन यह बदलाव काम नहीं आए क्योंकि 77वें मिनट में होफेनहेम ने एक और गोल कर स्कोर 3-1 कर दिया।

सैमसन की तुलना धोनी से नहीं करें : गंभीर, श्रीसंत

शारजाह।

राजस्थान रॉयल्स और किंग्स इलेवन पंजाब के बीच खेले गए मैच में राहुल तेवतिया एक ओवर में पांच छक्के लगा सारी सुर्खिया बटोर ले गए, लेकिन उनसे पहले राजस्थान की जीत की बुनियाद संजू सैमसन ने रखी। 224 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान के लिए सैमसन ने 42 गेंदों पर 85 रनों की पारी खेली। उनकी इस पारी में चार चौके और सात छक्के शामिल रहे। राजस्थान ने यह मैच चार विकेट से जीत लिया। सैमसन की पारी पर कांग्रेस सांसद शशि थरुर ने ट्वीट किया, राजस्थान रॉयल्स ने क्या शानदार जीत हासिल की है। मैं संजू सैमसन को एक दशक से जानता हूं। जब वे 14 साल के थे तभी मैंने उनसे कह दिया था कि वह एक दिन अगले महेंद्र सिंह धोनी होंगे। वो दिन आ गया है। आईपीएल में दो शानदार पारी खेलने के बाद आप जान चुके हैं कि विश्व स्तर का खिलाड़ी आ गया है। थरूर के बयान को गौतम गंभीर और केरल के खिलाड़ी एस. श्रीसंत से समर्थन नहीं मिला। गंभीर ने थरूर के ट्वीट के जवाब में लिखा, संजू सैमसन को कोई और बनने की जरूरत नहीं है। वह भारत के संजू सैमसन होंगे। श्रीसंत ने भी थरूर के ट्वीट पर जवाब दिया, वह अगले धोनी नहीं हैं। वह इकलौते संजू सैमसन हैं। उन्होंने 2015 से लगातार सभी प्रारूपों में भारत के लिए खेलना चाहिए था। कृपया उनकी तुलना नहीं कीजिए। अगर उन्हें सही मौका दिया गया होता तो वह इस समय भारत के लिए खेल रहे होते और शायद विश्व कप भी जीत चुके होते। उन्होंने लिखा, मुझे पता है कि वह अभी भी लगातार अच्छा खेलेंगे। यह सिर्फ दो पारियों की बात नहीं है। वह काफी सारे रिकार्ड तोड़ने वाले हैं और देश के लिए काफी सारे विश्व कप जीताने वाले हैं। इसलिए उनकी तुलना किसी से नहीं कीजिए। वह भगवान की हमारी धरती से शानदार मलयाली है। उनका सर्वश्रेष्ठ अभी आना बाकी है। सैमसन ने टीम के पहले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 32 गेंदों पर 74 रन बनाए थे।

राजस्थान के ब्रांड एम्बेसडर और मेंटॉर शेन वार्न ने तारीफ में कहा कि वह इस बात से हैरान हैं कि उन जैसी प्रतिभा भारत के लिए नहीं खेल रही है। वार्न ने राजस्थान द्वारा किए गए इंस्टाग्राम लाइव में कहा, मैंने यह काफी पहले कह दिया था और मुझे लगता है कि मैंने जितने युवा देखे हैं संजू उनमें से काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में से एक हैं। मैं इस बात से हैरान हूं कि वह भारत के लिए सभी प्रारूपों में नहीं खेल रहे हैं। उन्होंने कहा, वह इतने शानदार हैं। बेहतरीन चैम्पियन। उनके पास सभी तरह के शॉट हैं। उम्मीद है कि वह इस साल निरंतर अच्छा खेलें और राजस्थान को ट्रॉफी दिलाने में मदद करें।

तेवतिया ने जो नेट्स में दिखाया, वही कॉटरेल के ओवर में भी: स्मिथ

शारजाह । राजस्थान रॉयल्स के कप्तान स्टीव स्मिथ ने किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ मिली बेहतरीन जीत के बाद अपनी टीम की तारीफ की है। राजस्थान ने यह मैच चार विकेट से जीता। पंजाब ने 224 रनों का लक्ष्य रखा था और राजस्थान ने राहुल तेवतिया के 18वें ओवर में लगाए गए पांच छक्कों की मदद से हार के मुंह से वापसी कर जीत दर्ज की। तेवतिया ने शेल्डन कॉटरेल के ओवर में पांच छक्के मारे और अपनी टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचा दिया। मैच के बाद स्मिथ ने कहा, हमने तेवतिया को नेट्स में जो करते देखा था वही हमने उन्हें कॉटरेल के ओवर में करते हुए देखा। उन्होंने हिम्मत दिखाई। उन्होंने टाइमआउट में मुझसे कहा था कि हमें विश्वास है। इन पांच छक्कों से पहले तेवतिया गेंद को बल्ले के बीचोंबीच लेने के लिए भी संघर्ष करते दिखाई दे रहे थे और राजस्थान जीत के लिए संजू सैमसन पर निर्भर थी। लेकिन संजू के आउट होने के बाद तेवतिया ने टीम की उम्मीदों को पूरा किया। सैमसन ने 42 गेंदों पर 85 रनों की पारी खेली। स्मिथ ने कहा, संजू सफाई से गेंद को मैदान के चारों तरफ मार रहे थे। वह हर किसी से दबाव हटा रहे थे। हमें बड़े मैदानों की आदत डालनी होगी, लेकिन ये शॉट्स हर जगह जा रहे थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार-समाचार

नोएडा: हनीट्रैप में फंसाकर DRDO साइंटिस्ट का मसाज पार्लर से अपहरण, मांगी फिरौती, 2 युवतियों समेत 3 गिरफ्तार

नोएडा. दिल्ली के डिफेन्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट आर्गेनाईजेशनमें तैनात एक साइंटिस्ट को हनीट्रैप में फंसाकर नोएडा के एक मसाज पार्लर से उसका अपहरण कर लिया गया. इसके बाद आरोपियों ने साइंटिस्ट के मोबाइल से पत्नी को फोनकर फिरौती की भी मांग की. अपहरण की सूचना से घर में कोहराम मच गया. आनन-फानन में परिजनों ने सेक्टर-49 थाने में सूचना दी. डीआरडीओ साइंटिस्ट के अपहरण की सूचना पर नोएडा पुलिस कमिश्नरेट में भी हड़कंप मच गया. तत्काल पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह से लेकर अन्य आला अफसर हरकत में आए. कड़ी मशक्कत के बाद रविवार देर रत साइंटिस्ट को सेक्टर-35 से बरामद कर लिया गया. पुलिस ने इस मामले में दो युवतियों समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है.

इन्टरनेट से सर्च कर पहुंचे थे मसाज पार्लर

पुलिस ने बताया कि डीआरडीओ के दिल्ली ऑफिस में तैनात साइंटिस्ट नोएडा के सुपरटेक केपटाउन सोसायटी में परिवार के साथ रहते हैं. शनिवार शाम वह इंटरनेट पर मसाज पार्लर सर्च कर रहे थे. इसके कुछ देर बाद वह सेक्टर-35 सिटी सेंटर स्थित एक मसाज पार्लर पहुंच गए. वहां मौजूद दो युवतियों समेत तीन लोगों ने उनसे मारपीट कर मोबाइल और कैश लूटकर उनका अपहरण कर लिया. रविवार देर रात आरोपियों ने साइंटिस्ट के फोन से उनकी पत्नी को फोन कर फिरौती मांगी.

हरकत में आई पुलिस ने सकुशल किया बरामद

पत्नी ने इसकी तत्काल सूचना सेक्टर-49 पुलिस स्टेशन को दी. इसके बाद पुलिस कमिश्नर समेत तमाम टीम साइंटिस्ट को तलाशने में जुट गई. रविवार देर शाम पुलिस की एक टीम ने उनकी लोकेशन ट्रेस की और सेक्टर 35 से उन्हें सकुशल बरामद कर लिया. एडीसीपी रणविजय सिंह ने बताया कि उनका अपहरण करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है. पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है.

मेरठ: पत्नी ने साथ जाने से मना किया तो नाराज युवक ने खुद को लगाई आग, हालत गंभीर

मेरठ. लिसाड़ीगेट थाना क्षेत्र में ससुराल पहुंचे युवक ने खुद में आग लगा लगाकर आत्दाह करने की कोशिश की. बताया जा रहा है कि युवक का पत्नी से कुछ विवाद चल रहा था और वह अपने मायके आ गई थी. युवक ने पत्नी को घर ले जाने की बात कही, जब महिला ने जाने से इनकार कर दिया तो युवक ने आग लगा ली. इसके बाद लोगों ने पुलिस को जानकारी दी. मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को अस्पताल में भर्ती करा पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है.

मेरठ पुलिस का कहना है कि युवक साहिल खरखोदा थाना क्षेत्र के जाहिदपुर गांव का रहने वाला है. उसकी शादी 4 महीने पहले लिसाड़ीगेट की रहने वाली शाइस्ता नाम की युवती से हुई थी. बताया जा रहा है कि शादी के कुछ दिन बाद ही दोनों में कुछ विवाद होने लगा. आरोप है कि साहिल उसे मारता-पीटता था और दहेज की डिमांड करता था. इसके बाद परिजन शाइस्ता को मायके ले आये. इस बीच युवक सुसराल पहुंचकर अपने आप को आग लगा ली. इस मामले में पूछताछ के लिए दो लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है और जांच की जा रही है.

जांच में जुटी पुलिस

जानकारी के मुताबिक, शाइस्ता को समझाने और घर वापस ले जाने के लिए साहिल ससुराल पहुंचा था, लेकिन जब शाइस्ता ने जाने से मना कर दिया तो साहिल ने खुद को आग लगा ली. इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने साहिल को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है.

हाईकोर्ट के आदेश के बाद एक्शन में यूपी पुलिस, बिना मास्क वालों का किया जा रहा चालान

हाईकोर्ट (Allahabad High Court) के सख्त निर्देश के बाद सोमवार सुबह से ही मेरठ (Meerut) के हर चौराहे पर सघन चेकिंग अभियान चलाकर बिना मास्क वालों का 500-500 रुपए का चालान काटा जा रहा है.

मेरठ. इलाहाबाद हाईकोर्ट के निर्देश के बाद यूपी पुलिस अब एक्शन मोड में है. हाईकोर्ट ने कोरोना के बढ़ते मामले को देखते हुए यूपी पुलिस को बिना मास्क घर से बाहर निकलने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं. इसी क्रम में मेरठ में भी पुलिस ने बेरिकेडिंग लगाकर लोगों के चालान काटे. बिना मास्क के बाहर दिखने वालों से 500 रुपए का चालान काटा गया

हाईकोर्ट के सख्त निर्देश के बाद सोमवार सुबह से ही मेरठ के हर चौराहे पर सघन चेकिंग अभियान चलाकर बिना मास्क वालों का 500-500 रुपए का चालान काटा जा रहा है.

इसी तरह अयोध्या में भी हाईकोर्ट के आदेश का असर देखने को मिला. अयोध्या पुलिस ने बिना मास्क लगाए हुए घूमने वालों 2585 व्यक्तियों का चालान काटा. थाना रौनाही में 290, कोतवाली नगर में 278, कैंट में 234, अयोध्या कोतवाली में 128, थाना राम जन्मभूमि में 100, पूराकलन्दर में 141 व गोसाईगंज थाने में 136 लोगों का चालान किया गया.

दरअसल, कोरोना वायरस का संक्रमण थमता न देखकर हाईकोर्ट ने पूरे प्रदेश में लोगों का मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया है. कोर्ट ने कहा है कि प्रदेश में कोई भी नागरिक घर से बाहर बिना मास्क के दिखाई नहीं देना चाहिए. घर से बाहर निकलने वाला हर व्यक्ति यह सुनिश्चित करे कि उसका मुंह और नाक ढंका हो. इस आदेश का उल्लंघन करने वाले पर मौजूदा कानून के तहत ही कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए.

कोर्ट ने आदेश का पालन सुनिश्चित करने के लिए हर जिले के प्रत्येक थाने में एक टास्क फोर्स गठित करने का निर्देश दिया है, जिसमें मौजूदा से ज्यादा संख्या में पुलिसकर्मी रखे जाएं. अदालत ने प्रशासन और पुलिस को इस बात के लिए भी आगाह किया है कि वह मास्क पहनना सुनिश्चित करने की नाकामी जनता पर नहीं थोप सकेंगे.

अयोध्या: सज गया IPL का सट्टा बाजार, दो दर्जन कंट्रोल रूम से कट रही पर्ची, वीडियो हुआ वायरल

अयोध्या. रामनगरी के फैजाबाद शहर इस समय सट्टेबाजों की गिरफ्त में है. कोतवाली नगर व थाना कैंट क्षेत्र के दो दर्जन से अधिक क्षेत्रों में सफेदपोश लोग मुम्बई सेंसेक्स, डॉक्स सेंसेक्स व आईपीएल में सट्टेबाजी करवा रहे हैं. सट्टेबाजी में युवा वर्ग संलिप्त तो है ही शहर के नामी गिरामी लोग इसमें शामिल है. पहले मुंबई सेंसेक्स और इंग्लैंड के डॉक्स सेंसेक्स पर सट्टेबाजी होती थी लेकिन अब आईपीएल शुरू होने के बाद अब क्रिकेट पर सट्टा शुरू हो गया है.

हम आपको शहर के एक कंट्रोल रूम का वीडियो दिखा रहे हैं इसमें आप देखिए किस तरह से सट्टेबाजी करने के लिए पर्ची काटी जा रही है. यह पर्ची 25 रुपये से लेकर 100 रुपये तक कटती है. सेंसेक्स कितने पर बंद होगा और कितने पर खुलेगा? आईपीएल में कौन जीतेगा, कौन हारेगा, कौन चौका मरेगा और कौन छक्का मरेगा? सभी पर सट्टेबाजी की कीमत तय होती है. ऐसा भी नहीं है कि इसकी जानकारी पुलिस को नहीं है. सूत्र के मुताबिक पुलिस की भी हिस्सेदारी तय होती है. आईपीएल शुरू होने के बाद राम नगरी में लगभग दो दर्जन से अधिक स्थानों पर सट्टेबाजों ने कंट्रोल रूम बना रखे हैं. इसी कंट्रोल रूम से आईपीएल की सट्टेबाजी को अंजाम दिया जाता है. कंट्रोल रूम में युवा सट्टेबाजों की भारी-भरकम भीड़ होती है. सबसे पहले किस की पर्ची कटेगी इसके लिए भीड़ लगी रहती है. हर सट्टेबाज स्क्रीन लगाकर यह तय करता है कि सट्टा कौन किस पर लगा रहा है. कौन आईपीएल जीतेगा, कौन हारेगा, कौन छक्का मारेगा, कौन चौका मारेगा, कौन बोल्ड होगा, कौन एलबीडब्ल्यू होगा और कौन रन आउट होगा? इन सभी पर सट्टेबाजी शहर में धड़ल्ले से चल रही है. पुलिस के नाक के नीचे दर्जनों कंट्रोल रूम चल रहे हैं, लेकिन पुलिस किसी पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही है. धड़ल्ले से चल रहे सट्टे के कंट्रोल रूम पर पर तो यही लगता है कि पुलिस की मिलीभगत से शहर में सट्टे का बाजार सज गया है.

➤IPL Betting in Ayodhya: सूत्र के मुताबिक पुलिस की भी हिस्सेदारी तय होती है. आईपीएल शुरू होने के बाद राम नगरी में लगभग दो दर्जन से अधिक स्थानों पर सट्टेबाजों ने कंट्रोल रूम बना रखे हैं.

शाहजहांपुर में दो सटोरिए गिरफ्तार

उधर शाहजहांपुर में आईपीएल क्रिकेट शुरू होते ही सट्टे के कारोबारियों का काम फलने फूलने लगा है. इसी के चलते पुलिस ने छापा मारकर दो आईपीएल सट्टे कारोबारियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने उनके पास से कैश मोबाइल और नोटबुक बरामद की है. बताया जा रहा है कि यह सटोरिये मोबाइल ऐप के जरिए लाखों रुपए का सट्टे का कारोबार कर रहे थे. घर मे चल रहे इस कारोबार से जुड़े उनके साथियों की भी तलाश पुलिस कर रही है. मामला थाना तिलहर इलाके का है, जहां पुलिस को सूत्रों से पता चला की आईपीएल का मैच होते ही सट्टे का कारोबार इलाके में हो रहा है. सूत्रों की खबर के बाद पुलिस ने छापा मारते हुए तो दो कारोबारियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है. तिलहर के रहने वाले वाहिद और आरिफ नाम के दोनों कारोबारियों को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उनके पास से नोटबुक मोबाइल और कैश बरामद किया है. बताया जा रहा है मोबाइल ऐप के जरिए लोगों से लाखों रुपए का सट्टे का कारोबार कराया जा रहा था.

रायबरेली: दो टॉप टेन अपराधियों की करोड़ों की संपत्ति कुर्क, गाजे-बाजे के साथ पहुंची थी पुलिस

रायबरेली. उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा अपराधियों और अपराध पर अंकुश लगाने के लिए लगातार सख्त कोशिश की जा रही है. प्रदेश के बड़े माफियाओं से लेकर जिलों में अपराध की दुनिया में अपनी हुकूमत चला रहे अपराधियों पर सरकार और सरकारी मशीनरी लगातार शिकंजा कस रही है. इसी कड़ी में

➤रायबरेली (Raebareli) जिले के टॉप टेन अपराधियों में शामिल शहर कोतवाली के राजू सुनार और भदोखर थाना क्षेत्र के वीरेंद्र यादव की करोड़ों की संपत्ति पुलिस ने गाजे बाजे के साथ कुर्क किया.

रविवार को रायबरेली पुलिस ने जिले के दो टॉप टेन अपराधियों की करोड़ों की संपत्ति कुर्क कर अपना बोर्ड वहां पर लगा दिया.

रायबरेली में रविवार का दिन जिले के दो टॉप टेन अपराधियों के लिए बुरी खबर लेकर आया. जिले के टॉप टेन अपराधियों में शामिल शहर कोतवाली के राजू सुनार और भदोखर थाना क्षेत्र के वीरेंद्र यादव की करोड़ों की संपत्ति पुलिस ने गाजे बाजे के साथ कुर्क कर आम जनता और अपराधियों को कड़े संदेश देने का काम किया. रायबरेली शहर कोतवाली पुलिस ने खाली साहट स्थित अपराधी राजू सुनार की करोड़ों की संपत्ति और एक गाड़ी कुर्क की. दूसरी तरफ भदोखर पुलिस ने पूर्व में जिला बदर और वर्तमान जिला पंचायत सदस्य वीरेंद्र यादव की गाड़ियों को कुर्क कर अपराधियों पर लगाम लगाने के इरादे से उनकी संपत्ति कुर्क कर ली.

लगातार जारी है कार्रवाई

गौरतलब है कि योगी सरकार की सख्ती के बाद यूपी के कई जिलों में माफियाओं और अपराधियों की सम्पत्ति जब्त की जा रही है. साथ ही उनके द्वारा अवैध तरीके से कब्ज़ा कर बनाई गई इमारतों पर सरकारी बुलडोजर चलाया जा रहा है. मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद, खान मुबारक, सुनील भाटी जैसे भू-माफियाओं और इनामी बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई अभी भी जारी है.

डूंगरपुर हिंसा के बाद गहलोत के 'टीएडी सुपर-30 प्रोजेक्ट' से आदिवासी युवाओं को साधने की कवायद हुई तेज

जयपुर. डूंगरपुर हिंसा के बाद राज्य सरकार आदिवासी इलाकों के प्रति और अधिक संवेदनशील हो गई है. मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा चुनाव के बाद ही आदिवासी इलाकों में बीटीपी के बढ़ते राजनीतिक प्रभाव को साधने के लिए कवायद तेज कर दी थी. राज्य सरकार ने हमेशा रामभरोसे चलते रहे जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग यानी टीएडी में पूर्णकालिक अफसर तैनात कर दिए. राज्य

सरकार ने हाल ही में दक्षिणी राजस्थान के आदिवासी इलाकों के युवाओं के लिए टीएडी सुपर-30 प्रोजेक्ट की सौगात दे दी थी. प्रोजेक्ट के तहत युवाओं को प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए ऑनलाइन फ्री कोचिंग दी जाएगी. जनजाति के विद्यार्थियों को संघ लोक सेवा आयोग और राजस्थान लोक सेवा आयोग में चयन के लिए कोचिंग कराई जाएगी.

राम भरोसे ही चलता रहा है टीएडी विभाग

टीएडी विभाग अभी तक अतिरिक्त चार्ज के भरोसे ही चलता रहा है. टीएडी विभाग में नियुक्ति ब्यूरोक्रेट्स के लिए पनिशमेंट पोस्ट मानी जाती रही है. हाल ही में सरकार ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी राजेश्वर सिंह को विभाग की पूर्णकालिक जिम्मेदारी दी थी. पूर्णकालिक अधिकारी लगाने का असर भी नजर आया. पद संभालते ही अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश्वर सिंह ने प्रशासनिक सेवाओं की प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए टीएडी सुपर-30 प्रोजेक्ट शुरू कर दिया.

बजट पूरा खर्च नहीं हो पाता

विभागीय बजट पूरा खर्च नहीं हो पाता और आदिवासियों के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं का पूरा लाभ उन्हें नहीं मिल पाता है. इसलिए पटीएडी आयुक्त के पद पर अलग से आईएएस अधिकारी को नियुक्त करने की मांग हमेशा उठती रही है. विधानसभा में भी यह मामला उठा है. इसलिए सरकार ने टीएडी आयुक्त के पद पर अलग से अधिकारी नियुक्त किए हैं. 2006 बैच के आईएएस अधिकारी डॉ जितेंद्र कुमार उपाध्याय आयुक्त और 2015 बैच की आईएएस अधिकारी अंजली राजोरिया अतिरिक्त आयुक्त लगी हुई है.

Rajasthan Panchayat Election: कोरोना गाइडलाइन हुई तार-तार, तस्वीरों में देखें भयावह जमीनी हालात

➤जयपुर. कोरोना काल में राजस्थान में पंचायत चुनाव (Rajasthan Panchayat Election) के पहले चरण के लिये आज हो रहे मतदान में कोविड-19 की गाइडलाइन की जमकर धज्जियां (Break) उड़ाई जा रही है. चुनाव के उत्साह में ग्रामीणों ने कोरोना गाइडलाइन को तार-तार कर दिया है. तस्वीरों में देखिये भयावह जमीनी हालात.

जयपुर. राजस्थान में आज प्रथम चरण के तहत 947 ग्राम पंचायतों में मतदान की प्रक्रिया चल रही है. मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की जर्बदस्त भीड़ उमड़ रही है. इन तस्वीरों को देखकर साफ जाहिर हो रहा है कि कोरोना गाइडलाइन की ना तो ग्रामीणों को फिक्र है और ना ही प्रशासन को. जयपुर जिले की फागी पंचायत के इस मतदान केन्द्र के अलग-अलग बूथों पर मतदाता एक दूसरे से सटकर खड़े हैं. मतदाताओं ने सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ा रखी है. कुछ ने मास्क लगा रखे हैं तो कुछ नहीं. फागी पंचायत में मतदान केन्द्र पर जिस तरह का यह नजारा है उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि अन्य जगहों के भी हालात कैसे होंगे. कहने को यहां पुलिस प्रशासन कोरोना गाइडलाइन की पालना करवा रहा है, लेकिन तस्वीरें बता रही हैं कि पुलिस प्रशासन का यह दावा पूरी तरह से हवा हवाई है. यह मतदान केन्द्र तो एक बानगीभर है. खबरों के अनुसार प्रदेशभर में कमोबेश हालात लगभग एक जैसे ही हैं. हालांकि सुबह-सुबह कुछ मतदान केन्द्रों पर कोरोना गाइडलाइन की पालना होती भी दिखी, लेकिन सूरज चढ़ने के साथ ही हालात बिगड़ने लगे. जयपुर की भोजपुरा ग्राम पंचायत में मतदान की खातिर सोशल डिस्टेंसिंग के लिये बनाये गये गोल घेरे में बैठकर अपनी बारी का इंतजार करते मतदाता. कोरोना गाइडलाइन को देखते हुए इस बार मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं के लिये टैंट आदि की भी व्यवस्था की गई है. कई जगह ग्रामीण खड़े-खड़े उकताने लगे, लेकिन वहां मौजूद पुलिस-प्रशासन सोशल डिस्टेंसिंग की पालना करवाने की भरपूर कोशिशें कर रहा है.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त खबर

अमेरिका में कोविड-19 से अब तक 2.04 लाख से अधिक लोगों की मौत

एजेंसी, नई दिल्ली। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) से गंभीर रूप से जूझ रहे अमेरिका में इसके संक्रमण से 2.04 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका में यह महामारी विकराल रूप ले चुकी है और अब तक 71 लाख से अधिक लोग इससे संक्रमित हो चुके हैं। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका में कोरोना से मरने वालों की संख्या 2,04,750 पहुंच गयी है जबकि संक्रमितों की संख्या 71 लाख को पार कर 71,13,666 हो गयी है। अमेरिका का न्यूयॉर्क, न्यूजर्सी और कैलिफोर्निया प्रांत कोरोना से सबसे बुरी तरह प्रभावित है। अकेले न्यूयॉर्क में कोरोना संक्रमण के कारण 33,131 लोगों की मौत हुई है। न्यूजर्सी में अब तक 16,103 लोगों की इस महामारी के कारण मौत हो चुकी है। कैलिफोर्निया में कोविड-19 से अब तक 15 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। टेक्सास में इसके कारण 15,745 लोग अब तक अपनी जान गंवा चुके हैं जबकि फ्लोरिडा में कोविड-19 से 14 हजार से अधिक लोगों की जान गई है। इसके अलावा मैसाचुसेट्स, इलिनॉयस और पेंसिल्वेनिया जैसे प्रांत भी कोविड-19 का प्रकोप झेल रहे हैं। इन तीनों प्रांतों में कोरोना से आठ हजार से अधिक लोगों की मौत हुई है।

चीन में अब भी खत्म नहीं हुआ कोरोना का कहर, सामने आए संक्रमण के 21 नये मामले

एजेंसी, नई दिल्ली। चीन में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के 21 नये मामले दर्ज किये गये, जिससे बाहर से आये मामलों की संख्या बढ़कर 2823 हो गयी है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग की ओर से सोमवार को जारी दैनिक रिपोर्ट के मुताबिक सभी मामले बाहर से आये हैं। संक्रमण के नये मामलों में से शंघाई से 10, गुआंगडोंग से पांच, आंतरिक मंगोलियाई स्वायत्तत क्षेत्र से तीन, जबकि फुजियान से दो और शांझी में एक नया मामला सामने आया है। आयोग ने बताया कि कोरोना संक्रमण के बाहर से आये मामलों में से 2638 मरीज पूरी तरह से ठीक हो चुके हैं जबकि 185 अस्पताल में भर्ती हैं। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के मुताबिक इस दौरान कोविड-19 से किसी भी व्यक्ति की मौत नहीं हुई है। इधर, भारत में कोरोना वायरस के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। हर दिन कोरोना वायरस के पॉजिटिव मामले खौफनाक रिकॉर्ड बनाते जा रहे हैं, मगर इस बीच अच्छी खबर भी है। कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच राहत की बात यह है कि पिछले पांच दिनों से लगातार कोरोना वायरस से ठीक होने वालों की संख्या ने बड़ा उछाल देखने को मिल रहा है। स्वास्थ्य मंत्रलाय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले लगातार पांच दिनों में देश में हर रोज सामने आए कोरोना के पॉजिटिव केसों से अधिक रिकवरी करने वालों की संख्या है।

अफगानिस्तान से सैनिकों की वापसी से घबराया पाकिस्तान, इमरान खान बोले- यह ठीक नहीं हो रहा

एजेंसी, इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने अफगानिस्तान से अंतरराष्ट्रीय सैनिकों की वापसी को लेकर आगाह करते हुए रविवार को कहा कि यह जल्दबाजी में लिया जा रहा एक अविवेकपूर्ण फैसला है, जिसके दुष्परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि इससे संकटग्रस्त अफगानिस्तान के लिए समस्याएं बढ़ भी सकती हैं। दैनिक समाचार पत्र डॉन के मुताबिक इमरान खान ने कहा, अफगानिस्तान और तालिबान के नेतृत्व के बीच शांति वार्ता की शुरुआत करवाना एक बहुत ही कठिन काम था लेकिन हम यह कराने में कामयाब हुए। यह सभी पक्षों की ओर से दिखाए गए साहस और धैर्य के कारण संभव हो पाया है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतर-अफगान वार्ता की शुरुआत करने से पहले अफगानिस्तान की सरकार और तालिबान के बीच कैदियों के आदान-प्रदान को लेकर सहमति बनी है जोकि एक सराहनीय कदम है। दोनों पक्षों की ओर से उठाया गया यह एक बेहतर कदम है। इमरान खान ने कहा, अफगानिस्तान में गृह युद्ध की समाप्ति के बाद अंतरराष्ट्रीय समुदाय वहां शांति स्थापित करने के लिए क्या कदम उठाएगा यह बहुत ही महत्वपूर्ण है।

टेक्सास में सप्लाई वाला पानी नहीं पीने की चेतावनी जारी

अमेरिका में फैला दिमाग खाने वाले अमीबा

एजेंसी, वाशिंगटन। कोरोना महामारी के कहर के बीच अमेरिका में दिमाग खा जाने वाले सूक्ष्म जीव अमीबा का प्रकोप सामने आया है। पेयजल आपूर्ति में अमीबा के पाए जाने के बाद टेक्सास राज्य में हड़कंप मच गया। कई शहरों में पेयजल आपूर्ति का पानी न पीने की चेतावनी जारी की गई है।

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, टेक्सास में लेक जैक्सन में अमीबा के कारण एक बच्चे की मौत सामने आई है। जांच के दौरान पानी की आपूर्ति में मस्तिष्क खाने वाले सूक्ष्म जीव की मौजूदगी पाई गई थी। इसके बाद निवासियों को नल के पानी का उपयोग नहीं करने के लिए कहा गया है। हालांकि, अधिकारियों ने अच्छी तरह से पानी कीटाणुरहित कर दिया, लेकिन एहतियात बरतने के निर्देश दिए हैं।

टेक्सास में आठ सितंबर को एक बच्चे को अस्पताल में दाखिल कराया गया तो अमीबा के होने की बात सामने आई। डॉक्टरों ने बताया कि अमीबा के संपर्क में आने के कारण जोशिया मैकइंटायर की मौत हो गई। रिपोर्टों के

अनुसार, वह उस क्षेत्र के पानी से संक्रमित हो गया था। इसके बाद, निवासियों को सख्त निर्देश दिए गए कि वे नल के पानी का उपयोग न करें। विशेष तौर पर पानी को मुंह और नाक के जरिये शरीर के अंदर न जाने दें।

प्रभावित क्षेत्रों में लेक जैक्सन, फ्रीपोर्ट, एंग्लटन, ब्रेजोरिया, रिचवुड, ऑयस्टर क्रीक, क्लूट और रोसेनबर्ग शामिल हैं। हालांकि, बाद में लेक जैक्सन को छोड़कर बाकी जगहों से चेतावनी को हटा दिया गया है।

नाक से दिमाग तक पहुंचता है अमीबा :

दरअसल, अमीबा ब्रेन यानी दिमाग खाने वाला सूक्ष्म जीव है। इस अमीबा का नाम नेगलेरिया फाउलरली भी कहा जाता है। यह मस्तिष्क में घातक संक्रमण का कारण बन सकता है। अमीबा नाक के माध्यम से शरीर में प्रवेश करता है और वहां से मस्तिष्क तक जाता है।

मामला दुर्लभ, लेकिन पहली बार नहीं :

अमेरिका में सार्वजनिक जल आपूर्ति में अमीबा का पाया जाना दुर्लभ है, लेकिन नया नहीं है। सीडीसी वेबसाइट के अनुसार, अमेरिकी सार्वजनिक पेयजल प्रणालियों से नल के पानी में पाए गए नेगलेरिया फाउलरली यानी अमीबा से पहली मौत 2011 और 2013 में दक्षिणी लुइसियाना में हुई थी।

ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान में भी :

यह सूक्ष्मजीव 2003 में एरिजोना में एक जियो-थर्मल पेयजल आपूर्ति प्रणाली के साथ-साथ 1970 और 80 के दशक में ऑस्ट्रेलिया में और 2008 में पाकिस्तान में विनिर्मित सार्वजनिक पेयजल आपूर्ति में भी पाया गया था।

यहां रहता है अमीबा का खतरा :

अमेरिका के बीमारी रोकथाम केंद्र सीडीसी के मुताबिक, यह दिमाग को खाने वाला जीवाणु आमतौर पर मिट्टी, गर्म झील, नदियों और गर्म जलधाराओं में पाया जाता है और अच्छी तरह रखरखाव नहीं किए जाने पर स्विमिंग पूल में भी अमीबा मौजूद हो सकते हैं।

ट्रंप ने 2016-17 में आयकर के रूप में 750 डालर का भुगतान किया

एजेंसी, नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में अपने कार्यकाल के पहले वर्ष 2016-17 के दौरान संघीय आयकर के तौर पर महज 750 अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया। न्यूयॉर्क टाइम्स में सोमवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। अखबार के अनुसार यह रिपोर्ट ट्रंप और उनकी कंपनियों के दो दशक के रिकार्ड पर आधारित है। रिपोर्ट के अनुसार बीते 15 वर्षा में से 10 वर्ष ट्रंप ने कोई आयकर भुगतान नहीं किया। दूसरी तरफ ट्रम्प ने व्हाइट हाऊस में एक संवाददाता सम्मेलन में अखबार में छपी रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इस खबर को फेक न्यूज बताकर खारिज करते हुए कहा था कि वह करों का भुगतान करते हैं तथा उनका आयकर रिटर्न देखा जा सकता है और यह काफी समय से यह ऑडिट हो रहा है। ट्रम्प अपने व्यवसाय से संबंधित दस्तावेजों को साझा करने से इनकार करने के लिए कानूनी चुनौतियों का सामना कर रहे है। वह 1970 के बाद से अपने कर के रिटर्न को सार्वजनिक नहीं करने वाले पहले राष्ट्रपति हैं।

ट्रंप और बाइडेन के बीच 29 सितंबर को होगी राष्ट्रपति पद के लिए पहली आधिकारिक बहस

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी जो बाइडेन के बीच राष्ट्रपति पद के लिए पहली आधिकारिक बहस (प्रेसिडेंशियल डिबेट) 29 सितम्बर को होगी। अमेरिका में तीन नवम्बर को होने वाले चुनाव से पहले ट्रंप और बाइडेन के बीच तीन बार इस तरह की बहस होगी। 'फॉक्स न्यूज' के मशहूर एंकर क्रिस वालास पहली बहस का संचालन करेंगे। 'सी-स्पैन नेटवर्क्स के स्टीव स्कली 15 अक्टूबर को मियामी (फ्लोरिडा) में होने वाली दूसरी बहस और 'एनबीसी न्यूज की क्रिस्टन वेलकर 20 अक्टूबर को नैशविले (टेनेसी) में तीसरी बहस का संचालन करेंगी। उप राष्ट्रपति माइक पेंस (61) और उप राष्ट्रपति पद की डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस (55) के बीच सात अक्टूबर को उटा के 'सॉल्ट लेक में उप राष्ट्रपति पद के लिए की बहस होगी। यूएसए टूडे की पत्रकार सुसन पेज इसका संचालन करेंगी। सभी चार बहस 'कमिशन ऑन प्रेसिडेंशियल डिबेट्स (सीबीडी) द्वारा आयोजित की जा रही हैं। ये बहस 90 मिनट की होंगी। अगस्त में, सीपीडी ने राष्ट्रपति पद के लिए सितम्बर की शुरुआत में बहस का आयोजन कराने के ट्रंप अभियान दल के अनुरोध को ठुकरा दिया था। वहीं ट्रंप ने रविवार को पत्रकारों से कहा था कि न्यूजर्सी के पूर्व गवर्नर क्रिस क्रिस्टी और न्यूयॉर्क के पूर्व मेयर रूडी गिलियानी उन्हें बहस के लिए तैयारी करने में मदद कर रहे हैं। इससे पहले दिन में ट्रंप ने ट्वीट कर बहस से पहले बाइडेन के 'ड्रग टेस्ट कराने की मांग की थी। उन्होंने ट्वीट किया था, ''मैं बहस से पहले या बाद में जो बाइडेन के 'ड्रग टेस्ट कराने की मांग करता हूं। मैं भी यकीनन यह कराने को तैयार हूं। बहस में उनका प्रदर्शन हमेशा असमान रहा है। केवल ड्रग ही इन विसंगतियों का कारण हो सकते हैं।'' संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में ट्रंप ने एक बार फिर बाइडेन के बहस से पहले 'ड्रग टेस्ट कराने की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि वह भी इसे कराएंगे। ट्रंप ने कहा, ''मैं 'ड्रग टेस्ट कराने को तैयार हूं। मुझे लगता है कि उन्हें भी कराना चाहिए... वह काफी असंगत रहे हैं... बाइडेन ने अभी तक ट्रंप की इन टिप्पणियों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं की है। इस बीच, कांग्रेस के 70 से अधिक सदस्यों ने सीपीडी को पत्र लिख जलवायु परिवर्तन को बहस का विषय बनाने की अपील की है। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए पहली बार 26 सितम्बर 1960 को बहस हुई थी।

अपनी धौंस जमाने के लिए दक्षिण चीन सागर में सैन्य चौकियों का इस्तेमाल कर रहा है चीन : अमेरिका

नई दिल्ली। अमेरिका ने कहा है कि दक्षिण चीन सागर में चीन अपनी चौकियों का इस्तेमाल धौंस जमाने तथा उस जल क्षेत्र में अपना कब्जा जमाने के लिए कर रहा है जिस पर उसका कानूनन हक नहीं है। अमेरिका ने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से कहा कि वह समुद्री क्षेत्र में अपने इन निर्माणों का ''किसी अन्य देश को प्रभावित करने या हमला करने के लिए इस्तेमाल नहीं करने के अपने वादे का सम्मान करें। बीजिंग 13 लाख वर्गमील में फैले लगभग पूरे दक्षिण चीन सागर पर दावा जताता है। चीन क्षेत्र में उन कृत्रिम द्वीपों पर सैन्य ठिकानों का निर्माण कर रहा है जिन पर ब्रुनेई, मलेशिया, फिलिपीन, ताईवान तथा वियतनाम भी अपना दावा जताते हैं।

बीजिंग ने हाल के वर्षों में पड़ोसी राष्ट्रों द्वारा इलाके में मछली पकड़ने तथा खनिज उत्खनन जैसी गतिविधियों को अवरूद्ध किया है और कहा है कि संसाधन समृद्ध इस समुद्री क्षेत्र पर सैकड़ों वर्षों से उसका मालिकाना हक है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मॉर्गन ऑर्टगस ने रविवार को कहा कि पांच साल पहले 25 सितंबर, 2015 को चीन के राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में वादा किया था कि चीन

का द्वीपों का सैन्यीकरण करने का इरादा नहीं है और चीन की चौकियां ''किसी को निशाना नहीं बनाएंगी या किसी देश को प्रभावित नहीं करेंगी। उन्होंने कहा कि लेकिन इसके बजाए चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) समर्थित चीन की सरकार ने इन विवादित चौकियों का अंधाधुंध तरीके से सैन्यीकरण करना शुरू कर दिया, यहां पोत भेदी क्रूज मिसाइलों की तैनाती की, लड़ाकू विमानों के लिए कई दर्जन हैंगर तथा रनवे बनाए। ऑर्टगस ने कहा, ''सीसीपी ने इन सैन्यीकृत चौकियों का इस्तेमाल धमकाने तथा उस जलक्षेत्र पर कब्जा जमाने के लिए किया जिन पर उसका कानूनन कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, ''हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अनुरोध करते हैं कि वे इस खतरनाक एवं अस्वीकार्य व्यवहार के खिलाफ आवाज बुलंद करें और सीसीपी को यह साफ कर दें कि उसे जवाबदेह ठहराया जाएगा।

दक्षिण चीन सागर में चीन के प्रतिरोधी प्रयासों के खिलाफ अमेरिका दक्षिण-पूर्वी एशियाई सहयोगियों और साझेदारों के साथ खड़ा है। नौवहन की स्वतंत्रता की रक्षा का संकल्प लेते हुए हाल के महीनों में अमेरिका ने दक्षिण चीन सागर में अपनी नौसेना की मौजूदगी बढ़ा दी है।

संयुक्त राष्ट्र से नेताओं ने कहा- यदि वायरस हमारी जान नहीं लेता है, तो जलवायु परिवर्तन मार डालेगा

एजेंसी, जोहानिसबग। विश्व के कुछ नेताओं ने इस हफ्ते संयुक्त राष्ट्र की वार्षिक बैठक में चेतावनी दी कि यदि कोविड-19 हमारी जान नहीं लेता है तो जलवायु परिवर्तन मार डालेगा। साइबेरिया में इस साल सर्वाधिक तापमान दर्ज किया गया और ग्रीनलैंड और कनाडा में ग्लेशियर का एक बड़ा हिस्सा टूट कर समुद्र में मिल गया। ऐसे में विभिन्न देश इस बात से भलीभांति अवगत हैं कि जलवायु परिवर्तन के लिए कोई टीका नहीं है। फिजी के प्रधानमंत्री फ्रैंक बैनमारामा ने अमेरिका में जंगलों में लगी आग का जिक्र करते हुए कहा, हम पर्यावरणीय विनाशलीला का एक प्रारूप देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्रीनलैंड में ग्लेशियर का जो बड़ा टुकड़ा टूट कर समुद्र में मिल गया, वह कई द्वीपीय देशों के आकार से बड़ा था। कोविड-19 महामारी के मद्देनजर संयुक्त राष्ट्र वैश्विक जलवायु सम्मेलन 2021 के अंत तक के लिए टाल दिया गया है। छोटे द्वीपीय देशों के गठबंधन और अल्प विकसित देशों के समूह ने कहा, यदि दुनिया अपने मौजूदा ढर्रे पर चलती रही, तो अगले 75 वर्षों में कई सदस्य देश संयुक्त राष्ट्र में नहीं दिखेंगे।

दोबारा प्रयोग हो सकेगा एन 95 मास्क, ऊष्मा और नमी के संयोजन से संक्रमणमुक्त करने का तरीका ढूंढा

एजेंसी, ह्यूस्टन (अमेरिका)। कोरोना वायरस संक्रमण के खतरे के बावजूद एन95 मास्क जैसे सुरक्षात्मक उपकरणों की कमी की वजह से इनका दोबारा इस्तेमाल करने को मजबूर स्वास्थ्य कर्मियों की इस समस्या का वैज्ञानिकों ने समाधान ढूंढ लिया है। शोधकर्ताओं ने एन95 मास्क को दोबारा इस्तेमाल करने के लिए ऊष्मा और नमी का संयोजन करके उसे संक्रमण-मुक्त करने का एक नया तरीका खोजा है। हालांकि, ऊर्जा विभाग के एसएलएसी नेशनल एक्सीलिरेटर लेबोरेटरी, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास की चिकित्सकीय शाखा के शोधकर्ताओं ने पाया कि उच्च सापेक्ष आर्द्रता में धीरे-धीरे एन 95 मास्क को गर्म करने से उनकी गुणवत्ता में गिरावट के बिना मास्क के भीतर फंसे सार्स-कोव-2 वायरस को निष्क्रिय किया जा सकता है। इस शोध-पत्र के वरिष्ठ लेखक स्टैनफोर्ड के भौतिक विज्ञानी स्टीवन चू ने कहा, ''यह वास्तव में एक समस्या है, इसलिए यदि आप कुछ दर्जन बार मास्क को रीसाइकल करने का तरीका ढूंढ सकते हैं, तो यह समस्या दूर हो जाती है। चू ने कहा, ''आप प्रत्येक डॉक्टर या नर्स की कल्पना कर सकते हैं कि उनके पास एक दर्जन से अधिक मास्क का अपना निजी संग्रह होने जा रहा है। कॉफी ब्रेक के दौरान वे अपने मास्क को संक्रमण-मुक्त कर सकेंगे। नए अध्ययन में चू के साथ यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास की चिकित्सकीय शाखा के विषाणु विज्ञानी स्कॉट वीवर और स्टैनफोर्ड/एसएलएसी के प्रोफेसरों यी कुई और वाह चिउ ने मास्क को संक्रमण-मुक्त करने की कोशिश करने के लिए ऊष्मा और आर्द्रता के संयोजन पर अपना ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने अपने नमूनों को 100 प्रतिशत तक की सापेक्ष आर्द्रता के साथ 25 से 95 डिग्री सेल्सियस तापमान में 30 मिनट तक गर्म किया। 25 सितंबर को एसीएस नैनो पत्रिका में इस शोध के निष्कर्षों को प्रकाशित किया गया।

दुबई में बढ़े कोरोना वायरस के मामले, नाइट लाइफ पर नए प्रतिबंधों का हुआ ऐलान

कोरोना के चलते दुबई ने नाइटलाइफ पर नए प्रतिबंधों की घोषणा की

दुबई में कोरोना वायरस के बढ़ते मामले के मद्देनजर प्रशासन ने रात में बार और रेस्तरां की सेवाओं पर नए प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है।

दुबई पर्यटन अधिकारियों ने सभी बार तथा रेस्तरां को देर रात एक बजे सभी तरह की सेवाएं बंद करने का आदेश दिया है। वहीं होटलों पर देर रात तीन बजे के बाद से 'डिलीवरी और कमरे देने पर प्रतिबंध होगा।

अधिकारियों ने भोजन और मद्यपान की सेवाएं उपलब्ध कराने वाले सभी प्रतिष्ठानों से वायरस रोधक प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए कहा है। इसका उल्लंघन करने पर उन्हें सख्त कार्रवाई और भारी जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है। दुबई में जुलाई में बार तथा रेस्तरां दोबारा खोल दिए गए थे। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अभी तक कोरोना वायरस के 90,600 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं और 400 लोगों की इससे मौत भी हुई है। देश में अब रोजाना सामने आ रहे मामलों की संख्या बढ़ रही है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

किसान बिल के खिलाफ सड़कों पर उतरी कांग्रेस, प्रदेष अध्यक्ष सहित कई गिरफ्तार

लखनऊ (एजेंसी)। केन्द्र सरकार द्वारा संसद में बीते दिनों पारित किए गए तीन कृषि कानूनों के खिलाफ कांग्रेस पार्टी ने सोमवार को प्रदेषभर में विरोध प्रदर्षन किया। इस दौरान कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को पुलिस ने गिरफ्तार भी किया।

राजधानी स्थित प्रदेष कांग्रेस कार्यालय में सोमवार को सुबह से ही विरोध प्रदर्षन को लेकर गहमागहमी थी तो वहीं पुलिस भी तैयार थी। पुलिस ने पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रदेष कार्यालय में ही रोक देने की व्यवस्था कर ली थी।

लेकिन प्रदेष अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू पुलिस को चकमा देकर बाइक से विरोध प्रदर्षन करने निकल पड़े। जिसके बाद कई अन्य नेता भी बड़ी संख्या में समर्थकों भी हजरतगंज और परिवर्तन चैक के लिए निकल गये। यहां तैनात पुलिस ने सभी नेताओं को गिरफ्तार कर लिया। प्रदेष कांग्रेस ने दावा किया है कि राज्य के अन्य जिलों में भी पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर निकलकर विरोध प्रदर्षन किया।

कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच विभिन्न स्थानों पर तीखी झड़प भी हुई।

वहीं पुलिस द्वारा रोके जाने के बावजूद विरोध प्रदर्षन पर आमादा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू सहित कई

यह भी बताया गया कि कई स्थानों पर पार्टी नेताओं को पुलिस ने घरों में नजरबंद भी कर दिया।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि की याचिका पर सुनवाई अब 30 सितंबर को

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा में श्रीकृष्ण विराजमान की याचिका पर सुनवाई 30 सितंबर को होगी। सिविल जज सीनियर डिवीजन नेहा भदोनिया की अनुपस्थिति ने एडीजे ने दी अगली तारीख दी।

बीते शनिवार को श्रीकृष्ण विरा. जमान भी न्याय के लिए अदालत पहुंचे थे। 'श्रीकृष्ण विराजमान' और 'स्थान श्रीकृष्ण जन्मभूमि' के नाम से मथुरा के सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में याचिका दायर की गई थी।

जिसमें 1968 के श्रीकृष्ण जन्मभूमि व मसजिद के बीच समझौते को अमान्य करार देने की मांग करते हुए 13.37 एकड़ की श्रीकृष्ण जन्मभूमि (मसजिद सहित) पर मालिकाना हक मांगा गया था। याचिकाकर्ता का कहना था कि जिस जगह आज श्रीकृष्ण जन्मस्थान है, वह पांच हजार साल पहले कंस कारागार था।

मथुरा की सीनियर सिविल जज छाया शर्मा की अदालत में श्रीकृष्ण ठाकुरजी विराजमान सहित कई भक्तगणों को वादी बनाते हुए 57 पेज की योचिका में मांग थी कि 12 अक्टूवर 1968 को हुए समझौता और 20 जुलाई 1973 को हुई डिक्री रद किया जाए। याचिका के जरिए 13.37 एकड़ जमीन पर श्रीकृष्ण जन्मभूमि का मालिकाना हक मांगा है, जिसमें ईदगाह भी शामिल है। वाद में शाही ईदगाह मस्जिद को हटाने का अनुरोध किया गया है।

यह भी कहा गया है कि श्री कृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान को यह समझौता करने का अधिकार नहीं है।

सर्वोच्च न्यायालय के पिता–पुत्र अधिवक्ता हरीशंकर जैन और विष्णु शंकर जैन द्वारा दायर वाद में 13.37 एकड़ जमीन के मालिकाना हक को लेकर 1968 में हुए समझौते को गलत बताया गया है।

सार–समाचार

'गौशालाओं में है गायो की दुर्दशा' 'दो गायों की मौत'

कानपुर(घाटमपुर)भीतरगांव विकास खण्ड क्षेत्र के बेहटा गंभीपुर गांव में संचालित है गोशाला केंद्र जहा पर 56 गाय दयनीय स्थिति में पल रही हैं जहाँ न तो सही चारा पानी की व्यवस्था है न ही उन्हें चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध हैं गायो की दयनीय स्थिति देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि महीनों से इन्हें न ही चिकित्सक उपचार किया गया जिससे बीते शानिवार को दो गायो की मौत होने के बाद उन्हें गाव के बाहर फेंकवा दिया गया जबकि दो गायो की स्थित अत्यंत गंभीर है गोशाला के केयर टेकर सूरज पुत्र रामपाल ने बताया कि गायो को केवल सूखा भूसा दिया जाता है तथा हरा चारा या खरी चुनी की व्यवस्था विभाग द्वारा न दिए जाने के कारण सूखा भूसा खाने को मजबूर है पंचायत सचिव रामपाल ने बताया कि दो गायो की मरने की सूचना मिली है जानकारी की जा रही है जल्द ही व्यवस्था सुधार की जायेगी।

'आपसी विवाद मे मारपीट से युवक घायल'

कानपुर(घाटमपुर)साढ़ थाना क्षेत्र के भीतरगांव चौकी के हिरनी गाँव मे दमंगों ने खेती (बगीचे) के विवाद में लाठी डंडों से जमकर की मारपीट घायल की हालत नाजुक घायल पहुँचा थाने साढ़ पुलिस नेC-H-C भीतरगावँ मेडिकल को भेजा। जहा डॉक्टरों ने कानपुर के लिए रिफर किया ।हिरनी गांव निवासी लाखन सिंह चंदेल पुत्र महाबीर का विवाद गाँव के कुछ लोगों के साथ जमीन का विवाद काफी समय से चल रहा है आज समय लगभग 8 बजे गांव में एक डॉक्टर के पास लाखन दवा लेने जा रहा था कि पहले से घात लगाए दमंगो ने घेर कर लाठी डंडो से जमकर की मारपीट की घायल लाखन की हालत नाजुक घायल ने साढ़ थाने में दी तहरीर।

'गंदगी से क्षेत्र मे लगातार फैल रही बीमारी'

कानपुर(घाटमपुर)साढ़ क्षेत्र के अमौर गांव में फैली विचित्र संक्रामक बीमारियो से गांव के लोग दहसत में है।पी एच सी अमौर के सामने ग्रामीणों ने जबरजस्ती गोबर के ढेर जमा कर रखे है तथा सड़क के किनारे गड्ढो में जल भराव है जिससे संक्रामक बीमारियों ने अपने पैर पूरी तरह से पसार दिए कस्बे में संक्रामक बीमारियों से मौत के बाद भी जिम्मेदारो ने एहितिहातन कोई कदम नही उठाए जिससे संक्रामक बीमारियों ने अपने पैर पूरी तरह पसार दिये है जिससे गांव में पिंटू सेंगर, स्तुघन सिंह, अमित सिंह, रॉकेश, जगवीर सिंह, कन्हैया, संतोष, रामचरण रवि सिंह, गुरुदीन समेत करीब तीन दर्जन लोग विचित बुखार से पीड़ित हैं और कस्बे के अस्पताल में इलाज उचित न मिलने के कारण झोलाछाप डाक्टरो के यहाँ इलाज कराने को मजबूर है जब ग्रामीणों द्वारा उच्च अधिकारियों सूचना दी गई तब पंचायत सचिव अरमेन्द्र व ग्राम प्रधान सीमा सिंह ने तत्काल गोबर के ढेरों को हटवाने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित किया।सचिव अमरेंद्र ने बताया कि इस अतिक्रमण की गई जगह पर पार्क का निर्माण कराया जाएगा।

पिकअप की चपेट में आने से व्यापारी की मौत

सुलतानपुर (एजेंसी)। जिले में सोमवार की सुबह करीब छह बजे दुकान के सामने हैंडपंप पर कड़ाही धो रहे युवा व्यापारी को अनियंत्रित पिकप ने रौंद कर बिजली के पोल से टकरा गई। पिकप की चपेट में आने से घटनास्थल पर ही युवक की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद चालक सहित सवार भाग निकले। जानकारी के मुताबिक तवक्कलपुर नगरा निवासी व्यापारी रमेश मोदनवाल (35) पुत्र स्वर्गीय बांके लाल हलवाई दुकान के सामने लगे नल पर कड़ाही धो रहा था। शाहगंज की तरफ से मछली लाद कर आ रही तेज रफ्तार पिकप अपना नियंत्रण खो दिया और दुकान का टीन शेड, हैंडपंप तोड़ते हुए युवक को अपनी चपेट में लेकर दस मीटर तक घसीटते हुए बिजली के पोल से टकरा कर रुकी। और मछलियां सड़क पर गिर कर बिखर गई। युवक की मौके पर ही मौत हो गयी।

श्रीनगर में तैनात सैनिक की सड़क दुर्घटना में मौत

सुलतानपुर (एजेंसी)। छुट्टी पर सुलतानपुर घर आए श्रीनगर में तैनात सेना के जवान की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई। पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार सैनिक सम्मान के साथ सोमवार को किया गया। फैजाबाद से आए डोंगरा रेजीमेंट के अधिकारियों ने सलामी देकर अंतिम विदाई दी। धम्मौर थाना क्षेत्र के कोदई का पुरवा बिकना निवासी हरकेश यादव (25) लगभग छह वर्ष पहले सेना में गये थे। वर्तमान में उनकी पोस्टिंग श्रीनगर में थी। कुछ दिन पहले ही छुट्टी पर आए थे। दोस्त से मिलने के लिए रविवार को बीकापुर गए थे। लौटते समय उनकी मोटरसाइकिल में तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। जब तक लोग अस्पताल जाएं, उनकी मौत हो गई।

'पब्लिक एड्रेस सिस्टम' 15 अक्टूबर तक शुरू करने के निर्देश

लखनऊ (एजेंसी)। कोविड–19 से बचाव के लिए प्रदेश के सभी जिलों के प्रमुख चैराहों, भीड़–भाड़ वाले स्थानों एवं ऐसे सरकारी भवनों जहां जनता का आवागमन अधिक होता है उन पर ''पब्लिक एड्रेस सिस्टम'' लगाये जाने के प्रयासों में और अधिक तेजी लाने के निर्देश

वीडीओ ने फांसी लगा की खुदकुषी

बहराइच (एजेंसी)। जिले में शहर के सिविल लाइन इलाके में सोमवार सुबह एक ग्राम पंचायत विकास अधिकारी का शव उनके कमरे में नायलोन की रस्सी के फंदे से पंखे से लटकता मिला। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस को तहकीकात में जानकारी हुई कि वह अवसादग्रस्त थे। उनका इलाज लखनऊ में चल रहा था। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के मुताबिक देहात कोतवाली के सिविल लाइन निवासी मनीष प्रताप सिंह (53) पुत्र केपी सिंह का शव सोमवार सुबह उनके कमरे में छत के पंखे से नायलोन की रस्सी से लटकता पाया गया। मृतक के पिता रिटायर जज केपी सिंह ने पुलिस को बताया कि कुछ विभागीय समस्याओं के कारण वह लम्बे समय से मानसिक रूप से परेशान थे। जिससे अवसाद ग्रस्त रहने लगे थे। इस पर इन्हें कार्यालय से संबद्ध करा दिया गया था। उनका इलाज लखनऊ स्थित एक चिकित्सक के यहां कराया जा रहा था। मनीष रात 10 बजे तक वह बिल्कुल सामान्य थे। पिता से बातचीत करने के बाद वह सोने के लिए चले गए थे।

सुबह छह बजे तक जब वह नहीं जागे तो परिजन उनके कमरे में पहुंचे तो उन्होंने उसे फांसी पर लटके देखा। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

मंदिर परिसर में पुजारी की पत्नी की हत्या, लूट की आषंका

लखनऊ (एजेंसी)। राजधानी के ग्रामीण इलाके बंथरा के बेती गांव में नागेश्वरनाथ मंदिर परिसर

में बने कमरे में पुजारी की पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी गयी। परिजनों का कहना है कि लूट का विरोध करने पर बदमाषों ने उनकी हत्या की है। मौके पर दान पात्र का ताला टूटा था और उसमें रखे रुपये गायब मिले।

जानकारी के मुताबिक बेती गांव में नागेष्वर नाथ मंदिर से सटे परिसर में पुजारी दीप नारायण अपने परिवार के साथ रहते हैं। मंदिर परिसर में भी दो कमरे बने हुए हैं। दीपनारायण ने दो शादी की है। दोनों पत्नियां दीपिका व कुसुमा भी साथ ही रहती हैं। रविवार रात को दीपिका मंदिर परिसर में बने कमरे में सोने चली गई जबकि बाकी लोग बाहर सोए। दीपिका (50) रोज सुबह चार बजे मंदिर की सफाई करती थी, फिर सात बजे तक आरती की तैयारी कर देती थी। सोमवार सुबह जब वह सात बजे तक दिखी तो पुजारी कमरे में पहुंचे। अंदर दीपिका मृत पड़ी थी। शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं थे। सारा सामान बिखरा था। घटना की सूचना फैलते ही गांव वालों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पुलिस के आलाधिकारी भी मौके पर पहुंचे। पुजारी ने कहा कि तीन दान पात्र मंदिर में थे। जिनके ताले टूटे थे और रुपये गायब थे। कमरे से चांदी के जेवर गायब मिले हैं। एडीसीपी ने फोरेंसिक टीम को बुलवाया। इस टीम ने दो घंटे तक जांच की। मंदिर परिसर की एक दीवार में सेंध लगाकर बदमाश अंदर घुसे थे।

फिलहाल पुलिस लूट से इनकार कर रही है।

लखनऊ, कानपुर और मेरठ में कोरोना से बचाव के लिए बनायें विशेष रणनीति-योगी

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ, कानपुर नगर और मेरठ में कोविड–19 के संबंध में विशेष रणनीति बनाकर कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जांच और सर्विलांस जितना अधिक मजबूत होगा कोरोना के प्रसार को रोकने में उतनी अधिक सफलता मिलेगी। उन्होंने मुख्य सचिव को निर्देश दिए कि माइक्रो कंटेनमेंट जोन, जांच और सर्विलांस के संबंध में लगतार फीडबैक लेकर उचित कार्यवाही करें।

मुख्यमंत्री सोमवार को यहां अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा बैठक में कहा कि यूपी में कोरोना संक्रमण की दर को नियंत्रित करने में सफलता मिली है।

पिछले एक सप्ताह में सक्रिय कोरोना के केस की संख्या में काफी कमी आई है, यह एक अच्छा संकेत है। यह दर्शाता है कि राज्य सरकार की कोविड–19 के प्रति अपनाई गई रणनीति कारगर रही है। जब तक कोरोना की कोई वैक्सीन नहीं आ जाती है, तब तक सतर्कता व बचाव ही एक मात्र उपाय है। कोविड–19 नियंत्रण संबंधी काम सक्रियता के साथ लगातार जारी रखा जाए।

उन्होंने कहा कि आगामी त्योहारों के दृष्टिगत कोविड–19 के संबंध में पूरी सतर्कता व बचाव के उपाय अपनाते हुए काम किए जाएं।

महत्वपूर्ण चैराहों व स्थानों पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम से को. विड–19 के संबंध में जागरूकता का काम प्रभावी ढंग से किया जाए। निगरानी समितियों को कार्यशील रखा जाए।

युवती से फोन कराकर उसके प्रेमी को घर बुला परिजनों ने हत्या

बलिया (एजेंसी)। जिले में रविवार देर रात युवती के घरवालों ने उसके प्रेमी को घर बुलाकर पीट–पीटकर उसकी हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के पिता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है।

कोतवाली रसड़ा में दी गई तहरीर के अनुसार गोपालपुर गांव निवासी प्रमोद कुमार उर्फ दीना के पुत्र राकेश कुमार (22) को उसकी प्रेमिका का फोन आया। उसने राकेश को अपने घर बुलाया। प्रेमिका ने ये फोन परिजनों के दबाव में किया था। राकेश जब प्रेमिका के घर पहुंचा तो उसके परिजनों ने घेरकर लाठी व डंडों से पिटाई शुरू कर दी।

उसे जमकर पीटने के बाद उन लोगों ने राकेश के परिवार वालों को इसकी जानकारी दी। परिजन जब तक उनके घर पहुंचते, तब तक राकेश दम तोड़ चुका था। बताया जा रहा है कि राकेश का अपने गांव में पड़ोस की लड़की से प्रेम हो गया था। जिसके बाद दोनों 28 अगस्त को घर से चले गए थे। पुलिस के दबाव पर दोनों फिर से वापस आ गए।

इसके बाद दोनों पक्ष ने आपस में सुलह समझौता कर लिया। लेकिन प्रेमिका के परिजनों का गुस्सा ठंडा नहीं हुआ था और वे मौके की तलाष में थे।

योजना के तहत उन लोगों ने रविवार देर रात प्रेमिका से प्रेमी को फोन कराकर घर बुलाया। इसके बाद लाठी डंडे से पीट–पीटकर उसकी हत्या कर दी।

नाबालिग छात्रा से बलात्कार का आरोपी सीआरपीएफ जवान गिरफ्तार

बांदा (एजेंसी)। जिले की अतर्रा थाना पुलिस ने एक नाबालिग छात्रा से कथित रूप से बलात्कार करने के आरोप में सीआरपीएफ के एक जवान को गिरफ्तार किया है।

अतर्रा थाने के वरिष्ठ उपनिरीक्षक (एसएसआई) अनीस सिंह ने सोमवार को बताया कि रविवार दोपहर सीआरपीएफ जवान बृजेश कुशवाहा (39) को कस्बा स्थित तथागत विद्यालय के पास उसके घर से गिरफ्तार किया गया। जवान के खिलाफ चित्रकूट जिले की 17 वर्षीय एक छात्रा ने 12 जुलाई को मारपीट व बलात्कार का मामला दर्ज करवाया था। छात्रा ने अपनी शिकायत में कहा था कि 5 जून को वह कुशवाहा के घर किराए के कमरे की तलाश करने गई थी तब, उसने कथित रूप से उसके साथ मारपीट की और बलात्कार किया। पुलिस के मुताबिक जवान के झारखंड में तैनात होने की वजह से उसकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी थी।

छात्र–छात्राओं की कक्षाओं को डिजिटली.कर स्मार्ट बनाएं:सीडीओ

अलीगढ़ (एजेंसी)। प्राचीन काल से ही नगर एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, नगरसेठ, साहूकारों, धन्नासेठों द्वारा अपने जीवनकाल में पुण्य कमाने के उद्देश्य से धर्मशाला, स्कूल, कुएं, प्याऊ, सराय आदि की स्थापना कराई जाती रही है। पुण्य फल के रूप में उन्हें इसका कितना लाभ प्राप्त हुआ शायद इसकी जानकारी तो किसी को नहीं, परन्तु इस प्रकार के कार्यों का लाभ जरूरतमंदों को प्राप्त हुआ और उन्होंने इन दानदाताओं को भरपूर आशीर्वचन व दुआएं अवश्य दीं। ठीक इसी तर्ज पर जनपद के परिषदीय विद्यालयों की कक्षाओं को सामुदायिक सहभागिता से स्मार्ट क्लास के रूप में विकसित किया जाएगा। जिसके अनुसार कोई भी राजकीय एवं निजी कम्पनी, संभ्रांत नागरिक, व्यवसायी, उद्यमी एवं स्वयंसेवी संगठन के द्व ारा दान स्वरूप अथवा बैत् मद से, किसी भी निजी व्यक्ति द्वारा दिए गए दान के माध्यम से या किसी भी संस्था, संगठन, समिति, ट्रस्ट, फर्म, व्यापारिक संगठन, औद्योगिक संगठन, गैर सरकारी या स्वयंसेवी संस्था के द्वारा इन विद्यालयों को मात्र 30 से 50 हजार की लागत से स्मार्ट टी0वी0, कम्प्यूटर प्रोजेक्टर उपलब्ध कराया जा सकता है।

उक्त जानकारी मुख्य विकास अधिकारी अनुनय झा ने देते हुए बताया कि जनपद के परिषदीय विद्यालयों की कक्षाओं को सामुदायिक सहभागिता से स्मार्ट क्लास के रूप में विकसित करने के लिये शासन द्वारा व्यवस्था दी गयी है। उन्होंने बताया कि क्लास रूम के डिजिटलीकरण से दीक्षा पोर्टल एवं अन्य राष्ट्रीय पोर्टल जैसे ई–पाठशाला एवं ई–बस्ता पर उपलब्ध निशुल्क एवं ज्ञानवध्र्क डिजिटल सामग्री का समुचित उपयोग सम्भव हो सकेगा।

इसके अलावा दिव्यांग छात्रों, शिक्षकों के प्रशिक्षण एवं डिजिटल टीचिंग जैसे गूगल फॉर एजुकेशन के G & suite के माध्यम से आउट ऑफ स्कूल बच्चों की स्पेशल ट्रेनिंग की जा सकेगी। इसके लिए आवश्यक है कि संभ्रांत जनसमुदाय से उचित सहयोग प्राप्त करते हुए ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, जनपद स्तर पर एनजीओ, निजी कंपनियों एवं जनप्रतिनिधियों का सहयोग प्राप्त करते हुए परिषदीय विद्यालयों को स्मार्ट क्लास में परिवर्तित किया जाएगा।

सीडीओ ने बताया कि स्म. र्ट टी0वी0, कम्प्यूटर प्रोजैक्टर उपलब्ध कराने वाले का नाम, संस्था का उल्लेख अलग शिला पट्टिका पर ष्सौजन्य से ष् के साथ कक्षा–कक्ष के बाहर एवं विद्यालय परिसर के अन्दर किया जा सकेगा।

उन्होंने आव्हान किया कि जनपद के संभ्रांत नागरिक परिषदीय विद्यालयों के छात्र–छात्राओं की कक्षाओं को डिजिटलि.त कर उन्हें स्मार्ट स्कूल बनाने के इस पुनीत कार्य के लिये आगे आएं और इन छात्रों के स्वर्णिम भविष्य हेतु अपना बहुमूल्य सहयोग दें। इच्छुक व्यक्ति एवं संस्था किसी भी कार्यदिवस में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय अथवा उनके मोबाइल नम्बर 9453004083 पर सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत के वार्ड नं 11 में भाजपा के व्हाट्सएप ग्रुप में अश्शील वीडियो से महिलाएं शर्मजनक स्थिति में

विधवा युवती से जबरन बनाया शारीरिक संबंध,

11 महीने बाद रिपोर्ट दर्ज

अमरेली जिले के चलाला में विधवा युवती को शादी झांसा देकर एक युवक ने उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाएं। 11 महीने पुराने इस मामले में शिकायत मिलने पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की हैं। जानकारी के मुताबिक अमरेली जिले के चलाला निवासी युवती की सावरकुंडला में रहनेवाले युवक के साथ शादी हुई थीं। वैवाहिक जीवन में उसके एक पुत्र भी हुआं। तीन साल पहले एक दुर्घटना में युवती के पति की मौत हो गई और उसके बाद वह अपने मायके चलाला रहने आ गईं।

इस दौरान विधवा युवती का चलाला के दानेव सोसायटी में रहने वाले राहुल मनसुख खेतरिया नामक 23 वर्षीय युवक से संपर्क हुआ और दोनों ने अपने मोबाइल नंबर का आदान प्रदान कियां। जिसके बाद दोनों के बीच नियमित बातचीत होने लगीं। राहुल युवती से शारीरिक संबंध बनाने की मांग करता, लेकिन युवती इंकार कर देतीद्य 11 महीने पहले युवती के माता–पिता बाहर गए थे और उसके भाई समेत अन्य परिजन भी घर पर नहीं थें। उस वक्त राहुल अचानक युवती के घर में घुस आया और उससे शारीरिक संबंध बनाने की मांग कीं। राहुल

ने युवती से शादी करने का वादा कियाद्य इसके बावजूद युवती ने इंकार कर दियां।

युवती के इंकार के बाद राहुल ने उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाएद्य उस वक्त युवती का भाई और दो चाचा वहां पहुंचने पर राहुल भाग गयां।

उस घटना के बाद राहुल ने युवती से शादी करने का खयाल दिल से निकाल दियां। जिससे 11 महीने के बाद युवती के परिजनों ने राहुल खेतरिया के खिलाफ चलाला पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दीं। जिसके आधार पर चलाला पुलिस ने मामले की जांच शुरू की हैं।

वायरिंग करते वक्त बिजली का करंट लगने से युवक की मौत

सूरत शहर के पांडेसरा क्षेत्र में एक युवक की बिजली का करंट लगने से मौत हो गईं।

यह घटना रविवार रात उस समय हुई जब युवक पानी की इलेक्ट्रिक मोटर का वायरिंग कर रहा थां।

जानकारी के मुताबिक बिहार का मूल निवासी 32 वर्षीय दिलीप किशन शर्मा 3 सितंबर को रोजगार की तलाश में सूरत आया थां।

छोटा मोटा काम मिलने के बाद चार दिन पहले ही दिलीप शर्मा सूरत के पांडेसरा क्षेत्र के कैलाशनगर में किराए पर कमरा लिया थां।

रविवार की रात काम से लौटने के बाद दिलीप पानी भरने के लिए दिलीप इलेक्ट्रिक मोटर की वायरिंग कर रहा थां।

उस वक्त दिलीप को अचानक करंट लगने पर आसपास के लोग उसे तुरंत सूरत सिविल अस्पताल ले गएद्य जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दियां। घटनास्थल पर पहुंची पांडेसरा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है ।

चार महीने में गुजरात में कोरोना की रफ्तार आठ गुना बढ़ी

गुजरात में कोरोना का पहला केस 19 मार्च को सामने आया और उसके बाद इसका आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा हैं।

कोरोना संक्रमण फैलने से रोकने के लिए लॉकडाउन किया गया था और उस दौरान कोरोना काबू में थां। लेकिन अनलॉक में इसका कहर लगातार बढ़ रहा हैं। पिछले चार महीने में कोरोना की रफ्तार आठ गुना बढ़ी हैद्य 31 मई तक राज्य में कोरोना के कुल 16794 केस थे और 1038 मरीजों की मौत हुई थीं।

जबकि 27 सितंबर तक कोरोना के आंकड़े में करीब 8 गुना वृद्धि हुई हैं। केवल चार महीने में कोरोना का आंकड़ा 133219 पर पहुंच गया हैं। जबकि कोरोना से मरने वालों की संख्या भी 3419 पर पहुंच गई हैं। 31 मई को 24 घंटे में 428 केस दर्ज हुए थे, जबकि बीते दिन 1411 कोरोना पॉजिटिव केस सामने आएं। जून महीने में कोरोना के कुल 15849, जुलाई में 28795, अगस्त में 34994 और 27 सितंबर तक 36784 केस दर्ज हो चुके हैं और 30 सितंबर तक यह आंकड़ा 40000 को पार सकता हैं। 1 जून से 27 सितंबर के दौरान 119 दिनों में राज्य में 116425 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए यानी 87.5 प्रतिशत केस पिछले 119 दिनों में सामने आ चुके हैं। लॉकडाउन के दौरान राज्य में रोजाना औसत 254 केस दर्ज होते थे जो अनलॉक में बढ़कर 978 केसों तक पहुंच गया हैं। जो दर्शाता है कि राज्य में सोशल डिस्टेंसिंग मेंटेन नहीं करना और मास्क नहीं की लापरवाही के कारण अनलॉक में कोरोना का कहर बढ़ता जा रहा हैं।

भाजपा नेता की मौत के मामले की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर झालोद बंद

दाहोद की झालोद नगर पालिका के भाजपा पार्षद हिरेन पटेल की बीते दिन सुबह अज्ञात वाहन की चपेट में आकर मौत हो गई थीं।

मृतक के पुत्र का आरोप है कि उनके पिता की राजनीतिक रंजिश में हत्या की गई हैं।

हिरेन पटेल की मौत के मामले की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर आज झालोद बंद हैं। दरअसल झालोद नगर पालिका के भाजपा पार्षद और पूर्व उप प्रमुख हिरेन पटेल बीते मुवाडानाका स्थित अपने निवास से दिन सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले थें। कुछ समय बाद बाद में किसी परिचित व्यक्ति ने हिरेन पटेल को झाडियों में घायलावस्था में देख तुरंत उनके परिजनों का जानकारी दी।

हिरेन पटेल का झालोद के सुंदरम अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद वडोदरा ले जाया जा रहा था। लेकिन वडोदरा के अस्पताल पहुंचने से पहले हिरेन पटेल की रास्ते में मौत हो गई थी। मृतक हिरेन पटेल के पुत्र पंथ का आरोप है कि उनके पिता की मौत दुर्घटना नहीं बल्कि मारा गया है। पंथ के मुताबिक राजनीतिक रंजिश में उनके पिता की हत्या की गई हैं। हिरेश पटेल की मौत के मामले की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर आज झालोद बंद हैं।

गांधीनगर में कृषि कानून के खिलाफ न्यायकूच से पहले कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता हिरासत में

मोदी सरकार की कृषि कानून बनाकर हरित क्रांति को खत्म करने की साजिश : अमित चावड़ा

कृषि कानून लाकर मोदी सरकार किसान, खेती और हिन्दुस्तान को बर्बाद कर रही हैः परेश धानाणी

अहमदाबाद किसानों के समर्थन और केन्द्र सरकार के कृषि कानून के विरोध में कांग्रेस ने आज देशभर में धरना प्रदर्शन किया। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमित चावडा और नेता प्रतिपक्ष परेश धानाणी के नेतृत्व में विधानसभा से राजभवन तक न्यायकूच का आयोजन किया गया था। जिसमें अमित चावड़ा, परेश धानाणी, कांग्रेस विधायक और बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एकत्र हुए थे। कांग्रेस की न्यायकूच प्रारंभ होती उससे पहले पुलिस ने नेता और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। गुजरात कांग्रेस प्रमुख अमित चावड़ा ने कहा कि एयरपोर्ट और पोर्ट की भांति मोदी सरकार अब कृषि को पूंजीपतियों के हवाले करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। केन्द्र सरकार का कृषि कानून देश का काला कानून है और इससे किसान और खेती दोनों बर्बाद हो जाएगी, इसलिए कांग्रेस का इसका विरोध कर रही है। उन्होंने कहा कि आज देश के किसान और मजदूर सड़कों पर हैं और आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे हैं। इसके बावजूद सत्ता के मद में चूर मोदी सरकार खेती और रोजीरोटी छीनकर मुट्ठीभर पूंजीपतियों को सौंप रही है। 2014 के चुनाव में किसानों की आय दोगुनी करने का वादा करने वाली मोदी सरकार के 6 साल के शासन में किसानों की आय आधी हो गई है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के नाम पर कंपनियों को लूटने का लाइसंस दे दिया गया है। केन्द्र में मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद भूमि अधिग्रहण सुधार विधेयक आया। जीएसटी विधेयक के कारण व्यापार–धंधा और व्यापारियों की हालत बदतर हो गई है। केन्द्र की मोदी सरकार संसद में पेश विधेयक के बजाए गुमराह करनेवाली बात कर रही है। नए कृषि कानून में एमएसपी का उल्लेख ही नहीं है। मोदी सरकार किसानों को गुमराह कर रही है।

रेमडेसिवीर इंजेक्शन के कालाबाजारी के आरोप में महिला समेत 5 गिरफ्तार

राजकोट पुलिस ने जीवन रक्षक इंजेक्शन के काले कारोबार का पर्दाफाश कर एक महिला समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लियां। गिरफ्तार शख्सों में से एक राजकोट सिविल अस्पताल के देहाडी कर्मचारी होने का खुलासा हुआ हैं। राजकोट में रेमडेसिवीर इंजेक्शन की कालाबाजारी की कई शिकायतें सामने आई थीं। इस बीच राजकोट क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि कोरोना महामारी के बीच कुछ लोग रेमडेसिवीर इंजेक्शन की कालाबाजारी कर रहे हैं।

जिसके आधार पर पुलिस ने एक डमी ग्राहक को देवयानी चावड़ा नामक महिला के पास भेजाद्य डमी ग्राहक ने देवयानी से दो रेमडेसिवीर इंजेक्शन की

जरूरत बताईं।

देवयानी ने कहा कि एक इंजेक्शन की कीमत रु. 10000 और दो के लिए रु. 20000 लगेंगें। सौदा तय होने पर देवयानी ने इंजेक्शन मंगवाएं।

विशाल गोहिल नामक एक युवक इंजेक्शन लेकर आयां। विशाल से पूछताछ करने पर उसने बताया कि वह इंजेक्शन जलाराम अस्पताल के राहत मेडिकल स्टोर में नौकरी करने वाले अंकित राठौड और जगदीश सेठ से रु. 15000 में खरीदे हैं। जगदीश सेठ ये इंजेक्शन हिम्मत चौहाण नामक शख्स से खरीदे होने का खुलासा हुआं। हिम्मत चौहाण राजकोट सिविल अस्पताल के नर्सिंग विभाग में देहाडी कर्मचारी है और पिछले 10 महीने से नौकरी कर रहा हैद्य हिम्मत चौहाण बगैर किसी प्रिस्क्रिप्शन या ब्यौरा के इंजेक्शन उपलब्ध कराता थाद्य पुलिस ने देवयानी समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर आरोपियों से पूछताछ शुरू की हैं।

अहमदाबाद, ओखा व गांधीधाम से खुर्दा रोड तथा अहमदाबाद से भुबनेश्वर जाने वाली स्पेशल ट्रेनें अब पुरी स्टेशन तक जाएंगी

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग व उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए ट्रेन सं 02844/02843 अहमदाबाद –खुर्दा रोड–अहमदाबाद, ट्रेन सं 08406/08405 अहमदाबाद–भुबनेश्वर–अहमदाबाद, 08402/08401 ओखा–खुर्दा रोड–ओखा और ट्रेन सं 02973/02974 गांधीधाम–खुर्दा रोड–गांधीधाम स्पेशल ट्रेनें अब पुरी स्टेशन तक चलायी जाएंगीद्य 1) ट्रेन सं 02844 अहमदाबाद–खुर्दा रोड सुपर फास्ट स्पेशल 01 अक्टूबर, 2020 से अहमदाबाद से शाम 18.40 बजे रवाना होकर तीसरे दिन सुबह 08.55 बजे पुरी पहुंचेगी।

वापसी में ट्रेन सं 02843 खुर्दा रोड–अहमदाबाद स्पेशल 01 अक्टूबर, 2020 से पुरी से शाम 17.30 बजे रवाना होकर तीसरे दिन सुबह 07.25 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी।

2) ट्रेन सं 08406 अहमदाबाद–भुबनेश्वर स्पेशल 02 अक्टूबर, 2020 से अहमदाबाद से शाम 18.40 बजे रवाना होकर तीसरे दिन सुबह 08.10 बजे पुरी पहुंचेगी।

वापसी में ट्रेन सं 08405 भुबनेश्वर–अहमदाबाद स्पेशल 30 सितम्बर, 2020 से पुरी से शाम 18.20 बजे रवाना होकर तीसरे दिन सुबह 07.25 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। इन दोनों ट्रेनों को पूर्व घोषित स्टोपेज के अलावा खुर्दा रोड स्टेशन पर भी ठहराव दिया गया है। 3) ट्रेन सं 08402 ओखा–खुर्दा रोड स्पेशल 07 अक्टूबर, 2020 से ओखा से सुबह 08.30 बजे रवाना होकर तीसरे दिन सुबह 10.20 बजे पुरी पहुंचेगी।

वापसी में ट्रेन सं 08401 खुर्दा रोड–ओखा स्पेशल 04 अक्टूबर, 2020 से पुरी से सुबह 09.25 बजे रवाना होकर तीसरे दिन दोपहर में 13.50 बजे ओखा पहुंचेगी। 4) ट्रेन सं 02973 गांधीधाम–खुर्दा रोड सुपर फास्ट स्पेशल 30 सितम्बर, 2020 से गांधीधाम से रात 23.00 बजे रवाना होकर पुरी तीसरे दिन शाम 19.00 बजे पहुंचेगी।

वापसी में ट्रेन सं 02874 खुर्दा रोड–गांधीधाम सुपर फास्ट स्पेशल 03 अक्टूबर, 2020 से पुरी से सुबह 10.30 बजे रवाना होकर तीसरे दिन सुबह 06.40 बजे गांधीधाम पहुंचेगी।

स्वच्छता पखवाड़े के तहत अहमदाबाद मण्डल पर 'नो प्लास्टिक डे' का आयोजन

अहमदाबाद वर्तमान में पश्चिम रेलवे पर मनाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़े के दौरान अहमदाबाद मण्डल पर ष्नो प्लास्टिक डेष का आयोजन किया गया। इसका मुख्य ध्येय सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल को हतोत्साहित करना तथा उसे नियंत्रित करना है। मण्डल रेल प्रबंधक श्री दीपक कुमार झा ने बताया कि रेलवे स्टेशनों व परिसरों तथा रेलवे कॉलोनियों में सिंगल यूज प्लास्टिक के खतरों से यात्रियों व रेलवे कॉलोनी निवासियों को जागरूक किया जा रहा है।

इस दौरान प्लेटफार्म के स्टॉल वेंडर्स व कैंटीन संचालकों को भी सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने की सलाह दी गई है। रेलवे प्रशासन द्वारा रेलवे कालोनियों में निवासरत अधिकारियों, कर्मचारियों व उनके परिजनों को प्लास्टिक का इस्तेमाल कम करने तथा उनकी जगह रियुजेबल बैग इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। प्लास्टिक कचरे के निपटान के लिए गीले व सूखे कचरे के साथ प्लास्टिक वेस्ट के लिए भी अलग अलग डस्टबिन लगाए गये। अहमदाबाद स्टेशन पर यात्रियों से अनाउसमेंट के माध्यम से प्लास्टिक बोतलों के डिस्पोजल के लिए क्रेशर मशीन का यूज करने की अपील की जा रही है। उल्लेखनीय हैं।कि मण्डल पर अब तक 3 टन प्लास्टिक वेस्ट,8 टन ड्राई वेस्ट तथा 13 टन गीला कचरा एकत्रित किया जा चुका है।

वरिष्ठ मंडल पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था प्रबंधक श्री फ्रेड. रिक पेरियत ने बताया कि इस अवसर पर विभाग द्वारा प्लास्टिक मैनेजमेंट पर सेमिनार का वर्चुअल आयोजन किया गयां। जिसमें बिसलरी इंटरनेशनल की सीनियर एक्सिक्यूटिव सुश्री श्रेया सुधीर ने प्लास्टिक इस्तेमाल से बढ़ते प्लास्टिक वेस्ट के खतरों के बारे में अवगत कराया तथा इसके सही एवं उचित तरीके से निपटारा करने के बारे में अपने विचार व्यक्त किये।

गुजरात में कोरोना के 16716 एक्टिव केस, 114476 ठीक हुए, 3431 की मौत

24 घंटों में 1404 नए केस्, 1336 लोग डिस्चार्ज और 12 मरीजों ने गंवाई जान

गुजरात में कोरोना के अब तक कुल 134623 केस दर्ज हो चुके हैं और उसमें से 114476 लोग ठीक हो चुके हैं। जबकि 3431 लोगों को कोरोना निगल गया। राज्य में फिलहाल 16716 एक्टिव केस हैं, जिसमें 16625 मरीजों की हालत स्थिर है और 91 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। आज 61316 समेत राज्यभर में अब तक कुल 4293724 लोगों का टेस्ट किया गया। जिसमें 114476 लोग अब तक कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं। राज्य में स्वस्थ होने का दर 85.03 पर पहुंच गया है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक बीते 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 180, सूरत कॉर्पोरेशन में 176, सूरत में 126, राजकोट कॉर्पोरेशन में 106, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 102, जामनगर कॉर्पोरेशन में 73, मेहसाणा में 43, राजकोट में 42, वडोदरा में 39, कच्छ में 37, बनासकांठा में 35, अहमदाबाद में 30, भरुच में 29, सुरेन्द्रनगर में 29, अमरेली में 27, महीसागर में 27, पाटन में 26, गांधीनगर में 22, जामनगर में 22, पंचमहल में 22, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 18, मोरबी में 18, जूनागढ़ में 17, भावनगर में 16, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 16, भावनगर कॉर्पोरेशन में 14, आणंद में 13, दाहोद में 13, गिर सोमनाथ में 13, साबरकांठा में 12, खेडा में 11, नर्मदा में 10, नवसारी में 9, तापी में 8, बोटाद में 7, देवभूमि द्वारका में 6, अरवल्ली में 5, पोरबंदर में 3 और वलसाड में 2 समेत राज्यभर में कुल 1402 नए केस दर्ज हुए। जबकि 12 मरीजों की मौत हो गई। जिसमें अहमदाबाद कॉर्पोरेशन और सूरत में 3–3, राजकोट और सूरत कॉर्पोरेशन में 2–2, भरुच और वडोदरा कॉर्पोरेशन में 1–1 समेत 12 मरीज शामिल हैं। राज्य के विभिन्न जिलों में आज की तारीख में 598673 लोगों को कोरन्टाइन किया गया है। जिसमें 598166 होम कोरन्टाइन और 507 लोगों को फैसिलिटी कोरन्टाइन में रखा गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यह सच है कि खूबसूरती ईश्वर की देन है, पर उसे उभारना भी है एक कला। किस तरह का मेकअप आपको सूट करेगा, इसके लिए जरूरी है चेहरे के आकार को समझना

अब मिनटों में करें मेकअप

फाउंडेशन आपकी स्किन टोन से एकदम मेल खाता हुआ होना चाहिए। अधिक गहरा या अधिक हलका आपके कॉम्प्लेक्शन को खराब कर सकता है। साथ ही अच्छी तरह ब्लेंड होना भी जरूरी है। चेहरे पर ग्लो लाने के लिए फाउंडेशन लगाने से पहले शिमर मॉयस्चराइजर लगाएं। या फिर थोड़ा सा शिमर पाउडर मॉयस्चराइजर में मिलाकर चेहरे पर लगाएं। फिर फाउंडेशन लगाएं।

कंसीलर- पर्याप्त नींद न ले पाने, धूम्रपान अधिक करने और एनीमिक होने के कारण आंखों के आसपास काले घरे हो जाते हैं। इन्हें छिपाने के लिए कंसीलर का प्रयोग करें। यह चेहरे के किसी भी दोष को छिपाने में मदद करता है। अपनी अंगुली के पोर पर हलका सा कंसीलर लेकर चेहरे पर लगाएं। या फिर किसी मुलायम फ्लैट ब्रश पर लें और प्रभावित स्थान पर अच्छी तरह लगाएं।

अगर आपकी त्वचा रूखी है, तो आपको लिक्विड कंसीलर इस्तेमाल करना चाहिए।

एक्ने और दाग-धब्बों को छिपाने के लिए सॉलिड कंसीलर ठीक रहता है। अगर आप लिक्विड या क्त्रीम बेस्ड फाउंडेशन प्रयोग कर रही हैं तो फाउंडेशन के बाद कंसीलर लगाएं। क्त्रीम टू पाउडर फाउंडेशन लगाने पर कंसीलर पहले लगाएं। अपनी त्वचा के रंग से हलका शेड कभी न चुनें। ऐसा करने पर आपका रंग दबा हुआ लेगगा। इस बात का ध्यान रखें कि कंसीलर बहुत ज्यादा न लगाएं। आपको चेहरे पर हलका टिंट देना देना है न कि मास्क लगाना है। कंसीलर के बाद ट्रास्लूसेंट पाउडर से डस्टिंग करना न भूलें।

ट्रिक्स - कंसीलर सा फाउंडेशन में येलो आईशैडो मिलाकर आंखों के काले घेरों को छिपाने के लिए इस्तेमाल करें। इसी तरह त्वचा की लकीरों को छिपाने के लिए अपने फाउंडेशन या कंसीलर में ब्ल्यू या ग्रीन आईशैडो मिलाएं। झाईयों को छिपाने के लिए पिंक आइशैडो कंसीलर से पहले लगाएं।

कॉम्पेक्ट पाउडर - चेहरे की जरूरत से अधिक चमक को कम करने के लिए लूज पाउडर का इस्तेमाल करें। ऐसा कॉम्पैक्ट पाउडर खरीदें, जो त्वचा से मेल खाए और उसमें समा जाए। इसे बडे ब्रश से आहिस्ता से लगाएं।

उपाय- फाउंडेशन लगाने के बाद अपने चेहरे पर एक टिश्यू पेपर रखकर हलका सा दबाएं ताकि त्वचा का अतिरिक्त तेल या पसीना हट जाए। इसके बाद पाउडर लगाएं।

आजमाएं- लोरियल आइडियल बैलेंस कॉम्पैक्ट ब्लश -यह आपके चेहरे के उभार को आकर्षक बनाने में मदद करता है। रात के मेकअप में खास तौर पर इसका प्रयोग जरूर करें। ब्लश लगाने के बाद अगर आपको मेकअप अधिक गहरा लगे तो टेंशन न लें। एक स्पॉन्ज से थपथपाकर कम कर दें।

आजमाएं- मेबलिन एक्सपर्ट वेयर ब्लश या मैक क्त्रीम ब्लश।

होंठ - लिप कलर हमेशा स्किन टोन, बाल और आखों केरंग से मेल खाना चाहिए। रात में ड्रामेटिक इफेक्ट देने के लिए गहरे लिप शेड्स का प्रयोग करें। जबकि दिन में टिंटेड या क्लियर लिप ग्लॉस इस्तेमाल करें।

उपाय- अपनी पसंद की लिपस्टिक शेड खुद बनाएं। लिपस्टिक के ऊपर स्पार्क्लिंग आईशैडो लगाएं या फिर थोडी सी वैसलीन के साथ मनपसंद आइशैडो मिलाकर एक नया शेड बनाएं। अगर आपके पास लिपस्टिक को ढंग से लगाने का समय नहीं होता तो रात में सोने से पहले होंठों पर नैचरल शेड की लिपिस्टिक लगाएं। और सुबह चेहरा साफ करके लिप ग्लॉस लगाएं। जल्दी में कभी भी लिपलाइन न बनाएं। लिपलाइन बनाने से होंठ प्रॉमिनेंट नजर आते हैं, लेकिन जल्दीबाजी में सही शेप न बन पाने से होंठों का लुक खराब लगेगा।

आजमाएं- रेवलॉन की रेड अर्थ, मेबलिन कॉपर शेड, लक्मे मेटैलिक शेड

आंखें - आंखों में काजल पेंसिल से बीच से बाहरी कोनों तक एक लाइन खींचें। आइलाइनर आप जैसा चाहें लगा सकती हैं। मेकअप में आंखों का मेकअप सबसे महत्वपूर्ण होता है। आइलाइनर पतला और स्ट्रेट लाइन में लगाएं। समय कम हो तो सिर्फ ट्रासपेरेंट मस्कारा नीचे और ऊपर दोनों आईलैश पर लगाएं। दिन में हलका आई मेकअप करें, रात में थोड़ा गहरा। रात में ब्रो बोन में शिमरिंग हाइलाइटर लगाने से आखें बेहद खूबसूरत लगती हैं। आजकल मिनिमल लुक चलन में है। इसलिए मिनटों में मेकअप करना आसान हो गया है। अगर आपने आंखों पर खास ध्यान दिया है तो होंठों के लिए ग्लिटरी लिप ग्लॉस ही काफी है। अगर होंठों पर गहरा मेकअप किया है तो आखों में हलका काजल और मस्कारा ही लगाएं।

उपाय- आंखों को खूबसूरत दिखाने के लिए आइलाइनर से पतली लाइन खींचें, फिर आईशैडो के साथ ब्लेंड कर दें। लोअर आईलैशेज पर ब्राउन या गोल्डेन आई पेंसिल से हलकी रेखा जरूर खींचें।

आजमाएं- मैक का फ्लूइड आइलाइनर, मेबलिन ट्रासपेरेंट मस्कारा या मैरी के का एक्स्ट्रा वॉल्यूमाइजिंग मस्कारा

मस्कारा - अपनी आइलैशेज के लिए परफेक्ट मस्कारा चुनें और उसे हमेशा अपने साथ रखें। चाहे आपको ग्लैमर लुक देना हो या गर्ल नेक्स्ट डोर लुक, मस्कारा हर लुक के लिए जरूरी है। अपने लिए मस्कारा चुनने से पहले कुछ बातों पर जरूर ध्यान दें -

अगर आपकी आइलैशेज बहुत छोटी हैं तो लाइटनिंग मस्कारा चुनें। अगर आइलैशेज काफी पतली और हलकी हैं तो ऐसा मस्कारा चुनें जो उन्हें वॉल्यूम दे। यानी वॉल्यूमाइजिंग मस्कारा। अगर आपकी आईलैशेज लंबी और घनी हैं तो आप किस्मत वाली हैं, लेकिन इन्हें और आकर्षक बनाने के लिए आपको कर्लिंग मस्कारा चुनना चाहिए।

उपाय- मस्कारा लगाने पर एक जगह जमा न हो जाए, इसके लिए पहला कोट पतला लगाएं। अगर फिर भी लैशेज पर मोटा-मोटा जम जाए तो आइलैशेज कोम्ब से आहिस्ता से कंघी करके लैशेज को अलग-अलग कर लें।

जब आप अपने लिए परफेक्ट मस्कारा चुन लें, फिर कलर्ड मस्कारा भी लगा सकती हैं। अपने कॉम्प्लेक्शन के मुताबिक कलर्ड मस्कारा भी आजमा सकती हैं। ब्लैक एंड ब्राउन मस्कारा हर अवसर के लिए मुफीद होता है और यह आपके परिधानों के साथ मेल भी खाता है।

आजमाएं- मेबेलिन लैश स्टाइलिश मस्कारा लोरियल पेरिस वॉल्यूम शॉकिंग मस्कारा

आप स्विमिंग की योजना बनाती हैं या खुशी के अवसर पर आपके आंसू निकल जाते हैं, आप जल्दी भावविभोर होकर रोने लगती हैं तो बेहतर होगा कि आप वॉटरप्रूफ मस्कारा लगाएं। यह तीन रंगों में आसानी से उपलब्ध है-ब्लैक, ब्राउन और ब्ल्यू।

आप चाहें तो कर्लर से आखें कर्ल भी कर सकती हैं।

टैटूज का मतलब अलग लोगों के लिये अलग होता है कुछ लोग अनूठेपन के स्टेटमेंट के लिये टैटू चुनते हैं जबकि कुछ लोगों के लिये टैटू या क्लॉन को सिम्बॉलाइज़ करता है।

कितने प्रकार के टैटू

एमेच्योर टैटूज

ये शुरूआती टैटूज हैं जो अपने नेचर में क्रूड होते हैं क्योंकि ये ऐसे व्यक्ति द्वारा बनाये जाते हैं जिसे स्पेशलाईज्ड एक्सपीरियंस नहीं होता। ये टैटूज एस्थेटिक नेचर के नहीं होते और अस्वच्छ दशाओं में डाईंग के लिये इस्तेमाल होने वाले असामान्य तत्वों द्वारा बनाये जाते हैं। इनसे इंफेक्शन का खतरा काफी अधिक होता है क्योंकि इन्हें बनाने वाले प्रोफेशनल नहीं होते।

कल्चरल या धार्मिक टैटूज

कुछ एथनिक ग्रुप्स के टैटूज का छुपा हुआ अर्थ होता है। ये किसी नेटिव ग्रुप में रैंक और एचिवमेंट्स को सिम्बलाइज करते हैं। इनको बनाने की पारंपरिक विधिया काम में लाई जाती हैं।

प्रोफेशनल टैटूज

ये टैटूज ऐसे लोगों द्वारा बनाये जाते हैं जिनको बनाने वाले प्रोफेशनल्स टैटूइंग में स्पेशलाइज्ड होते हैं। नीडिल्स वाली एक टैटू मशीन त्वचा को पंक्चर करती है और रंग को त्वचा लेयर के अंदर डालती है।

कॉस्मेटिक टैटूज

टैटूज को मेकअप के रूप में बालों की इमिटेटिंग फीचर्स को उभारने में जैसे कि लिप्स (लिप लाइनर्स) या आखें (आईब्रोज, आई लाइनर) और यहा तक कि मोल्स के लिये भी किया जाता है। त्वचा के डिस्कलरेशन को टैटू बनवाकर छिपाया जा सकता है।

मेडिकल टैटूज

ऐसा टैटू बनवाने वाले किसी इमर्जेन्सी के समय किसी खास मेडिकल कंडीशन या ब्लड ग्रुप की किस्म के संकेत के लिये इसे बनवाते हैं। ब्रेस्ट रिकास्ट्रक्शन के कुछ रूपों में टैटू का उपयोग एरोला बनाने के लिये किया जा सकता है।

ट्रॉमाटिक टैटूज

ये टैटूज जानबूझकर नहीं बनवाये जाते बल्कि किसी एक्सीडेंट के दौरान शरीर में कोई बाहरी चीज धंस जाने से बनते हैं। उदाहरण के लिये पेंसिल अनायास चुभने पर त्वचा लेयर के नीचे ग्रेफाईट रह सकती है जो काले बिंदु के रूप में दिखती है।

व्यक्तित्व में निखार लाएं मोती जैसे दांत

दांत खाना खाने के लिए तो जरूरी है ही, मोहक, प्रभावशाली व्यक्तित्व के लिए भी महत्वपूर्ण है। कुछ लोग यूं तो बहुत खूबसूरत होते हैं, लेकिन मुंह खोलते ही उनका आकर्षण खत्म हो जाता है। कुछ ऐसा ही हुआ मनाली के साथ। उसके हाथ से मॉडलिंग का अवसर सिर्फ इसलिए छूट गया, क्योंकि उसके दांत छोटे-बड़े हैं और पीले भी पड़ गए हैं। ऐसा कुछ आपके साथ न हो, इसलिए शुरू से ही दांतों की उचित देखभाल जरूरी है।

जब बच्चों के दांत उग आएं, तभी से सुबह व रात में सोते समय ब्रश की आदत डाल देनी चाहिए। खाते समय भोजन के कण दांतों के बीच फंस जाते है, जो ब्रश करने से निकल जाते है। यदि इन्हे न निकाला जाए तो ये सड़ने लगते हैं, जिससे दांतों में सड़न और कैविटी पैदा हो जाती है। इस कारण दांतों में तेज दर्द हो सकता है व असमय दांत टूट सकते है। लोग सोचते है दूध केदांत तो टूट जाते है। इतनी देखभाल क्यों करे? दूध के सभी दांत एक साथ नहीं टूटते। एक-एककर टूटते जाते हैं और उनकी जगह नए दांत आते-जाते हैं। अगर कोई पुराना सड़ा हुआ हो तो वह नए दांत को भी सड़ा सकता है।

जरूरी है दांतों की सफाई

बच्चों को टॉफियां खासतौर से पसंद होती है। ध्यान रखें कि कुछ भी मीठा खाने के बाद बच्चे कुल्ला जरूर करें। कुछ लोग समझते हैं कि टूथपेस्ट का अधिक इस्तेमाल करने से दांत ठीक से साफ होते है। ऐसा नहीं है, बल्कि अधिक टूथपेस्ट दांतों की ऊपरी सुरक्षा परत इनामेल को नुकसान पहुंचा सकता है। सामान्यतया ऐसे टूथपेस्ट का उपयोग करना चाहिए जिसमें फ्लोरीन हो। फ्लोरीन हड्डियों में पाया जाने वाला एक तत्व है। यह दांतों को मजबूत बनाता है। लेकिन ज्यादा फ्लोरीन भी दांतों को पीला और खराब कर सकता है। इस बीमारी को फ्लोरोसिस कहते है। जिस क्षेत्र के पानी में फ्लोरीन की मात्रा अधिक हो, वहां के लोगों को फ्लोरीन वाले टूथपेस्ट से बचना चाहिए।

विटामिंस का करें भरपूर उपयोग

दांतों के साथ मसूड़ों की देखभाल भी जरूरी है। ब्रश के बाद मसूड़ों की उंगलियों से हलकी - हलकी मालिश करें। कुछ बीमारियों के बाद मसूड़े ढीले पड़ जाते हैं और दांत हिलने लगते है। कभी-कभी मसूड़ों में छाले भी पड़ जाते है। ऐसे में भोजन में नमक-मिर्च आदि का उपयोग कम करे, क्योंकि उनसे जलन होती है। साथ ही ध्यान रखना चाहिए कि दांतों पर कोई आघात न पहुंचे क्योंकि उस समय ये टूट सकते है। खाने में विटमिन बी कॉम्प्लेक्स व विटामिन सी का भरपूर प्रयोग करे और डॉक्टर की सलाह का पालन करे ताकि आपके मसूड़े जल्द से जल्द स्वस्थ हो जाएं। विटामिन सी आंवला, संतरा, मौसमी, टमाटर, साग-सब्जियों में मिलता है। इसका नियमित सेवन आपको स्कर्वी और पायरिया से दूर रखेगा। पायरिया मसूड़ों की बीमारी है जो एंट अमीबा जिंजिवेलिस नाम के कीटाणु से होती है। इसमें मुंह से दुर्गंध तथा मसूड़ों से खून आने की शिकायत होती है। पायरिया होने पर डॉक्टर के परामर्श का पालन करे। दवाओं के साथ-साथ हाइड्रोजन-पर-ऑक्साइड से कुल्ला करना भी लाभदायक हो सकता है।

दूर करें कैविटी

दांत अगर सड़ जाएं और उसमें कैविटी बनने लगे तो कैविटी को भरवाया जा सकता है। इससे पहले दांत को अच्छी तरह से साफ व कीटाणुमुक्त करना पड़ता है। ताकि कैविटी भरने के बाद अंदर कोई कीटाणु न रह जाए और दांत को फिर से सड़ने से बचाया जा सके। ज्यादा सड़े या जड़ों से कमजोर दांतों को निकलवाकर उनकी जगह नकली दांत या नए दांतों का सेट लगवाया जा सकता है।

दांतों का सौंदर्य बढ़ाएं

दांत पीले पड़ गए हों या दो दांतों के बीच अधिक दूरी हो, दांत छोटे-बड़े या बाहर की ओर निकले हों तो इससे भी चेहरे के सौंदर्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। ऐसे में डेंटिस्ट से अवश्य मिलें। डेंटिस्ट की सलाह पर पीले दांतों की सफाई करवाएं। बाहर की ओर निकले या दूरी वाले दांतों पर कुछ दिनों के लिए क्लिप लगवाएं। बड़े दांतों को घिसवा सकती है। छोटे दांतों में नीचे से दांतों जैसा दिखने वाला पदार्थ जोड़कर उन्हे समान आकार का बनवाया जा सकता है।

आकर्षक मुस्कान के लिए

सौंदर्य विशेषज्ञा डॉ. ब्लॉसम कोचर के मुताबिक, आपके चेहरे की कंप्लीट स्माइल मेकओवर भी की जा सकती है। इसमें आपके चेहरे के आकार को देखकर ये आकलन किया जाता है कि इस पर कैसी मुस्कान और दांत अच्छे लगेंगे। फिर उसके अनुसार हम बेहतर मुस्कान का अभ्यास कराते है। स्माइल मेकओवर क्लासेस में हंसने के तरीके के साथ ही चेहरे के हाव-भाव के बारे में भी बताया जाता है। ताकि हंसते समय आपके चेहरे का प्रभाव दूसरे पर अच्छा हो।

चेहरे के आकार को देखकर हम यह अनुमान लगाने की कोशिश करते है कि आप पर कैसे दांत व कैसी मुस्कान अच्छी लगेगी। फिर असली दांतों का आकार बदला जाता है व जरूरत पड़ी तो नकली दांत लगा दिया जाता है। दांतों का पूरा सेटअप बदलने के साथ यह बताया जाता है कि आपके लिए किस तरह हंसना ठीक रहेगा। हालांकि यह मौके पर निर्भर करता है। यानी मनचाही मुस्कान जिसमें सब कुछ आकर्षक हो, वैसा हो, जैसा आप चाहे, हासिल की जा सकती है। एक प्यारी सी मुस्कान कई अनकही बातें कह जाती है और कई दिल जीत लेती है। आप इन बातों का ख्याल रख सकें तो चमचमाते दांत आपके व्यक्तित्व में चार चांद लगाएंगे और हर कोई कहेगा-स्माइल प्लीज।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शरन संग गहरी दोस्ती, अब उन्हें नहीं छोड़ सकती

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने अपनी गहरी और घनिष्ट दोस्ती के बारे में खुलासा किया है। जाह्नवी बताती हैं कि पूरे बॉलिवुड में अगर उनकी किसी से गहरी और घनिष्ट मित्रता है तो वह दोस्ती फिल्म गुंजन सक्सेना के डायरेक्टर शरन शर्मा के साथ है। जाह्नवी कहती हैं कि अब शरन को उनकी इस दोस्ती से छुटकारा नहीं मिल सकता, वह कभी भी उनको छोड़ने वाली नहीं हैं।

अब तक आपने 4 फिल्मों में काम कर लिया, किस डायरेक्टर के साथ आपकी सबसे अच्छी दोस्ती है?

जाह्नवी ने हमसे हुई खास बातचीत में बॉलिवुड में दोस्ती - यारी को लेकर बात करते हुए कहा, 'मेरी पहली फिल्म के निर्देशक शशांक खेतान के साथ मेरा रिश्ता फादर- डॉटर जैसा ज्यादा है। शशांक के साथ मेरा रिश्ता भी बहुत गहरा है, उन्होंने मुझे अपनी फिल्म में डायरेक्ट किया था, अगर दोस्ती किससे हैं पूछ रहे हैं तो फिल्म गुंजन सक्सेना के निर्देशक शरन शर्मा मेरे सबसे घनिष्ठ दोस्त हैं।'

इस सफर के दौरान हम बहुत करीब आ गए

'अगर 3 बजे रात में भी मैं किसी दुविधा में हूं, तो मैं शरन शर्मा को कॉल करूंगी और वह मेरी दुविधा सुलझा देंगे। उनके साथ मेरी गहरी दोस्ती है, हर रोज मेरा उनसे बात करना जरूरी हो गया है, यह जो गुंजन सक्सेना का सफर था, इस सफर के दौरान हम बहुत करीब आ गए और एक-दूसरे को बहुत समझने लगे हैं।'

हम एक-दूसरे से जुड़ गए

शरन शर्मा के साथ अपनी दोस्ती को अच्छी तरह समझाते हुए गंभीरता से जाह्नवी आगे बताती हैं, 'हमारी आपसी समझ एक व्यक्तित्व के तौर पर और क्रिएटिवली भी है। अब तो ऐसे लगता है कि हमारी फिल्म गुंजन सक्सेना हमारा एक बच्चा है, जिसे हमने साथ में पाला। एक तरह से फिल्म के जरिए हम एक-दूसरे से जुड़ गए हैं।'

क्या फिल्म इंडस्ट्री में सच्ची दोस्ती होती हैं?

इस सवाल के जवाब में जाह्नवी कहती हैं, 'मुझे नहीं पता फिल्म इंडस्ट्री में ऐसी सच्ची दोस्ती होती है या नहीं, लेकिन शरन को मैं कभी भी छोड़ने वाली नहीं हूं, (जाह्नवी जोर से हंसते हुए और हक जताते हुए कहती हैं) उनको मुझसे कभी भी छुटकारा नहीं मिलने वाला। करण जौहर और शशांक को भी मुझसे छुटकारा नहीं मिलने वाला है, जितने भी लोग मेरे करीब हैं उनको पता है कि मैंने जिसे पकड़ लिया है, उनको छोड़ूंगी कभी नहीं।' (हंसती हैं...)

शरन को कहती हूं कि उनकी हर फिल्म का हिस्सा मुझे होना है

क्या आप शशांक, शरन और करण जौहर को कहती हैं, जो भी कहानी आप लिखेंगे या कहीं से आपके पास आएगी, पहले मुझे कास्ट करना? जवाब में जाह्नवी कहती हैं, 'अरे.. नहीं-नहीं, ऐसा नहीं है, वह बहुत बड़े निर्माता हैं, फिल्म की कास्टिंग तो स्क्रिप्ट के हिसाब से होगी, कास्टिंग तो कहानी की मांग के हिसाब से आगे बढ़ेगी। शरन को तो मैं यह बोलती हूं कि उनकी हर फिल्म का हिस्सा मुझे होना है।'

रोल में फिट बैठती हूं, तब तो शरन के सर पर सवार हो जाऊंगी कि वे मुझे कास्ट करें

'शरन को तो मैं यह बोलती हूं कि उनकी हर फिल्म का हिस्सा मुझे होना है, चाहे मैं उनकी फिल्म की असिस्टेंड वाली टीम में ही क्यों न रहूं। देखिए फाइनली हर सिनारियो में सबसे महत्वपूर्ण फिल्म होती है... (समझाते हुए बताती हैं) यदि मैं फिल्म के किसी रोल में फिट नहीं बैठती हूं तो मैं फिल्म की अच्छाई को ध्यान में रखते हुए, उस फिल्म का हिस्सा नहीं बनना चाहूंगी, लेकिन रोल में फिट बैठती हूं, तब तो शरन के सर पर सवार हो जाऊंगी कि वे मुझे कास्ट करें, वरना सर पर बैठकर तांडव करूंगी... जब तक वह फिल्म मुझे मिले न।' (हंसते हुए)

इमरान हाशमी की फिल्म हरामी का ट्रेलर रिलीज, बच्चों के चोरी करने वाले अपराध पर आधारित

निर्माताओं ने इमरान हाशमी-अभिनीत फिल्म हरामी का ट्रेलर जारी किया। ट्रेलर में, हम अनाथ लड़कों के एक ग्रुप को देखते हैं को लोगों की जेब काटता है। ये लड़कों का समूह एक अपनी पूरी रिपोर्ट एक आदमी को देते हैं। उनका नेतृत्व एक अंग्रेजी बोलने वाले अपराध के भगवान द्वारा किया जाता है, जिसका किरदार इमरान हाशमी ने निभाया है। फिल्म में इमरान हाशमी का लीड रोल है।

फिल्म हरामी के ट्रेलर में दिखाया गया है एक लड़का एक ऐसे आदमी की जेब काटता है जो एक मध्यमवर्ग का आदमी है। जिसने गरीबी में कुछ पैसे अपनी बेटी की शादी के लिए बचाए थे। लड़के द्वारा पैसे चुरा लिए जाने के बाद वो आदमी आत्महत्या कर लेता है। जिस लड़के ने ये चोरी की थी उसे जब पता चलता है कि उस आदमी ने आत्महत्या कर ली तो वह चोरी करना छोड़ना चाहता है। वह लड़का उस आदमी के घर की मदद करना चाहता है। किशोर लड़का तब उस आदमी की बेटी से मिलता है जिसे उसने लूट लिया था और उसका हृदय परिवर्तन हुआ है।

हरमी का निर्देशन श्याम मदिराजू ने किया है। फिल्म बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2020 में प्रीमियर के लिए तैयार है, जो 21 अक्टूबर से 30 अक्टूबर के बीच आयोजित की जाएगी। इमरान के अलावा, फिल्म में रिजवान शेख, धनश्री पाटिल, हर्ष राजेंद्र राणे, आशुतोष गायकवाड़, माचिन्द्र गडकर, सार्थक दुसाने, मनीष मिश्रा, यश कांबले, दुर्गेश गुप्ता, आदित्य भगत, स्टार लियु, दीक्षा निशा और आदिल खान भी हैं। ।

कोरोना वायरस से जंग जीतने के बाद मलाइका अरोड़ा ने शेयर की कैस्पर के साथ ये तस्वीर

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा कोविद -19 से उबरने के बाद अपने प्रियजनों के साथ अपना ज्यादातर समय बिता रही हैं। हाल ही में, वह अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर गई और बालकनी में अपने पालतू कुत्ते कैस्पर के साथ खेलते हुए खुद की एक तस्वीर साझा की। फोटो में मलाइका को एक बॉल पकड़े हुए देखा जा सकता है। उसने कैफ्टन पहन रखा है और अपने बालों को बाँध रखा है। उन्होंने अपनी इस पोस्ट को कैप्शन दिया, 'ट्वोस कंपनी स्न सनडेज स्न काफ्तैंकोव स्न कैस्परलोव।'

इससे पहले, मलाइका को कोरोना वायरस का पता चलने के बाद, उन्होंने अपने मुंबई स्थित घर पर खुद को आइसोलेट कर लिया था। उन्होंने अपने बेटे अरहान और पालतू कैस्पर की तस्वीरें साझा की थीं। तस्वीर को साझा करते हुए उन्होंने लिखा, 'प्यार की कोई सीमा नहीं जानता'। हमारी सामाजिक गड़बड़ी और स्व-संगरोध के साथ, हम अभी भी प्रत्येक अभिभावक की जांच करने, प्रत्येक अभिभावक को देखने और बात करने का एक तरीका ढूंढते हैं। जबकि मेरा दिल कुछ दिनों के लिए अपने दो बच्चों को गले लगाने में सक्षम नहीं हो पाता है, बस उनके मीठे चेहरों को देखने से मुझे शक्ति , हिम्मत और ऊर्जा मिलती है।'

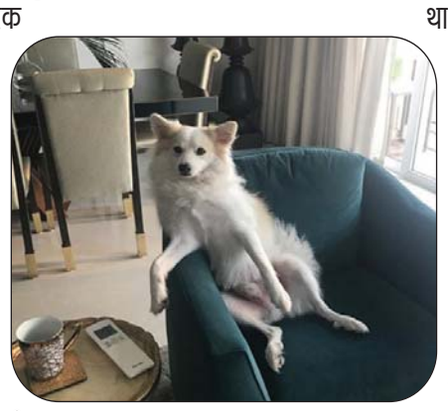

20 सितंबर को, मलाइका अरोड़ा ने फेस मास्क पहनकर खुद की एक तस्वीर साझा की थी और अपने प्रशंसकों को सूचित किया था कि उन्होंने कोरोनावायरस के लिए नकारात्मक परीक्षण किया है। उन्होंने अपनी एक तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा था 'आउट एंड अबाउट' मैं आखिरकार इतने दिनों के बाद मेरे कमरे से बाहर निकली, यह अपने आप में एक आउटिंग जैसा लगता है। मुझे लगता है कि इस वायरस को कम से कम दर्द और तकलीफ से उबारने में बहुत खुशी महसूस होती है। इस प्रक्रिया को परेशानी मुक्त बनाने के लिए, अपने परिवार को, उनके असीम समर्थन के लिए और मेरे सभी दोस्तों, पड़ोसियों और प्रशंसकों को उनकी शुभकामनाओं और मेरी शुभकामनाओं के लिए, मेरे मेडिकल मार्गदर्शन के लिए, मेरे डॉक्टरों के लिए एक बड़ा धन्यवाद। आपके संदेश और समर्थन। मैं इन कठिन समय में सभी ने मेरे लिए जो किया है उसके लिए मैं आप सभी को पर्याप्त धन्यवाद नहीं दे सकती। आप सभी कृपया सुरक्षित रहें और देखभाल करें।'

रिया चक्रवर्ती पर बायोपिक बनाना चाहते हैं फिल्म प्रोड्यूसर्स

फिल्म वाले तो ताजे विषय की तलाश में रहते हैं और जैसे ही उन्हें किसी भी घटना में फिल्म बनाने की संभावना नजर आती है मौका लपक लेते हैं।

पिछले कुछ महीनों से सुशांत सिंह राजपूत की मौत और उनकी गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती की चर्चा लगातार हो रही है। सुशांत सिंह राजपूत केस पर भी कुछ फिल्मकारों ने फिल्म बनाने की घोषणा करते हुए पोस्टर भी रिलीज कर डाले हैं।

दूसरी ओर रिया चक्रवर्ती पर भी बायोपिक बनाने की बातें सामने आ रही हैं। बॉलीवुड के खबरचियों के अनुसार कुछ दिनों में रिया के प्रति लोगों की सहानुभूति बढ़ी है। साथ ही रिया की लाइफ में कई उतार-चढ़ाव पिछले कुछ दिनों में आ गए हैं। इस पर एक बेहतरीन फिल्म बन सकती है।

इस बारे में कुछ फिल्मकार रिया से मिलने के लिए इंतजार कर रहे हैं। जैसे ही उन्हें मौका मिलेगा वे रिया से बात कर उन पर फिल्म बनाने की अनुमति लेना चाहेंगे। वैसे ये भी कहा जा रहा है कि रिया एक किताब भी लिखने वाली हैं जिसमें वे अपना पक्ष जोरदार तरीके से रखेंगी।

लॉकडाउन के दौरान कामना पाठक ने 'हप्पू की उलटन पलटन' के अपने किरदार रज्जो को किया बेहद मिस

टीवी एक्ट्रेस कामना पाठक, जिन्हें निर्माता बिनाफेर कोहली और जय कोहली के धारावाहिक 'हप्पू की उलटन पलटन' में रज्जो के किरदार के लिए जाना जाता है। वे सेट पर शूटिंग शुरू करके बेहद खुश हैं। लॉकडाउन से ठीक पहले वह अपने होम टाउन इंदौर गई थी और फिर 3 महीने से ज्यादा समय तक वहीं फंसी रहीं। कामना पाठक ने कहा, तालाबंदी का समय अच्छी तरह से व्यतीत हुआ क्योंकि मैं अपने परिवार के साथ थी। पिछले 10 वर्षों में, मैंने उनके साथ इतना समय नहीं बिताया था, इसलिए मैं बहुत खुश थी क्योंकि मैं मुंबई में अकेले ही रहती हूं। मैंने रसोई में अपनी मां की मदद की और कई नए व्यंजन भी सीखे हैं। उन्होंने कहा, पहले मैं केवल मैगी बना सकती थी लेकिन अब मैं कई व्यंजन पकाने में सक्षम हूं। इस महामारी ने मुझे एक बात भी सिखाई कि सतर्क रहो और सुरक्षित रहो और स्वस्थ रहो। तभी आप अपने परिवार का ख्याल रख सकते हैं। जब कामना से पूछा गया कि क्या आपको हप्पू गैंग की याद आई? इस पर उन्होंने कहा, मैंने रज्जो को बहुत याद किया है और मेरे ऑन स्क्रीन प्यारे परिवार को भी बहुत याद आरती थी। घर पर मैं रज्जो बनने का नाटक करती थी और सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों के साथ गाती और बातचीत भी करती थी। लेकिन मैं सेट अपने साथी कलाकारों और क्रू के साथ बातचीत करने को बहुत मिस करती थी। कामना से जब पूछा गया शूटिंग को फिर से शुरू करने के लिए आप कितनी डरी हुई थीं? इस पर उन्होंने कहा, शुरू में मैं तटस्थ थी और अपनी भावनाओं को समझ नहीं पा रही थी। मैं खुश थी लेकिन कहीं न कहीं मेरे मन में भी डर था। लेकिन निर्माता बिनाफ़ेर मैम ने मेरी बहुत मदद की है- ठीक उसी समय से जब मैंने इंदौर से मुंबई के लिए फ्लाइट ली। उस समय से अब तक जिस तरह से उन्होंने मेरी देखभाल की है वह एक परिवार की तरह है और मेरे पास उन्हें धन्यवाद देने के लिए शब्द नहीं हैं।